श्री शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 109 | गुवाहाटी | बुधवार, 15 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हताश होकर भाजपा के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे हैं कांग्रेस अध्यक्ष : भाजपा पेज 3
कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने उसके झूठे वादे नहीं... पेज 4
बिना देरी करें जनता की समस्याओं का समाधान : मुख्यमंत्री पेज 5
हिंदुत्व और भगवा से दिक्कत है कांग्रेस को, अपराधी के गले में भी भगवा नजर... पेज 8

अस्थायी शिक्षकों की सेवा नियमित करेगी सरकार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने राज्य में अस्थायी रूप से कार्यरत 40 हजार शिक्षकों की सेवा को नियमित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगू ने आज बताया कि इनमें से 25 हजार टेट परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षक अस्थायी रूप से कार्य कर रहे हैं। जबकि, अन्य नौ हजार पांच सौ शिक्षक राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में काम कर रहे हैं। इन सभी के अलावा नवमी और दसवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ने वाले राज्य के चार हजार पांच सौ शिक्षकों समेत कुल 40 हजार शिक्षकों की सेवा को नियमित कर दिया जाएगा। हालांकि, शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इन शिक्षकों की नौकरी को आज की तारीख से नियमित किया जाएगा। जिस दिन से ये अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उस दिन से इन्हें सेवा में वरीयता का लाभ नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर इन शिक्षकों की सेवाएं नियमित करने की घोषणा की थी। जिस दिशा में शिक्षा विभाग कार्य कर रहा है।

मिजोरम आए म्यांमार के 40 सैनिकों को भेजा वापस

एजल। म्यांमार के चिन राज्य में दो सैन्य अड्डों पर विद्रोही समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के हमले के बाद भागकर मिजोरम आ गए 43 म्यांमारी सैनिकों में से कम से कम 40 को मंगलवार को म्यांमार की सैन्य सरकार के सुपुर्द कर दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीडीएफ के चिन राज्य में रीहखावदार और खावमावी स्थित दो सैन्य अड्डों पर हमला होने के बाद सैनिक मिजोरम के चंफाई जिले के जोखावथार में राज्य पुलिस के पास पहुंचे। अधिकारी ने को बताया कि चालीस म्यांमारी सैनिक सोमवार को जोखावथार आ गए और मिजोरम पुलिस से संपर्क किया, वहीं तीन अन्य सैनिक मंगलवार को पुलिस के पास पहुंचे। उन्होंने कहा कि म्यांमार के करीब 40 सैनिकों को असम राइफल्स के सुपुर्द किया गया जिसने उन्हें मंगलवार को म्यांमार के तामू में वहां की सैन्य सरकार के सुपुर्द कर दिया। उन्होंने कहा कि बाकी सैनिकों को भी भेजा जाएगा। मिजोरम के गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार के 2000 नागरिक भारतीय सीमा में घुसे

एजल। म्यांमार के चिन राज्य में एयरस्ट्राइक और जबरदस्त गोलीबारी की वजह से पड़ोसी मुल्क से लगभग 2000 से अधिक लोग मिजोरम में दाखिल हो गए। ये सभी लोग पिछले 24 घंटों में सीमा पार करते हुए मिजोरम में दाखिल हुए। चम्फाई जिले के डिप्टी कमिश्नर जेम्स लालरिंचन ने बताया कि ये सभी लोग ताजा हवाई हमलों के बीच म्यांमार से -शेष पृष्ठ दो पर

हमास की संसद पर इजराइल का कब्जा लहराया झंडा

गाजा पट्टी। इजराइल-हमास आतंकियों के बीच कई दिनों से भीषण जंग जारी है। इजराइली सेना ने गाजा में हमास लड़ाकों की कमर तोड़ रखी है। गाजा के लगभग कई रिहायशी इलाकों को मिट्टी के ढ़ेर में तबदील कर दिया है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के संसद भवन पर कब्जा कर लिया है। इजराइली सेना ने इसकी एक तस्वीर भी शेयर की है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि इजराइली सैनिक हमास की संसद में अपना झंडा लहराते हुए स्पीकर की कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि इजराइली सेना के कुलीन गोलानी ब्रिगेड ने सोमवार को हमास संसद भवन पर कब्जा कर लिया। आईडीएफ सैनिकों को गाजा में संसद भवन में इजराइली झंडा लहराते हुए भी देखा गया। इजराइली सैनिक स्पीकर की कुर्सी पर बैठे हुए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक आईडीएफ ने हमास की 24 बटालियनों में -शेष पृष्ठ दो पर

महादेव के नाम पर पैसा खाने वालों को जनता माफ नहीं करेगी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि महादेव के नाम पर ऐप बनाकर 500 करोड़ रुपए लूटने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ की जनता माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भूपेश बघेल से जनता हिसाब लेगी और चुनाव के बाद स्वयं महादेव उनसे हिसाब लेंगे। मुख्यमंत्री आज छत्तीसगढ़ में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 500 करोड़ रुपए महादेव ऐप के जरिए लूटकर दिल्ली के कांग्रेस नेताओं को अपनी सत्ता बचाने के लिए देने वाले भूपेश बघेल का हिसाब होना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि यहां के -शेष पृष्ठ दो पर

रिनिकी भुइंया शर्मा ने बाबा केदार के दरबार में टेका मत्था

केदारनाथ धाम (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्य असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की धर्मपत्नी रिनिकी भुइंया शर्मा और अन्य पारिवारिक जनों ने आज भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। ये सभी लोग मंगलवार दोपहर को बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय के साथ हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचे। जहां अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अतिथियों का स्वागत किया। बाबा केदारनाथ मंदिर दर्शनों के पश्चात उन्हें भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया गया। असम के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी और परिजन आज केदारनाथ धाम में प्रवास करेंगे और बुधवार को कपाट बंद के अवसर पर मौजूद रहेंगे। वे लोग कल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

खास नियम : बिना सेमीफाइनल खेले भारत पहुंच जाएगा फाइनल में

नई दिल्ली। आईसीसी विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत के लिए यह मैच काफी मायने रखता है, क्योंकि उसके पास 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से मिली हार का बदला लेने का मौका है। हालांकि, इस बार अच्छी खबर यह है कि अगर किसी कारण सेमीफाइनल मुकाबला पूरा नहीं हो सका तो भारत सीधा फाइनल में पहुंच जाएगा। दरअसल, आईसीसी नियम के मुताबिक, इस विश्व कप में किसी कारण सेमीफाइनल मैच का नतीजा नहीं निकलता है तो अंक तालिका में ऊपरी स्थान पर रहने वाली टीम सीधा फाइनल के लिए प्रवेश कर जाएगी। भारत ने अपने सभी 9 लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल में कार विस्फोट, 27 झुलसे

काठमांडू (हि.स.)। पूर्वी नेपाल के मोरंग जिला में आग लगने की एक घटना में दो दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। इस अग्निकांड के दौरान एक कार में विस्फोट हुआ, जिसमें 4 पुलिसकर्मियों सहित कुल 27 लोग जख्मी हो गए हैं। मोरंग जिले के उर्लाबारी में दीपक कार्की के घर पर आग लगने के बाद दमकल, पुलिस और स्थानीय लोग उस आग को बुझाने में लगे थे। आग बुझाने में मशगूल लोगों को घर की पार्किंग में खड़ी कार की तरफ ध्यान ही नहीं गया और आग की लपटों में कार भी जलने लगी। -शेष पृष्ठ दो पर

महादेव सट्टेबाजी : डाबर ग्रुप के चेयरमैन मोहित बर्मन भी आरोपियों में शामिल

मुंबई (हि.स.)। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में मुंबई पुलिस की ओर से दर्ज केस में डाबर ग्रुप के अध्यक्ष मोहित बर्मन और निदेशक गौरव बर्मन का नाम भी शामिल है। माटंगा पुलिस स्टेशन की टीम की ओर से इस मामले में 31 लोगों को आरोपी बनाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह मामला माटुंगा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश बनकर की शिकायत के आधार पर 07 नवंबर को माटुंगा पुलिस स्टेशन की टीम ने दर्ज किया है। मामले की गहन छानबीन माटुंगा पुलिस स्टेशन के साथ मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम भी कर रही है। इस मामले में अब तक छानबीन में पता चला है कि ऐप को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल, कई अन्य सहयोगियों और भागीदारों द्वारा चलाया जा रहा था। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भी कर रही है। बर्मन परिवार ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

निर्धनता प्रकट करना निर्धन होने से अधिक दुखदायी होता है।
- प्रेमचन्द

गुवाहाटी की एक महिला मुक्केबाज का नाइजीरिया में अपहरण

गुवाहाटी। एक चौंकाने वाली घटना में गुवाहाटी की एक महिला मुक्केबाज को नाइजीरिया में बदमाशों ने कथित तौर पर बंधक बना लिया है। रिपोर्टों के अनुसार, पीड़िता की पहचान बर्णाली बोरा सैकिया के रूप में हुई है, जो 28 अक्तूबर को छुट्टी पर नाइजीरिया गई थी, जिसके बाद अगले तीन दिनों तक पीड़ित के परिवार से कोई संपर्क नहीं हुआ। हालांकि, चौथे दिन पीड़िता अपने परिवार के सदस्यों के पास पहुंचने में कामयाब रही और उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस की सरकार अपने नेताओं की गरीबी हटाती है : गडकरी

छिंदवाड़ा (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा क्षेत्र और सौंसर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 60 वर्षों से अधिक समय तक देश में कांग्रेस ने राज किया। इस दौरान पंचायत, जनपद, नगर परिषद से राज्य और देश में कांग्रेस की सरकारें थीं, लेकिन गरीबी नहीं हटी। गरीबी हटाने का नारा देने वाली कांग्रेस के शासनकाल में जनता नहीं सिर्फ कांग्रेस नेताओं और उनके चेलों की गरीबी दूर हुई। गडकरी ने कहा कि छिंदवाड़ा में कोल माइंस चल रही है। दो और कोल माइंस यहां शुरू होने वाली हैं, जिसके जरिए युवाओं को रोजगार मिलेगा। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार हर हाथ को काम और हर खेत को सिंचाई के पानी के साथ हर घर में नल से जल -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने पंडित नेहरू को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर अपने पोस्ट और मोंटाज (पुराने चित्र) साझा करते हुए शर्मा ने कहा कि उनके कामकाज का सबसे संतोषजनक हिस्सा बच्चों को अपना भविष्य संवारने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जन्मतिथि पर मेरी श्रद्धांजलि। एक अलग पोस्ट में मुख्यमंत्री ने एक वीडियो डाला जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

छठ : भीड़ के सामने फेल हुई रेलवे, बोगियों में ठूंसे जा रहे लोग

नई दिल्ली। देशभर में दीवाली उत्सव खत्म हो चुका है। हालांकि पूर्वांचल और बिहार के लोगों को छठ का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस इलाके के लोग देश के चाहे किसी भी कोने में काम कर रहे हो, छठ के दौरान अपने घर जाने के तमन्ना जरूर रखते हैं। यही कारण है कि छठ के आसपास स्टेशनों पर लंबी कतारें और जबरदस्त भीड़ देखने को मिल जाती हैं। वर्तमान में भी यही देखा जा रहा है। चाहे मुंबई का कोई स्टेशन हो या फिर दिल्ली, सूरत हो या चेन्नई, कोलकाता हो या फिर पंजाब का कोई शहर, हर स्टेशनों पर यात्रियों की जबरदस्त भिड़ है जो किसी भी तरह से छठ के मौके पर अपने घर जाने को बेताब है। इसमें उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिनका पहले से ही रिजर्वेशन है और जिनका रिजर्वेशन नहीं है उनके लिए परेशानी तो है ही। दिल्ली, मुंबई, अमृतसर, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई जैसे शहरों से बिहार के लिए रवाना होने वाली ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ है। क्या जनरल, क्या स्लीपर, क्या एसी और क्या फर्स्ट क्लास, ट्रेन के हर बोगी में यात्री जैसे तैसे यात्रा करने को मजबूर है। ट्रेन के निकल जाने के बाद भी स्टेशन पर भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जिस तरीके से यात्रियों से ट्रेन की बोगियां खचाखच भरी हुई हैं, उसकों देखने से ऐसा ही लगता है कि जैसे बोरी में लोग सामान को कसते हैं वैसे ही बोगियों में इंसान को ठूंसा जा रहा है। कई रेलवे स्टेशन पर तो -शेष पृष्ठ दो पर

!! श्री सुकृतदेवाय नमः !!

शोक संदेश

स्व. ब्रह्मेश्वर तिवारी

आपको सूचित करते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि हमारे पूजनीय **श्री ब्रह्मेश्वर तिवारी** (पुत्र स्वः पंडित ऋषभ देव तिवारी) का देवलोक गमन सोमवार, दिनांक 13-11-2023 को रात्रि 11.56 मिनट पर गुवाहाटी, असम में हो गया है।

शोकाकुल
ऊषा तिवारी (धर्म पत्नी)
राहुल त्रिपाठी (पुत्र) प्रियंका त्रिपाठी (पुत्रवधू)
गीता तिवारी (अनुज वधू)
गायत्री तिवारी (अनुज वधू)
रत्न बिहारी तिवारी (अनुज) पूनम तिवारी (अनुज वधू)
कुंज बिहारी तिवारी (अनुज) विनीता तिवारी (अनुज वधू)
रूबी उपाध्याय (पुत्री) धनंजय उपाध्याय (जवांई)
जिमी पांडे (पुत्री) जय आनंद पांडे (जवांई)
प्रशांत तिवारी (भतीजा) निधि तिवारी (भतीजा वधू)
प्रभात तिवारी (भतीजा) नेहा तिवारी (भतीजा वधू)
सोनू तिवारी (भतीजा) मौसमी तिवारी (भतीजा वधू)
आदित्य तिवारी (भतीजा)
विशाल तिवारी (भतीजा)
मोनू तिवारी (भतीजा)
रुद्र तिवारी (भतीजा)
पौत्र : अथर्व त्रिपाठी
एवं समस्त तिवारी परिवार

:: निवास ::
तिवारी भवन
ए.के. आजाद रोड, फटाशील
आमबाड़ी, गुवाहाटी 781025
राहुल त्रिपाठी (पुत्र)
मोबाइल नम्बर:: 9706061007

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी : युद्ध के कारण गहराया मानवीय संकट

संरा। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि पांच नवंबर के बाद से करीब दो लाख और लोग उत्तरी गाजा से विस्थापित हुए हैं क्योंकि इजराइली सेना अस्पतालों के आसपास फिलीस्तीनी आतंकवादियों से लड़ रही है, जहां मरीज, नवजात शिशु और चिकित्सक बिना बिजली और जरूरी चीजों की किल्लत के बीच फंसे हुए हैं। मानवीय मामलों के समन्वय से संबंधित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि उत्तर में केवल एक अस्पताल मरीजों को भर्ती करने में समर्थ है, अन्य सभी अस्पताल अब काम करने में सक्षम नहीं हैं और इनमें से ज्यादातर आश्रय गृह के रूप में संचालित हो रहे हैं जहां पर युद्ध के कारण विस्थापित लोग शरण ले रहे हैं। गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल शिफा भी इजराइली सेना से घिरा है जहां 36 बच्चों की जान जोखिम में है क्योंकि वहां इनक्यूबेटर के लिए बिजली उपलब्ध नहीं है। हमास की ओर से अचानक हमले के बाद शुरू हुआ युद्ध अब छठे सप्ताह में प्रवेश कर गया है। हमास के उग्रवादियों ने हमला करके सैकड़ों नागरिकों को मार दिया था और करीब 240 लोगों को बंधक बनाकर अपने साथ गाजा ले गए थे। इजराइल ने लगभग तीन सप्ताह तक भारी हवाई हमले किए और इसके बाद उत्तर में सेना और टैंक भेजे। युद्ध में जहां हजारों फलस्तीनी नागरिकों को जान गंवानी पड़ी है, वहीं इससे बड़े पैमाने पर तबाही भी हुई। इजराइल ने नागरिकों से उत्तर में गाजा शहर और आसपास के इलाकों को खाली करने का अनुरोध किया है, लेकिन सेना से घिरे क्षेत्र का दक्षिणी हिस्सा भी ज्यादा सुरक्षित नहीं है। इजराइल उत्तर से दक्षिण तक लगातार हवाई हमले करता है। इजराइल कहता है कि वह आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रहा है लेकिन इसमें अक्सर महिलाओं और बच्चों की मौत होती है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा दक्षिण में संचालित आश्रय गृहों में लोगों की बहुत अधिक भीड़ है। आश्रय गृहों में लोगों की भीड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि औसतन 160 लोगों के इस्तेमाल के लिए केवल एक शौचालय है। कुल मिलाकर करीब 15 लाख फिलीस्तीनी अपना घर छोड़ चुके हैं और यह संख्या गाजा की कुल आबादी की करीब दो तिहाई है। लोगों को रोटी और पानी के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ता है। कूड़ा-कचरा जमा हो रहा है और नालों का पानी सड़कों पर बह रहा है। नल से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है क्योंकि पानी की आपूर्ति करने वाले पंप और शोधन संयंत्रों के लिए बिजली या अन्य ईंधन उपलब्ध नहीं है। इजराइल ने युद्ध की शुरुआत के बाद यह कहते हुए ईंधन आयात पर रोक लगा दी है कि हमास इसका इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए करेगा। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, जो दक्षिण में स्कूलों और अन्य सुविधाओं में शरण लिए हुए 6,00,000 से अधिक लोगों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए जूझ रही है, ने कहा कि बुधवार तक उसका ईंधन खत्म हो सकता है। एजेंसी ने कहा कि ईंधन खत्म होने पर उसे अधिकांश सहायता अभियान रोकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। एजेंसी ने कहा कि वह मिस्र के राफा क्रॉसिंग (बाहरी दुनिया से गाजा के संपर्क का एकमात्र स्थान) के माध्यम से भोजन और दवा की सीमित आपूर्ति जारी रखने में असमर्थ है। इस्राइली सेना क्षेत्र के मुख्य शहर गाजा सिटी के केंद्र में फलस्तीनी आतंकवादियों से लड़ रही है, वहीं दोनों पक्ष अस्पतालों की दुर्दशा का अपने-अपने हित में इस्तेमाल कर रहे हैं।

बाल दिवस पर मासूम को मिला इंसाफ

दुष्कर्म और हत्या मामले में ओरोपी को मिली मौत की सजा

कोच्ची। बिहार की 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या करने के मामले में केरल की एक अदालत ने दोषी व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। मंगलवार को विशेष पॉस्को (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत के न्यायाधीश के सोमन ने अलुवा बाल दुष्कर्म और हत्या मामले में प्रवासी मजदूर अश्वक आलम को देश की सबसे बड़ी सजा सुनाई है। बता दें कि कोर्ट ने यह सजा उस दिन सुनाई है जिस दिन पूरे देश में बाल दिवस मनाया जा रहा है। इसके अलावा आज पॉस्को अधिनियम की 11वीं वर्षगांठ भी है, जो 14 नवंबर 2012 को लागू हुआ था। कोर्ट जब दोषी आलम को सजा सुना रही थी, तो उस समय पीड़िता के माता-पिता अदालत में ही मौजूद थे। बता दें कि आलम को 4 नवंबर को दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि मामला दुर्लभतम श्रेणी में आता है और इसलिए दोषी को मौत की सजा दी जानी चाहिए। अभियोजन पक्ष ने कहा था कि सजा पर बहस के दौरान, आलम ने अदालत में दावा किया था कि अन्य आरोपियों को छोड़ दिया गया और केवल उसे ही मामले में पकड़ा गया। इसके अलावा, उसने कोई अन्य दलील नहीं दी थी। अदालत ने आरोप पत्र में आलम को सभी 16 अपराधों का दोषी पाया था। अभियोजन पक्ष ने पहले कहा था कि 16 में से पांच अपराधों में मौत की सजा है। उल्लेखनीय है कि नाबालिग बच्ची को 28 जुलाई को उसके किराए के घर से अपहरण करने के बाद उसके साथ क्रूरतापूर्वक दुष्कर्म किया गया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। लड़की का शव पास के अलुवा में एक स्थानीय बाजार के पीछे एक दलदली इलाके में एक ढेर में फेंका हुआ पाया गया था। आरोपी आलम को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

गड्ढे में गिरकर शिशु की मौत

बंगाईगांव (हिंस)। जिले के जोगीघोपा में आज गड्ढे में गिरकर एक शिशु की करुण मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार बच्ची उस समय गड्ढे में गिरी जब उसकी मां बच्चे को बगल में रखकर काम कर रही थी। यह घटना जोगीघोपा के कुमारकटा स्थित एक ईंट के भट्टे में हुई। मृत बच्ची की पहचान काशिनूर रहमान के रूप में की गई है। बच्ची की आयु डेढ़ वर्ष बताई गई है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया। इससे सिलसिले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

तेजस एक्सप्रेस से 500 ग्राम तस्करी का सोना जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस द्वारा तेजस एक्सप्रेस से आज 500 ग्राम तस्करी का सोना जप्त किया गया। यह सोना अगरतला से राजस्थान ले जाया जा रहा था। रेलवे पुलिस ने बताया कि सोने के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोने की बरामदगी आज रेलवे पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर ट्रेन के अंदर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हुई। इस सिलसिले में आगे के कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

जालंधर में किन्नर समाज के महंत आलू की हत्या

चंडीगढ़ (हिंस)। जालंधर में किन्नरों की पुरानी रंजिश के चलते सोमवार की रात एक महंत की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बिल्ला नाम के व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। किन्नर समाज के महंत की हत्या के बाद पूरी रात जालंधर में हंगामा चलता रहा। एसीपी सेंट्रल निर्मल सिंह व अन्य अधिकारियों ने गुस्साए किन्नरों को शांत किया। रविवार को दिवाली और सोमवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा के बाद किन्नर समाज के महंत अलिशा उर्फ आलू उर्फ रोहित काफी थक गए थे। जिसके चलते सोमवार की रात को वह जल्द सो गए था। साथी महंतों के अनुसार रात में बिल्ला नामक युवक उनके घर में आ धमका और आते ही उसने आलू की पीठ पर फायरिंग कर दी और फरार हो गया। गोली लगने से महंत अलिशा उर्फ आलू की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आलू के शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस को घटनास्थल से दो गोलियों के चले हुए खोल मिले हैं। वारदात के बाद से पूरे मोहल्ले में डर का माहौल बना हुआ है। अलिशा महंत उर्फ आलू की मौत की खबर के बाद शहर के तमाम किन्नरों ने जालंधर-होशियारपुर हाईवे पर स्थित जोहल अस्पताल के बाहर कई घंटे तक हंगामा किया। मंगलवार की सुबह करीब चार बजे पुलिस ने किन्नरों को उचित कार्रवाई का भरोसा देकर शांत किया। एसीपी निर्मल सिंह ने बताया कि यह पुरानी रंजिश का मामला है और हमलावरों तथा मृतक के बीच कई माह से विवाद चल रहा है। मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत एक छात्रा घायल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट के कछारीहाट में कछारीहाट महाविद्यालय के सामने तरफात रोड पर सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि अन्य एक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोलाघाट दिशा से कछारीहाट की ओर आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने एक स्कूली छात्रा को टक्कर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद डंपर ने एक अन्य व्यक्ति को भी टक्कर मार दी। जिससे उस व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बुपाइटो कर्मकार के रूप में हुई है। मृतक दिहाड़ी मजदूर का घर मथुरापुर में है। घायल छात्रा जुगलज्योति गोगोई को गोलाघाट कुशल कोंवर सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दो लोगों को टक्कर मारने के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

अब कुत्ते ने काटा तो मिलेगा 20 हजार का मुआवजा

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने कुत्ते काटने की घटना में बढ़ोतरी को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों की संख्या काफी बढ़ गई है। ऐसे में अगर किसी को ये कुत्ते काटते हैं तो दोनों राज्य सरकारों को इसका मुआवजा देना होगा। कोर्ट ने पीड़ित को 10 हजार रुपए प्रति दांत के निशान से मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकारों को इसके लिए गाइडलाइन बनाने का भी आदेश दिया। जस्टिस विनोद एस भारद्वाज की बेंच ने चंडीगढ़ में कुत्ते काटने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। एस भारद्वाज की बेंच ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया। बेंच ने कहा कि अगर कुत्ते के काटने से दांत के निशान बनते हैं तो पीड़ित को प्रति दांत के निशान पर 10 हजार रुपए मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा अगर कुत्ते के काटने से स्किन में घाव होता है या मांस निकल जाता है तो प्रति 0.2 सेंटी मीटर घाव के लिए मिनिमम 20000 रुपए मुआवजा दिया जाए। हाई कोर्ट ने कहा कि मुआवजे का भुगतान करने की दोनों राज्य सरकारों की होगी। जस्टिस विनोद एस भारद्वाज की बेंच ने कहा कि मुआवजे की रकम राज्य सरकार उस इंसान या एजेंसी से वसूल सकती है, जिसका कुत्ते से कोई कनेक्शन हो। कोर्ट ने कहा कि कुत्ते काटने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। कई लोगों की मौत हो गई है। अगर इस पर लगाम नहीं लगाया गया तो मामले और भी बढ़ेंगे। इससिए अब राज्य सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कोर्ट ने सरकार को इसके लिए गाइडलाइन बनाने का भी आदेश दिया।

पृष्ठ एक का शेष

मिजोरम आए म्यांमार ...

चिन राज्य के करीब 2500 से 5000 लोग रविवार से म्यांमार की सेना और लोकतंत्र समर्थक विद्रोही समूहों के बीच भारी गोलीबारी के बाद से मिजोरम चले गए हैं। चंफाई के उपायुक्त जेम्स लालरिनछाना ने इस बात की पुष्टि की कि विद्रोहियों ने दो सैन्य केंद्रों पर हमला किया था। अधिकारियों के अनुसार बदले में म्यांमार की सेना ने भी इन दोनों जगहों पर हवाई हमले किए। जोखावथार ग्राम परिषद के अध्यक्ष लालमुआनपुइया ने दावा किया कि हवाई हमलों में पीडीएफ के कम से कम सात सदस्यों के मारे जाने की खबर है।

म्यांमार के 2000 ...

2000 से अधिक लो मिजोरम के चम्फाई जिले में प्रवेश कर गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, जेम्स लालरिंचन ने आगे जानकारी दी कि म्यांमार की सत्तारूढ़ जुंटा समर्थित सेना और मिलिशिया समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स के बीच भीषण गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा कि लड़ाई तब हुई जब पीडीएफ ने म्यांमार के चिन राज्य में खावमावी और रिहखावदार में दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। जेम्स लालरिंचना ने आगे बताया कि म्यांमार के रिहखावदार सैन्य अड्डे को सोमवार तड़के पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने अपने कब्जे में ले लिया और खावमावी सैन्य अड्डे पर भी दोपहर तक नियंत्रण हासिल कर लिया। राज्य के गृह मंत्रालय के मुताबिक, वर्तमान में 31,364 नागरिक राज्य के विभिन्न हिस्सों में जीवन जी रहे हैं। ज्यादा शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। बता दें कि पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने म्यांमार में सैन्य शासन के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। यह नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट की सशस्त्र शाखा है। बताते चलें कि 1 फरवरी 2021 को हुए सैन्य तख्तापलट के जवाब में पीडीएफ का गठन किया गया है। इस संगठन का उद्देश्य म्यांमार में सैन्य ताकत से लड़ते हुए देश में फिर से चुनी गई सरकार के जरिए लोकतंत्र स्थापित करना है।

हमास की संसद ...

से 10 की प्रभावशीलता को तोड़ दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि इजराइली सैनिक प्लान के मुताबिक काम कर रहे हैं और खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करते हुए सटीकता से हमास का खात्मा कर रहे हैं। बता दें कि 7 अक्तूबर को ही हमास के लड़ाकों ने इजराइल पर हमला किया था। इसमें 1400 नागरिकों की मौत हुई जबकि 240 लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। इसके बाद इजराइल सेना लगातार कई हफ्तों से गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर बमबारी कर रहा है। इजराइल ने हमास के हजारों ठिकानों को तबाह किया है और इसमें लगभग 11000 लोगों की मारे जाने की खबर है। आईडीएफ ने हमास पर उत्तरी गाजा के प्रमुख अस्पतालों को अपने कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है और नागरिकों को एन्क्लेव के दक्षिणी हिस्से में स्थानांतरित होने के लिए कहा है। गाजा पट्टी में अस्पतालों के आसपास चल रहे संघर्ष के कारण हजारों फलस्तीनियों को उत्तरी गाजा में अंतिम बचे कुछ आश्रय स्थलों को छोड़कर जाना पड़ रहा है, जबकि बिजली नहीं होने और अन्य सामान की आपूर्ति कम होने के साथ अस्पतालों में नवजात शिशुओं सहित गंभीर रूप से घायल मरीज और उनके तीमारदार फंसे हुए हैं। इजराइल की सेना ने फलस्तीनियों से कहा है कि वे पैदल-पैदल सुरक्षित मार्गों से दक्षिणी इलाकों से निकल जाएं। हालांकि आम नागरिकों को हमास के चरमपंथियों से उन्हें अलग करने के उसके अभियान की भारी कीमत चुकानी पड़ी है और इलाके की कुल 23 लाख आबादी में से दो तिहाई से अधिक लोग अपने-अपने घर छोड़कर चले गए हैं। इजराइल के सैनिकों ने सप्ताहांत में गाजा के शिफा अस्पताल को घेर लिया। अधिकारियों के अनुसार इस दौरान हजारों लोग इलाका छोड़कर चले गए, वहीं सैकड़ों रोगी और विस्थापित लोग वहीं फंसे रह गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेयेसस ने कहा कि शिफा अब अस्पताल के रूप में काम नहीं कर रहा है। गाजा शहर के एक और अस्पताल अल-कुद्स को भी रविवार को बंद करना पड़ा। इसे संचालित करने वाले फलस्तीनी रेड क्रिसेंट समूह ने कहा कि आसपास इजराइली सैनिक तैनात हैं और करीब 6,000 रोगियों, चिकित्साकर्मियों तथा विस्थापितों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महादेव के नाम पर...

किसानों का धान 2100 प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा। हर गरीब का पक्का मकान होगा। एक लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां मिलेगी। छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का सफाया किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गंगा मां की कसम खाकर शराबबंदी की बात कहने वाले भूपेश बघेल ने शराब की गंगा बहा दी है। दिल्ली में भी शराब के नाम पर लूटने वालों को हमने नहीं छोड़ा है और यहां भी नहीं छोड़ेंगे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने अलग-अलग जनसभा में जहां कांग्रेस की मौजूदा सरकार की गलत नीतियों को उजागर किया, वहीं भाजपा सरकार द्वारा भाजपा शासित राज्यों में किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने आज छत्तीसगढ़ में छह चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया। आज गुवाहाटी से छत्तीसगढ़ पहुंचने पर राज्य के राजिम विधानसभा क्षेत्र के सर्कस मेला मैदान में उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वहां से बिंद्रानबागढ़ विधानसभा क्षेत्र के मैनपुर में जनसभा को संबोधित किया। वहां से मुख्यमंत्री ने गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्र के अर्जुनदा एनपी में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री वहां से सीधे दुर्ग जिला में एक रोड शो में भाग लिया। रोड शो के समापन के बाद उन्होंने अहिरवारा विधानसभा क्षेत्र के पानी टंकी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा के बाद मुख्यमंत्री वहां से सीधे भिलाई रोड पर आयोजित एक रोड शो में भाग लेने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले भी मुख्यमंत्री कई जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। उन जनसभा में लोगों की अपार भीड़ एवं जन समर्थन को देखते हुए पार्टी ने दूसरे चरण के चुनाव से पहले भी मुख्यमंत्री का चुनावी कार्यक्रम तय किया है। उन्हें भाजपा की ओर से स्टार कैंपेनर बनाया गया है।

रिनिकी भुइंया शर्मा ...

प्रात:कपाट बंद होने और पंचमुखी डोली प्रस्थान के पश्चात बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय के साथ बदरीनाथ धाम दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इस अवसर पर बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह, कार्याधिकारी आरसी तिवारी पुजारी शिवलिंग और तीर्थपुरोहित समाज के सदस्य मौजूद रहे।

खास नियम : बिना...

थी, तो वहीं न्यूजीलैंड 5 मैच जीतकर जगह बनाई थी। इसके अलावा आईसीसी ने कंफर्म किया है कि दोनों सेमीफाइनल मैच और फाइनल मैच के लिए एक-एक दिन का रिजर्व-डे रखा गया है। लिहाजा, अगर सेमीफाइनल और फाइनल मैच में बारिश होती है तो उस मैच को उसके अगले दिन पूरा किया जाएगा। सेमीफाइनल मैच का रिजर्व-डे 16 नवंबर को होगा। वहीं, 16 नवंबर को साउथ-अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच का रिजर्व-डे 17 नवंबर को होगा, जबकि 19 नवंबर को होने वाले फाइनल मैच का रिजर्व-डे 20 नवंबर रखा गया है। सेमीफाइनल्स और फाइनल्स के लिए 120 मिनट एक्स्ट्रा टाइम भी दिया गया है। बता दें कि 2019 वर्ल्ड कप में भारत का सेमीफाइनल मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ ही खेला गया था। उस मैच में भी बारिश बाधा बनी थी, जिसके बाद उस मैच को रिजर्व-डे के दिन पूरा किया गया था, जिसमें भारत को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने लीग स्टेज के सभी मैचों में जीत हासिल की है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने शुरुआत में तो अच्छा क्रिकेट खेला था, लेकिन उसके बाद लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

नेपाल में कार ...

इसी दौरान कार में अचानक विस्फोट होने से कुल 27 लोग झुलस गए, जिनमें चार पुलिस वाले भी शामिल हैं। पहले तो इनको पास के विराटनगर और झापा के चंद्रगढी के अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन इनकी खराब हालत को देखते हुए 24 लोगों को काठमांडू लाया गया है। नेपाली सेना के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद भंडारी ने बताया कि सेना के हेलीकॉप्टर से पहले 14 घायलों को काठमांडू लाया गया और फिर बाद में 10 और घायलों को लाया गया है। इन सबका उपचार काठमांडू के कीर्तिपुर स्थित सुषमा कोईराला बर्न सेंटर में इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों के मुताबिक काठमांडू लाए गए अधिकांश लोग 60-80 प्रतिशत तक जले हुए हैं।

महादेव सट्टेबाजी : डाबर ...

एफआईआर बर्मन परिवार द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड के अधिग्रहण को रोकने के प्रयास में निहित स्वार्थों द्वारा किया गया है। हमें ऐसी किसी भी एफआईआर पर कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। हालांकि, हमने एफआईआर देखी है जिसे मीडिया हाउसों में प्रसारित किया जा रहा है। एफआईआर बिल्कुल झूठी और निराधार है। मीडिया में प्रसारित की जा रही एफआईआर की एक प्रति से पता चलता है कि आरोप लगाए जा रहे हैं कि मोहित बर्मन और गौरव बर्मन सीधे तौर पर कुछ आरोपियों से संबंधित हैं।

गुवाहाटी की एक ...

अपनी स्थिति के बारे में बताया। बर्णाली के मुताबिक किंग नाम के शख्स ने उन्हें नाइजीरियाई एयरपोर्ट से उठाया और उनका वीजा और पासपोर्ट छीन लिया। मीडिया से बात करते हुए पीड़िता की बेटी ने कहा कि 28 अक्तूबर को मेरी मां मेरे पिता के परिचित के साथ बेंगलुरु से नाइजीरिया के लागोस गई थीं...शुरुआत में सब ठीक था लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह नहीं रही हैं। खाना दिया और मूलत: उसका अपहरण कर लिया गया है। इसके अलावा, पीड़िता की बेटी ने पुष्टि की कि उसकी मां 28 अक्तूबर को 14 दिन के वीजा पर गई थी। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के आधार पर, पीड़ित परिवार ने दिसपुर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की है और कहा है कि बर्णाली बौरा सैकिया का वापसी टिकट 13 अक्तूबर को रात 10:45 बजे था, जो कि स्वामी नयन सैकिया नामक व्यक्ति द्वारा किया गया था, हालांकि, राजा एफआईआर में कहा गया है कि बर्णाली को हवाई अड्डे तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी गई। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि किंग के रूप में पहचाने जाने वाले नाइजीरियाई व्यक्ति की छह महीने पहले गुवाहाटी में बर्णाली बोरा सैकिया के परिवार से जान-पहचान हुई थी। बर्णाली बोरा सैकिया को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए परिवार ने अतिरिक्त मदद के लिए दिल्ली अपराध शाखा से भी संपर्क किया है।

कांग्रेस की सरकार...

पहुंचाने के कार्य में लगी है। मध्यप्रदेश को बीमारू से विकसित राज्य बनाने में भाजपा की राज्य सरकार के साथ केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का बहुत बड़ा योगदान है। डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकसित राज्य बना है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि कमलनाथ के केंद्र में मंत्री रहते हुए छिंदवाड़ा की सड़कें बहुत खराब थीं। छिंदवाड़ा से नागपुर पहुंचने में पांच घंटे लगते थे। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने चमचमाती हुई सड़कों का निर्माण कराया है। अब छिंदवाड़ा से तीन घंटे में लोग नागपुर पहुंच जाते हैं। आप भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाएं, मैं छिंदवाड़ा से नागपुर तक ब्रॉडगेज मेट्रो चलाने का प्रयास करूंगा। आज मैं यहां यह विश्वास दिलाने आया हूं कि आप भाजपा प्रत्याशियों को जिताएंगे तो आपके क्षेत्र का विकास होगा और समृद्धि आएगी, क्योंकि विकास सिर्फ भाजपा ही करती है। गडकरी ने कहा कि सौंसर में भाजपा विजयी होती है तो ट्रिपल इंजन की सरकार के साथ सौंसर का विकास होगा। 70 साल में 60 साल कांग्रेस के और 10 साल भाजपा के विकास को देखें। भाजपा विजयी होती है तो सावनेर से छिंदवाड़ा और बजाज जोड़ से पांढुर्णा तक फोर लेन बनाया जाएगा। सौंसर और विदर्भ के किसानों की कपास और संतरा फसल को अच्छा भाव मिले, इसके लिए सरकार सीधा निर्यात बांग्लादेश करेगी। संतरा पर लगाया गया टैक्स कम करने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से मेरी बात हुई है, उसका भी लाभ किसानों को होगा।

छठ : भीड़ के सामने ...

भगदड़ जैसी स्थिती है। सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे हैं लेकिन घर जाने की स्थिति में परेशान यात्रियों का सब्र का बांध भी टूट जाता है। ट्रेन के टायलेट तक में इंसान खचाखच भरे हुए हैं। यात्रियों के लिए इंतजाम तो किए गए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हो या फिर आनंद विहार, यात्रियों की सुविधा को देखते हुए पूछताछ काउंटर अलग से स्थापित किया गया है। इसके अलावा रुकने के लिए रेलवे की तरफ से कई इंतजाम किए गए हैं, अलग से टेंट लगाए गए हैं। वहां पर बड़े स्क्रीन पर छठ के गाने भी चल रहे हैं। लेकिन यात्रा के दौरान यात्रियों को धक्का मुक्की के बिना घर पहुंच पाना संभव नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि 11 नवंबर को गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर भीड़ की वजह से भगदड़ हो गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। टिकट को देखें तो लगभग ज्यादातर ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति है। जिनके पास वेटिंग टिकट है वह भी किसी तरह से ट्रेन में बस घुसने की कोशिश में रहते हैं ताकि जैसे तैसे पर अपने घर को पहुंच सके। रेलवे का दावा है कि त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1700 विशेष ट्रेनों को सेवा में लगाया गया है जिसकी वजह से 26 लाख अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हुए हैं। हालांकि, किसी भी ट्रेन में फिलहाल टिकट की उपलब्धता मौजूद नहीं है। कन्फर्म टिकट वालों की भी ट्रेनें छूट रही हैं। यात्री ज्यादातर उन ट्रेनों में चढ़ना पसंद करते हैं जो लगातार चलती हैं। त्योहारी मौसम में जो स्पेशल ट्रेन चलती हैं उनका लेट होने का पुराना इतिहास है। यीही कारण है की स्पेशल ट्रेनों से ज्यादा रेगुलर ट्रेनों को यात्रियों की ओर से वरीयता दी जाती है। हालांकि स्पेशल ट्रेनों का भी इस दौरान हाल बेहाल होता है। वहां भी किसी भी प्रकार के कोई जगह नहीं रहती है। स्पेशल ट्रेनों का किराया भी ज्यादा होता है। बावजूद इसके वहां भी टिकट मिलना मुश्किल है। इसके अलावा ट्रेन का लेट होना भी यात्रियों को परेशान करता है।

मुख्यमंत्री ने पंडित...

विभिन्न उम्रवर्ग के बच्चों के साथ बिताए गए पल को दिखाया गया है और पृष्ठभूमि में *तारे जमीं पर* फिल्म का गाना *खोलो खोलो* बज रहा है। उन्होंने इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा है कि बच्चों का भविष्य संवारने में मदद करना मेरे कामकाज का सबसे संतोषजनक हिस्सा है। बाल दिवस की बधाई। नेहरू का जन्म सन् 1889 में प्रयागराज (तब उसे इलाहाबाद कहा जाता था) में हुआ था और वह देश के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में एक थे। उनके प्रशंसक उन्हें देश में लोकतांत्रिक जड़ों को मजबूत करने का श्रेय देते हैं। इस बीच असम पुलिस ने एक पोस्ट में लोगों को माता-पिता द्वारा ऑनलाइन मंचों पर अपने नाबालिग बच्चों की सूचना अत्यधिक साझा करने के जोखिमों को लेकर जागरूक किया। उसने कहा कि इस बाल दिवस पर, हम अपने छोटे बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। अपने बच्चे की जिंदगी की बातें ऑनलाइन साझा करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पुलिस ने सुरक्षित बचपन के लिए बच्चों की निजता की सुरक्षा की वकालत की।

हताश होकर भाजपा के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे हैं कांग्रेस अध्यक्ष : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा है कि जनता का समर्थन खो चुके कांग्रेस के नेता हताश होकर भाजपा के विरुद्ध प्रचार करने में लगे हुए हैं। मनोज बरुवा आज राजधानी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा और इसके नेता रकीबुल हुसैन के दामन दागदार हैं। भ्रष्टाचार के अनेक आरोपों से ये नेता घिरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्योतिषी की तरह आजकल भूपेन बोरा भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पांच राज्यों में भाजपा धराशाई होने जा रही है। उनकी यह भविष्यवाणी 3 दिसंबर को झूठी साबित हो जाएगी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 16 नवंबर को भूपेन के गृह क्षेत्र बिहुपूरिया के बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता तथा मंत्री जयंतमल्ल बरुवा की आलोचना करने वाले पूर्व मंत्री तथा कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन भ्रष्टाचार के कई आरोपों से घिरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगांव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश बोरा 12 करोड़ रुपए का ठेका प्राप्त करने के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस के नेता हताश होकर इस तरह की बातें किया करते हैं। पत्रकार सम्मेलन के दौरान भाजपा प्रवक्ता बरुवा ने कांग्रेस तथा इसके नेताओं पर अन्य कई आरोप लगाए।

गुवाहाटी में लगी आग में फ्लैट जलकर राख

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के पंजाबाड़ी इलाके में बीती देर रात लगी भीषण आग में एक फ्लैट जलकर राख हो गया। फ्लैट में स्थित करोड़ों रुपए की संपत्ति भी जलकर राख हो गई। आरोपों के अनुसार यह आग आतिशबाजी के कारण लगी। आग की सूचना पाकर पहुंचे अग्निशमन दस्ते ने आग को फैलने से रोक दिया। लेकिन, तब तक एक फ्लैट पूरी तरह जलकर राख हो गया था। जिस फ्लैट में आग लगी, वह पांच दिनों से बंद पड़ा हुआ था। इस संदर्भ में फ्लैट के मालिक ने आज दिसपुर थाना में अपार्टमेंट के बिल्डर माधव शर्मा के विरुद्ध एक प्राथमिक की दर्ज करवाई। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि बिल्डर द्वारा बीती रात अपार्टमेंट में शराब की पार्टी चल रही थी। इस पार्टी के दौरान रात भर जमकर आतिशबाजी की गई। इसी आतिशबाजी के कारण उनका फ्लैट जल गया। फ्लैट के अंदर एक करोड रुपए से अधिक की संपत्ति जल गई। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आगे की करवाई कर रही है।

मेघालय : यूडीपी ने लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के चयन के लिए समिति बनाई

शिलांग। यूडीपी प्रमुख मेटबाह लिंगदोह ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) ने सदस्यों के चयन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने सोमवार को कहा कि हमने समिति को उन लोगों की उम्मीदवारी से संबंधित मामले देखने का काम सौंपा है, जिन्होंने हमारी पार्टी से चुनाव लड़ने में रुचि दिखाई है। यूडीपी ने शिलांग और तुरा... दोनों लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। वर्तमान में शिलांग सीट का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के विंसेंट एच पाला और तुरा सीट का प्रतिनिधित्व नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की अगाथा के संगमा कर रही हैं। लिंग्दोह ने बताया कि सीईसी ने यूडीपी और हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) के नेताओं के, शिलांग लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए मिलकर काम करने के फैसले का समर्थन किया है। यूडीपी मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) का हिस्सा है।

बिलासीपाड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शव बरामद

धुबड़ी (हिंस)। जिले के बिलासीपाड़ा में 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज खून से लथपथ एक शव बरामद किया गया। आज सुबह लोगों ने शव को देखकर तत्काल ही पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए अस्पताल में भेज दिया। मृतक की पहचान सुवापाता प्रथम खंड गांव के अब्बास अली के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि सोमवार की रात मृतक की हत्या कर शव को राष्ट्रीय राजमार्ग पर फेंक दिया गया होगा।

संदिग्ध गोली छेद मामला : असम में विपक्ष के नेता ने की फोरेंसिक जांच की मांग

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने उस संदिग्ध गोली के छेद के निशान की गहन फोरेंसिक जांच की मांग की है, जो पहले दिसपुर में विधायक क्वार्टर में पाया गया था। सैकिया ने कहा कि पुलिस कह रही है कि उन्हें यकीन नहीं है कि एमएलए हॉस्टल की बालकनी पर निशान गोली का है या कुछ और। इस परिदृश्य में मैं फोरेंसिक जांच का आग्रह करता हूं। एमएलए हॉस्टल परिसर में पहली मंजिल की बालकनी की कांच की खिड़की में एक संदिग्ध गोली लगने से दिसपुर में तनाव फैल गया। यह घटना रविवार रात को हुई, जब राज्य की राजधानी दिवाली का जश्न मना रही थी। एमएलए हॉस्टल की पहली मंजिल

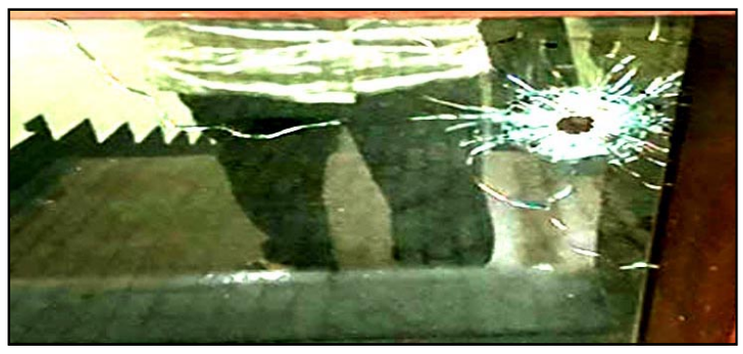

की बालकनी में संदिग्ध गोली का छेद देखा गया। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया सहित कम से कम छह विधायक उस इमारत में रहते हैं। घटना की जानकारी होने पर पुलिस की एक टीम रविवार रात एमएलए हॉस्टल पहुंची और प्रारंभिक जांच की। पुलिस के मुताबिक, इस बात पर संदेह है कि छेद गोली से हुआ है या किसी अन्य चीज से। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त, दिगंता बराह ने कहा कि हमारी प्राथमिक जांच के अनुसार, कांच की खिड़की में छेद गोली जैसा नहीं दिखता है; बल्कि यह किसी नुकीली वस्तु के प्रहार से उत्पन्न हो सकता है। इसके अलावा, वस्तु संभवत: इमारत के अंदर से फेंकी गई थी, बाहर से नहीं। सैकिया ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि चाहे वह एमएलए हॉस्टल हो या कोई अन्य जगह, राज्य में रहने वाले प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सरकार के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। इस दृष्टिकोण से, मैं सरकार से इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देने का आग्रह करता हूं।

एक ट्रक से 38 मवेशी बरामद, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 38 मवेशियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी इलाके के लिंक रोड में चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एएस-बीआर-06-जीडी-0476) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 38 मशियों की तिनसुकिया से मोरीगांव होते हुए मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। इस मामले में दो पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान नगांव जिले के सादारुल हक (24) और तिनसुकिया जिले के इंद्र मिश्रा (25) के रूप में की गई है। बरामद सभी पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से लाया जा रहा था। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

विश्व निमोनिया दिवस : सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई अभियान का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे असम के साथ कामरूप जिले में भी विश्व निमोनिया दिवस के अवसर पर निमोनिया को निष्क्रिय करने के लिए सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई अभियान की सफलतापूर्व शुरुआत असम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, की निदेशक डॉ. एमएस लक्ष्मी प्रिया ने सतगांव शहरी राज्य अस्पताल में आयोजित एक समारोह में की। उल्लेखनीय है कि निमोनिया एक गंभीर बीमारी है। हमारे देश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का प्रमुख कारण निमोनिया है। यह अभियान 29 फरवरी, 2024 तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर निमोनिया के लक्षणों और रोकथाम के लिए क्या करें के बारे में लोगों को जागरूक करेंगी। इस कार्यक्रम में कामरूप (मेट्रो) जिला के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य और जिला अधिकारी और अस्पताल के डॉक्टर, नर्स और आशा कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

वेस्ट सियांग में मनाया गया बाल दिवस

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जिला के उपायुक्त पेंगा तातो ने आज बाल दिवस के अवसर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए बाल दिवस मनाया। उपायुक्त ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें और गलत आचरण में शामिल न हों। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण सोसायटी (एपीडब्ल्यूडब्ल्यूएस) आलो इकाई द्वारा बाल भारती स्कूल आलो के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रमुख, प्रशासनिक अधिकारी, एपीडब्ल्यूडब्ल्यूएस, छात्र आदि उपस्थित थे।

किसी भी पार्टी के साथ चुनाव में गठबंधन नहीं करेगी बीपीएफ : हग्रामा

कोकराझाड़ (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव में बीपीएफ किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनावी गठबंधन नहीं करेगी। आज बीपीएफ मुख्यालय कोकराझाड़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख हग्रामा महिलारी ने इस आशय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बीपीएफ दरंग-उदालगुड़ी और कोकराझार लोकसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने दावा किया कि बीपीएफ दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी। बीपीएफ का जन्म अकेले हुआ था

और वह अकेले रहेगी। हमारा भाजपा, कांग्रेस, अगप और एआईयूडीएफ से कोई संपर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के फैसले के अनुसार लोकसभा चुनाव में किसी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बीपीएफ में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा और यूपीपीएल के नेता और कार्यकर्ता संपर्क में हैं। बीपीएफ में शामिल होने की दौड़ शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि बीटीआर में भाजपा का पतन शुरू हो गया है। भाजपा के कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष राजकुमार ब्रह्म, चिरांग जिला भाजपा सचिव स्वपन मरांडी, जिला युवा मोर्चा कार्यालय सचिव नवरंजन बर्मन, भाजपा के मानस सेरफांग के पूर्व मंडल अध्यक्ष देबज्योति नमोदास, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बिप्लब देवनाथ आदि नेता आज बीपीएफ में शामिल हुए।

रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल रंगे हाथों गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दलगांव थाना के हेड कांस्टेबल सफेद अली ने रुपए की मांग की थी। एक मामले में शिकायतकर्ता को राहत देने के लिए शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार आज सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा दलगांव थाने में एक जाल बिछाया गया था। हेड कांस्टेबल सफेद अली को रुपए लेते ही स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में रंगे हाथ पकड़ लिया गया। दलगांव के टाइटन होटल में शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में चार हजार रुपए लिए गए। रिश्वत लेते ही उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया है। आरोपित लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में दिनांक एसीबी पुलिस थाने में एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 (ए) के तहत केस नंबर 97/2023 दर्ज किया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है।

त्योहारी सीजन में पूर्वोत्तर सीमा रेल चला रही 28 जोड़ी विशेष ट्रेन

रेलवे ने पूरे भारत में 1700 विशेष ट्रेनें चलाई

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल इस त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए पूरे भारत में करीब 1700 स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इस सीजन में 26 लाख बर्थ उपलब्ध कराई गई हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने भी अपने क्षेत्राधिकार में लगभग 28 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने मंगलवार को बताया कि पूर्वोत्तर सीमा रेल के क्षेत्राधिकार से लगभग 28 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें भीड़ को देखते हुए निर्धारित यात्री ट्रेनों के अलावा चल रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमित ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की सुविधा के लिए धुबड़ी से न्यू तिनसुकिया, डिब्रूगढ़ से सिकंदराबाद, गोरखपुर, न्यू जलपाईगुड़ी से अमृतसर, सियालदह, हावड़ा, कटिहार से रांची, मुंबई, अमृतसर, नाहरलगुन से ओखा, पूर्णिया से आनंद विहार टर्मिनस और गुवाहाटी से कोलकाता, रांची, उदयपुर, सांतरागाछी आदि स्थानों के लिए स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के लिए उचित व्यवस्था की गई है। इसके लिए सभी

गतिविधियों की निगरानी के लिए उन स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी तैनात किये गये हैं। भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए सरकारी रेल पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) के कर्मचारियों को फुट-ओवर ब्रिज पर तैनात किया गया है। भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में रेसुब के कुशल कर्मचारियों को पदस्थापित किया गया है। प्रस्थान स्टेशनों पर उक्त ट्रेनों के सामान्य डिब्बों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली अपनाई जा रही है। ट्रेनों/कोचों के संबंध में उद्घोषणा उचित समय पर सुनिश्चित की जा रही है, ताकि यात्रियों को जनरल कोचों के स्थान और उस प्लेटफॉर्म के बारे में पता चल सके, जहां से ट्रेनें रवाना होंगी। विशेष रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सही समय पर सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनों में मिक्सड एस्कॉर्ट तैनात किए गये हैं। सभी यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और सुखद यात्रा अनुभव को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता में, त्यौहारी भीड़ और देश भर के विभिन्न गंतव्यों के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करने को प्राथमिकता देते हुए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पूसीरे ने त्यौहारी भीड़ जारी रहने तक और अधिक विशेष ट्रेनों के परिचालन की योजना बनाई है।

दीवाली पर दो दिनों में 7 करोड़ की गुवाहाटी में बिकी शराब

गुवाहाटी (हिंस)। शहर में दिवाली के दो दिनों में लगभग सात करोड़ रुपए की शराब की बिक्री दर्ज की गई है। रविवार और सोमवार को शहर में शराब की दुकानों पर ग्राहकों की लाइन लगी रही। आंकड़े के अनुसार रविवार को 3.71 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी। जबकि, सोमवार को 3.11 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी। वैसे तो राज्य भर में शराब की जमकर बिक्री हुई। लेकिन, गुवाहाटी में शराब का कुछ अलग ही मंजर देखा गया। जगह-जगह सड़क किनारे, बिल्डिंगों की छतों पर तथा जहां-तहां लोग झुंड बनाकर शराब पीते देखे गए। प्रशासन के निर्देशों को धत्ता बताते हुए शराब पीकर रात भर आतिशबाजी की गई। इस आतिशबाजी की वजह से कई स्थानों पर आग लगने की भी खबरें आई।

सम्मेलन की महिला शाखा में बाल दिवस मनाया गया

गुवाहाटी (विभास)। बाल दिवस के उपलक्ष में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा में चाबी पुल स्थित आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच खेलकूद का आयोजन किया एवं बच्चों के बीच बिस्कुट, चॉकलेट और जूस का वितरण किया। इससे पहले चाचा नेहरू के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर चाचा नेहरू को याद किया गया इस कार्यक्रम की संयोजिका गुलाब दुग्गड, मीनू दुधोडिया, खुशबू मोर व स्नेहल बिदासरीया थी। शाखा सलाहकार सरल काबरा और सरोज मित्तल ने स्कूल के प्रधानाध्यापक हरिधन कोटोकी का सम्मान किया। इसके अलावा खेल कूद में विजेता छात्रों

को भी प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष संगीता बड़जात्या, मंत्री मंजू भंसाली, कोषाध्यक्ष बिमला कोचर, जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा, संतोष धानुका और शांति कुंडलिया उपस्थित थी।

दुलियाजान के गैस पाइपलाइन में लगी आग से आतंक

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के दुलियाजान में बीती रात गैस पाइपलाइन में लगी आग के कारण पूरे इलाके में आतंक व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आधी रात को लगी इस आग की खबर लोगों ने तत्काल ही पुलिस को दी। यह आग दुलियाजान के डिरियाल गांव में लगी। पाइप लाइन से गैस का रिसाव होने की वजह से आग लगने की आशंका जताई गई है। हालांकि, ऑयल इंडिया के अग्निशमन दस्ते द्वारा तत्परता दिखाते हुए रात को ही आग पर काबू पा लिया गया। इस आग से किसी के हताहत होने या अन्य किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

नगर के मंदिरों में अन्नकूट उत्सव मनाया गया

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के फैंसी बाजार स्थित सभी मंदिरों में अन्नकूट उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर दोपहर मे मंदिरों में विशेष भोग व आरती की गई एवं प्रसाद का वितरण किया गया। इसी कड़ी में छत्रीबाड़ी स्थित श्री गुवाहाटी गौशाला के अति प्राचीन हनुमान मंदिर में लक्ष्मी नारायण बाजोरिया परिवार की तरफ से अन्नकूट का विशेष प्रसाद का भोग लगाया गया एवं गौशाला में आगंतुक सभी लोगों को मंदिर प्रांगण में अन्नकूट का प्रसाद वितरण कर भोजन कराया गया। फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड स्थित सीताराम ठाकुरबाड़ी में भी दोपहर को विशेष आरती के बाद प्रसाद भोग लगाकर अन्नकूट का प्रसाद वितरण किया गया। एचबी रोड स्थित गोविंद देव ठाकुर बाड़ी में भी दोपहर एक बजे विशेष आरती के पश्चात भोग में प्रसाद वितरण किया गया। गल्लापट्टी एमएस रोड स्थित सत्यनारायण

ठाकुरवादी में भी अन्नकूट उत्सव मे दोपहर को विशेष आरती व भोग प्रसाद वितरण के साथ मनाया गया। गौरतलब है कि आज के दिन ही प्रात: महिलाओं ने गोवर्धन पूजा भी संपन्न की। इस अवसर पर गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बना कर उसकी पूजा की गई।

कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने उसके झूठे वादे नहीं चलेंगे : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने उसके झूठे वादे नहीं चलेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता में भाजपा के प्रति अभूतपूर्व विश्वास और स्नेह है। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के बैतूल में भाजपा की विजय संकल्प महारैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "पिछले कुछ दिनों में मैंने राज्य के कोने-कोने की यात्रा की है। भाजपा के प्रति स्नेह और विश्वास अभूतपूर्व है। आपके इसी उत्साह, इसी जज्बे ने मध्य प्रदेश में तय कर दिया है- 'फिर एक बार, भाजपा सरकार।' 17 नवंबर को मध्य प्रदेश की जनता इतिहास रचने के लिए अपने घरों से निकलेगी।" इसके अलावा उन्होंने दोहराया, यह चुनाव डबल इंजन की गति के साथ मध्य प्रदेश के विकास को गति देने के लिए है। यह चुनाव युवाओं और महिलाओं को आगे बढ़ने के नये अवसर उपलब्ध कराने वाला है। और ये चुनाव कांग्रेस की लूट और भ्रष्टाचार को मध्य प्रदेश से दूर रखने का है। आप याद रखें- कांग्रेस सिर्फ छीनना जानती है। आपको याद रखना चाहिए- 'कांग्रेस आई, तबाही लाई।' मोदी ने कहा कि जब वह "मोदी की गारंटी" के बारे में बात करते हैं तो इसका मतलब पूरा होने की गारंटी है। उन्होंने कहा, "अतीत में, कांग्रेस ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को रद्द नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि तीन तलाक के खिलाफ कानून अप्राप्य है। इसके अतिरिक्त उन्होंने हमसे राम मंदिर के निर्माण की समय सीमा के बारे में भी सवाल किया। ये लोग नहीं जानते कि मोदी किस चीज से बने हैं। हम जो कहते हैं, हम अपने कार्यों से दिखाते हैं। झूठे वादों के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा, ह्लकांग्रेस द्वारा की गई घोषणाएं लगातार अधूरी रह गई हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने कर्जमाफी का जो वादा किया था, वह सरकार बनने के डेढ़ साल बाद भी अधूरा है।

दूसरी ओर, भाजपा है, जो घोषणाएं करती है और जितना हम वादे करते हैं उससे अधिक करने का प्रयास करती है।" मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा जारी एक प्रभावशाली घोषणापत्र के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह घोषणापत्र हर क्षेत्र और हर वर्ग के लिए है। उन्होंने कहा, प्रत्येक आदिवासी बहुल ब्लॉक में, एक एकलव्य आवासीय विद्यालय होगा। हर आदिवासी जिले में एक मेडिकल कॉलेज होगा। लाडली बहनों को आर्थिक सहायता एवं स्थाई आवास उपलब्ध कराया जायेगा।

तेंदू पत्ते और वन उपज खरीदने की प्रतिबद्धता से कई आदिवासी परिवारों को लाभ होगा जबकि कांग्रेस केवल 6-7 वन उपजों के लिए एमएसपी प्रदान करती थी, आज भाजपा 90 से अधिक वन उपजों के लिए एमएसपी प्रदान कर रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आज पूरा देश 'वोकल फॉर लोकल' है। त्योहारों के मौके पर भारतीयों द्वारा बनाए गए उत्पादों का समर्थन करते हुए भारत में बने उत्पाद खरीदे जा रहे हैं। कांग्रेस के किसी भी नेता ने कभी भी वोकल फॉर लोकल होने की वकालत नहीं की। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता बन गया है। जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी तो भारत में हर साल 20 हजार करोड़ रुपये से कम के मोबाइल फोन बना करते थे। आज भारत में साढ़े 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के मोबाइल बनते हैं। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस के एक महाज्ञानी कह रहे थे कि भारत के सब लोगों के पास मेड इन चाइना मोबाइल फोन होता है। अरे मूर्खों के सरदार, किस दुनिया में हो। कांग्रेस के नेताओं को अपने देश की उपलब्धियां न देखने की मानसिक बीमारी हो गई है।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक 16 नवंबर को जकार्ता में, राजनाथ सिंह हिस्सा लेंगे

- बैठक से इतर आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता होंगी
- पारस्परिक रूप से संबंध और मजबूत करने के लिए रक्षा सहयोग मामलों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेने के लिए 16-17 नवंबर को इंडोनेशियाई राजधानी जकार्ता की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। वह 16 नवंबर को होने वाली बैठक के दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर मंच को संबोधित करेंगे। इस बैठक की मेजबानी एडीएमएम-प्लस का अध्यक्ष होने के नाते इंडोनेशिया कर रहा है। बैठक से इतर राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करके पारस्परिक रूप से संबंधों को और मजबूत करने के लिए रक्षा सहयोग मामलों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार एडीएमएम आसियान में सर्वोच्च रक्षा सलाहकार और सहकारी तंत्र है। इसके 10

सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम हैं। इस-के अलावा आठ संवाद साझेदारों में भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग को मजबूत करेंगे। भारत 1992 में आसियान का संवाद भागीदार बना और एडीएमएम-प्लस का उद्घाटन 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई (वियतनाम) में हुआ था। 2017 से एडीएमएम-प्लस मंत्री आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सालाना बैठक कर रहे हैं। एडीएमएम-प्लस सात विशेषज्ञ कार्य समूहों (ईडब्ल्यूजी) अर्थात समुद्री सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा, साइबर सुरक्षा, शांति स्थापना संचालन, आतंकवाद विरोधी, मानवीय खदान कार्रवाई और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) के माध्यम से सदस्य देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाता है। 10वें एडीएमएम-प्लस के दौरान 2024-2027 चक्र के लिए सह-अध्यक्षों के अगले सेट की भी घोषणा की जाएगी। 2021-2024 के वर्तमान चक्र में भारत इंडोनेशिया के साथ एचएडीआर पर ईडब्ल्यूजी की सह-अध्यक्षता कर रहा है।

पराली जलाने की घटना को रोकने में आम आदमी पार्टी विफल : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिवाली के दो दिन बाद फिर से दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। इस पर राजनीति भी चरम पर है। जहां एक ओर आम आदमी पार्टी इसके लिए दिवाली पर फोड़े गए पटाखों को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी को हिंदू विरोधी करार दिया है। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी पर कई सवाल दागे। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि दिवाली से दस दिन पहले कौन से पटाखे चलाए गए थे, जब दिल्ली का एक्यूआई 600 के पार चला गया था। अब आने वाले दस दिनों में भी यही हाल हो सकता है, उसके लिए भी क्या हिन्दू के पर्व जिम्मेदार होंगे? उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में पंजाब में पराली जलाने की करीब 2600 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो सीधे-सीधे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। आम आदमी पार्टी की सरकार पराली जलाने की घटना को रोकने में नाकाम है तो त्योहारों पर ठीकरा फोड़ रही है। इनकी पार्टी में हिन्दू विरोध का ऐसा डीएनए है, जो हर बात के लिए त्योहारों को जिम्मेदार ठहरा देते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिर्फ अरविंद केजरीवाल सरकार की नाकामी के वजह से दिल्ली गैस का चैंबर बनी है। साल 2018 में अरविंद केजरीवाल प्रदूषण के लिए पंजाब में पराली जलाने को मुख्य कारण बताते थे। पिछले दो दिनों में ही पंजाब में पराली जलाने के करीब 2600 मामले सामने आए हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने इसे रोकने के लिए क्या किया? दिल्ली में प्रदूषण के मुख्य कारण आंतरिक भी हैं। वाहन प्रदूषण और धूल को नियंत्रित करने के लिए क्या किया गया? आज एक्यूआई का स्तर 450 के पार है। आज कौन सी दिवाली जिम्मेदार है?

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री धामी से श्रमिकों के रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली

देहरादून (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर उत्तरकाशी के सिल्क्यारा के पास सुरंग में फंसे श्रमिकों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि विभिन्न राज्य और केंद्रीय एजेंसियां परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया और बचाव कार्यों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। बचाव कार्य के लिए बड़े व्यास के ह्यूम पाइप हरिद्वार और देहरादून से भेजे जाने की व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। अब तक प्रधानमंत्री दो बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और रेल मंत्री भी सीएम धामी से बात कर चुके हैं। केंद्रीय एजेंसियां और एक्सपर्ट मौके पर मौजूद हैं। साथ ही धरासू एवं बड़कोट के मध्य सिल्क्यारा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर निमार्णाधीन सुरंग में हुए भूस्खलन के अध्ययन व कारणों की जांच के लिए निदेशक उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र की अध्यक्षता में एक समिति का गठित की गई है। समिति मलबे की मिट्टी, पत्थरों के नमूने प्राप्त कर जांच करेगी और सुरंग में भूस्खलन जोन के लम्बत ठीक ऊपरी सतह पर पहाड़ की स्थिति की भी जांच कर रिपोर्ट देगी।

मप्र विस चुनावः राहुल गांधी ने किया मप्र में कांग्रेस सरकार बनने का दावा

भोपाल, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता कांग्रेस को 145 से 150 सीट तक देने जा रही है। राहुल गांधी मंगलवार को विदिशा में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि प्रदेश के किसानों, युवाओं, छोटे व्यापारियों के साथ धोखा किया गया। भाजपा ने कहा था कि कांग्रेस किसानों का कर्ज माफ नहीं कर पाएगी, लेकिन हमने पिछली बार किसानों का कर्ज माफ किया। उन्होंने भाजपा शासनकाल में बेरोजगारी

बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में आप युवाओं से पूछेंगे कि- आप क्या करते हैं? उनका जवाब होता है- कुछ नहीं। उन्होंने राज्य के विकास और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के भाजपा के दावों को गलत बताया।

दिल्ली-एनसीआर की हवा में फिर घुला जहर, कुछ दिन बाद कोहरा भी करेगा परेशान

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के बाद हवा और ज्यादा खराब होने से एक बार फिर सांसों पर संकट मंडराने लगा है। एनसीआर के प्रमुख शहरों में हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में सुबह समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 450 पर आ गया। राजधानी के आरकेपुरम में एक्यूआई 417, पंजाबी

बाग में 410, आईटीओ में 430 और जहांगीरपुरी में 428 रहा। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि आगामी कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के साथ कोहरा भी छाने लगेगा। सांसों में मंडराते संकट के बीच दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने दीपावली पर दिल्ली में 31 जगहों पर ध्वनि प्रदूषण का आकलन किया। इनमें सात साइलेंस जोन, आठ आवासीय क्षेत्र, 11 व्यापारिक और पांच औद्योगिक क्षेत्र शामिल रहे।

इस दौरान नजफगढ़ में सबसे कम और करोल बाग में सबसे ज्यादा स्तर दर्ज किया गया। नजफगढ़ में सबसे कम ध्वनि प्रदूषण 53.7 डेसीबल और करोल बाग में सबसे अधिक 84.5 रहा।

पंडित नेहरू की जयंती पर खड़गे, सोनिया व राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती 14 नवंबर आज देशभर में मनाई जा रही है। इस अवसर पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं ने पंडित नेहरू को उनकी 134वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजली दी है। इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि भारत माता को आज हिंद के जवाहर के मूल्यों की जरूरत है। वहीं खड़गे, सोनिया गांधी, वेणुगोपाल और अजय माकन, मनिकम टैगोर सहित कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार सुबह शांति वन में पुष्पांजलि अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने

कहा कि नागरिकता देश की सेवा में है, पंडित जवाहरलाल नेहरू, आधुनिक भारत के निमार्ता, भारत को शून्य से शिखर तक ले जाने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर श्रद्धांजलि, लोकतंत्र के निडर संरक्षक और हमारे प्रेरणा स्त्रोत। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके प्रगतिशील विचारों ने सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया और देश के लोगों को बिना किसी भेदभाव के, देश को हमेशा पहले रखते हुए, हर पल एक साथ रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आरे से पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की और एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पंडित जवाहरलाल नेहरू एक विचार हैं, स्वतंत्रता, प्रगति, न्याय के। भारत माता को आज उनके हिंद के जवाहर के इन मूल्यों की, एक विचारधारा की तरह, हर दिल में जरूरत है। गौरतलब है कि नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बच्चे उन्हें याद करते हैं।

आकाशवाणी पर आज से शुरू हो रहा है स्मृति ईरानी के साथ नई सोच नई कहानी शो

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी उद्यमिता, कौशल विकास, खेल, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता की कहानियों के एक शो की मेजबानी करेंगी। 'नई सोच नई कहानी - ए रेडियो जर्नी विद स्मृति ईरानी' नामक शो हर बुधवार को आकाशवाणी पर सुबह 9 से 10 बजे तक प्रसारित किया जाएगा। पहला शो कल यानी 15 नवंबर को दिल्ली में आकाशवाणी गोल्ड 100.1 मेगाहर्ट्ज पर प्रसारित किया जाएगा। इसे देशभर के आकाशवाणी स्टेशनों से भी प्रसारित किया जाएगा। यह शो न्यूजऑनएयर ऐप, आकाश-वाणी वेबसाइट, आकाशवाणी यूट्यूब चैनल और इसके विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध होगा। यह शो सरकार की पहल की सहायता से महिलाओं के सशक्तीकरण की अविश्वसनीय क-हानियों और भारत में महिलाओं के जीवन को आकार देने में उनकी भूमिका का जश्न मनाएगा। पहले शो में स्टार्ट-अप से जुड़ी महिलाएं और स्व-निर्मित व्यवसायी महिलाएं शामिल होंगी, जो अपनी सफलता की कहानियां साझा करेंगी और बताएंगी कि कैसे वे अपने प्रयासों में सरकारी पहल का लाभ उठा रही हैं। शो में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे, जो विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभों तक पहुंचने के तरीके के बारे में बताएंगे।

सैन्य सम्मान के साथ हुआ बलिदानी रानू मंगर का अंतिम संस्कार, रो पड़ा पूरा गांव

अलीपुरद्वार, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कारगिल में बर्फीले तूफान में बलिदान हुए भारतीय सेना के नायक रानू मंगर का मंगलवार को तोर्षा नदी घाट पर सैन्य सम्मान के साथ किया गया। सभी की आंखों में सपूत की शहादत पर आंसू थे। गोरखा रेजिमेंट की 7/8 बटालियन में कार्यरत रानू मंगर का पार्थिव शरीर जिले के कालचीनी ब्लॉक के दलसिंहपाड़ा गोपाल बहादुर बस्ती में उनके आवास पर लाया गया था, जिससे

दलसिंहपाड़ा में शोक का माहौल छा गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए राज्यसभा सांसद प्रकाश चिकबराइक, कालचीनी विधायक विशाल लामा, जिला परिषद सदस्य गंगाप्रसाद शर्मा, कालचीनी बीडीओ और सहित स्थानीय लोग मौजूद थे। इसके बाद शव को आवास से तोर्षा नदी घाट ले जाया गया, जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जम्मू-कश्मीर के कारगिल में तैनात नायक रानू मंगर 11 नवंबर को आये भयानक बर्फीले तूफान की चपेट में आ गए थे। 12 नवंबर को उनके प-रिवार को रानू मंगर के बलिदान होने की खबर दी गई। बलिदानी रानू मंगर अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, दो बच्चे और एक भाई को छोड़ गए हैं।

छग विस चुनाव- कांग्रेस की गारंटी और कांग्रेस दोनों फेल : अनुराग ठाकुर

रायपुर, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पर तीखे हमले किये। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की गारंटी और कांग्रेस दोनों फेल हैं। केन्द्रीय मंत्री ठ-ाकुर मंगलवार को यहां भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। इस दौरान वर्ष 2018 में किए गए वादे पर कांग्रेस सरकार को घेरते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने तुकबंदी करते हुए कहा कि झूठे दावे-झूठे वादे, कांग्रेस के नहीं नेक इरादे, भूपेश बघेल भाग रहे हैं। बहुत हुआ सट्टे का खेल, बाय-बाय भूपेश बघेल। बहुत हुआ सट्टे का खेल बाय-बाय भूपेश बघेल। पत्रकारों से वार्ता करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने कोई भी वादा पूरा नहीं किया और न ही कुछ दिया। कांग्रेस की गारंटी और कांग्रेस दोनों फेल है। ठाकुर ने कहा कि मातृ शक्ति को 500 रुपये महीना देंगे कहा था, नहीं दिया। 500 रुपये में सिलेंडर देंगे कहा था, नहीं दिया। पूर्ण शराबबंदी नहीं की। पांच सालों में लाखों युवाओं को रोजगार नहीं दिया। छात्रों को परिवहन की सुविधा देने का वादा किया था, नहीं दिया। जमीन देंगे, घर देंगे कहा था, नहीं किया। पीएससी में युवाओं के साथ खिलवाड़ किया। गोठान में गड़बड़ी की है। महादेव को भी नहीं छोड़ा। भाजपा नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल ने और कांग्रेस ने हिमाचल में भी कई वादे

किए थे, वे भी फेल हुए हैं। कर्नाटक से लेकर हिमाचल तक इनकी गारंटी फेल हुई है, कोई वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने हिमाचल की जनता को ठगा। हिमाचल प्रदेश की 23 लाख महिलाएं इंतजार कर रही हैं। एक लाख लोगों को रोजगार देने की बात कही थी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 5 साल तक भू-पे चलता रहा। 508 करोड़ महादेव से भू पे हुआ। अब ना कांग्रेस की सरकार होगी और ना संरक्षण होगा। गारंटी लेना है तो मोदी की लें, अटलजी ने छत्तीसगढ़ का राज्य बनाया। कांग्रेस सरकार जो पांच साल में नहीं दे पाई, वह हम दो साल में कर देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 15 साल में भारतीय जनता पार्टी ने काम किया। तेंदू पत्ते का बोनस देंगे और संग्रह करेंगे, 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से धान हम खर-ीदेंगे, दो साल का बोनस हम देंगे, 45 दिन तक बोनस देने का काम हम करेंगे। दस लाख रुपये तक हम मुफ्त उपचार देंगे, जन ओषधि केंद्र हम खोलेंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 18 लाख गरीबों के आवास-मकान नहीं बने, जबकि थोड़ा पैसे ये दे रहे थे, बाकी पैसा मोदी दे रहे थे। बीपीएल परिवार के बच्चों को रानी दुर्गावती योजना के तहत पैसे देंगे, महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत हर साल 12 हजार हम देंगे। भूमिहीन लोगों को 10 हजार देंगे। यु-वाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। छत्तीसगढ़ में 500 रुपये में सिलेंडर मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पांच हजार महिला-बेटियों के साथ आपराधिक घटनाएं हुईं। राजस्थान में दो लाख घटनाएं हुईं। प्रियंका आईं थीं छत्तीसगढ़ में, लड़की हूं, लड़ सकती हूं कहा था। क्या लड़ पाई। ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर भी तंज कसते हुए कहा कि जैसे दिल्ली में घोटाले करने वाले जेल में है, वैसे यहां पर भी घोटाले करने वाले जेल जाएंगे। हमारी सरकार आएंगी तो हम सरकार बनने के एक सप्ताह बाद ही 25 दिसंबर को किसानों को पैसा देंगे, ये मोदी की गारंटी है।

'इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग' में होगी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा

- मानेकशा सेंटर में नौसेना का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 15 नवंबर से होगा
- इंडो-पैसिफिक समुद्री व्यापार और कनेक्टिविटी पर छह पेशेवर सत्रों में होगा मंथन

नई दिल्ली, (हि.स.)। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए बुधवार से नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में भारतीय नौसेना का वार्षिक शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू होगा। पहले दिन इस इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग (आईपीआरडी) में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मुख्य भाषण होगा। तीन दिवसीय इस सम्मेलन को केंद्रीय मंत्रियों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के विशेष संबोधनों की श्रृंखला के साथ विचार-विमर्श और व्यापक मार्गदर्शन देने के लिए डिजाइन किया गया है। इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग से पहले भारतीय नौसेना ने 29-31 अक्टूबर तक गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव आयोजित किया था। आखिरी दिन नौसेना अध्यक्ष एडमिरल आर. हरि कुमार ने भरोसा जताया था कि इस कॉन्क्लेव के नतीजे जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई में बदल सकेंगे। इस कॉन्क्लेव ने महासागरों को मुक्त और खुला रखने की दिशा में साझा प्रतिक्रियाओं के विकल्प तलाशने का मौका दिया। इसी क्रम में आईपीआरडी रणनीतिक स्तर पर नौसेना की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की प्रमुख अभिव्यक्ति है, जिसमें हिंद-

प्रशांत क्षेत्र में 'समग्र' समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की जानी है। आईपीआरडी के पहले दो संस्करण क्रमशः 2018 और 2019 में नई दिल्ली में हुए थे। आईपीआरडी 2020 को कोरोना काल की वजह से रद्द कर दिया गया था। आईपीआरडी का तीसरा संस्करण 2021 में ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया, जबकि चौथा संस्करण 2022 में नई दिल्ली में हुआ था। अब पांचवें आईपीआरडी के प्रत्येक संस्करण का मुख्य आयोजक नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन (एनएमएफ) है, जिसका उद्देश्य प्रमुख हितधा-रकों के बीच उन्मुख बातचीत करके इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के भीतर विभिन्न समुद्री रुझानों, क्षेत्रीय अवसरों और वहां उत्पन्न होने वाली चुनौतियों की समीक्षा करना और आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। आईपीआरडी के इस संस्करण में तीन दिनों के दौरान विश्व स्तर के विशेषज्ञों और प्रख्यात वक्ताओं के माध्यम से छह पेशेवर सत्रों में इंडो-पैसिफिक समुद्री व्यापार और कनेक्टिविटी पर भू-राजनीतिक प्रभावों का पता लगाया जाएगा। इन छह पेशेवर सत्रों को समुद्री कनेक्टिविटी के नोड, भारत-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री कनेक्टिविटी पर चीन का प्रभाव, नौवहन और व्यापार के माध्यम से समुद्री कनेक्टिविटी, नौवहन और व्यापार के माध्यम से समुद्री कनेक्टिविटी (भाग 2), इंडो-पैसिफिक समुद्री व्यापार और शिपिंग की सुरक्षा और संरक्षा में निजी उद्योग और नियम-आधारित, सुरक्षित और सुरक्षित इंडो-पैसिफिक में बांटा गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार, भारतीय रक्षा उद्योग, भारतीय शिक्षा जगत के व्यवसायी और डोमेन-विशेषज्ञ भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। इसमें 16 देशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय भागीदारी होगी, जिनसे इस विषय पर विविध क्षेत्रीय दृष्टिकोण पेश करने की उम्मीद है। साथ ही नई दिल्ली में विभिन्न दूतावासों और उच्च आयोगों के प्रतिनिधि भी सम्मेलन में शामिल होंगे। पिछले संस्करणों की तरह इस बार भी छात्र समुदाय, विद्वानों, प्रतिष्ठित नागरिकों, सैन्य अधिकारियों, राजनयिक कोर के सदस्यों और विदेश के थिंक-टैंकों की भागीदारी इस आयोजन में उत्साह बढ़ाएगी।

कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की अम्मा है : केशव प्रसाद मौर्य

झांसी, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता व उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पहले मंगलवार को यहां झांसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भ्रष्ट कौन है ? भ्रष्टाचार की अम्मा कौन है ? भ्रष्टाचार करने वाली पार्टी कौन है ? सब जानते हैं। भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मध्य प्रदेश का चप्पा-चप्पा भाजपा मय हो गया है। कमल की आंधी चल रही है। मप्र में नरेंद्र मोदी के नाम की सुनामी आ गई है। आने वाले 3 दिसम्बर को वही हाल कांग्रेस का मध्य प्रदेश में होने वाला है जो उत्तर प्रदेश में है। नीमच में राहुल गांधी के आरोपों पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ऐसी पार्टी के अध्यक्ष रहे हैं जिसे भ्रष्ट पार्टी के नाम से जाना जाता है। जो गरीबों का हक लूट कर खा जाती थी। देश या दूसरे पार्टी के लोग तो छोड़िए उनकी अपनी पार्टी के लोग ही उन्हें अपना नेता नहीं मानते और न ही उनके बयानों को गंभीरता से लेते हैं। भ्रष्टाचार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उनके पिता राजीव गांधी ने ही स्वयं प्रधानमंत्री रहते हुए इस बात को संसद में कहा था कि हम यहां से जब एक रुपये भेजते हैं तो कांग्रेस के दलाल 85 पैसा बीच में ही खा जाते हैं। आम जनमानस तक केवल 15 पैसे पहुंचता है। इसके इतर नरेंद्र मोदी ने 52 करोड़ लोगों के प्रधानमंत्री जनधन खाते खुलवाकर उनमें 30 लाख करोड़ रुपये भेजने का काम किया। एक- एक पैसा लोगों तक पहुंचा। अब आप ही बताइये कि भ्रष्टाचार की अम्मा कौन हैं ? व्यापम घोटाले पर उन्होंने कहा कि इसकी गंभीरता से जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस हारती है तब इस प्रकार के दुष्प्रचार करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि दूर की बात छोड़िए उनके मुख्यमंत्री पद के दावेदार कमलनाथ ही चुनाव हार रहे हैं। केशव मौर्य ने लक्ष्मी जी को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर कहा कि उनका कोई भी बयान वही होता है जो अखिलेश यादव उन्हें लिखकर दे देते हैं और वह उसे पढ़ देते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय अंतराल में मुझे झांसी आने का दोबारा सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह मां पीतांबरा व रामराजा सरकार की कृपा है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज झांसी दौरे पर पहुंचे। वह झांसी के पुलिस लाइन में अपने हेलीकॉप्टर से उतरकर सीधे सर्किट हाऊस पहुंचे। वहां वह पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे और उसके बाद सर्किट हाउस झांसी में ही जनपद के तमाम पदाधिकारियों के साथ बैठक कर झांसी जनपद में चल रही निमार्णाधीन एवं विकाशसील परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष प्रदीप सरावगी व पुनीत अग्रवाल आदि तमाम नेता उपस्थित रहे।

बिना देरी करें जनता की समस्याओं का समाधान : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी लोगों से मुलाकात और उनकी समस्याओं के समाधान का सिलसिला जारी रखा। मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की समस्या के समाधान में कतई विलंब नहीं होना चाहिए। जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने इन सभी लोगों को कुर्सियों पर बैठाया गया था। मुख्यमंत्री खुद चलकर सभी लोगों के पास पहुंचे। उनकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह निस्तारण अवश्य कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही पारिवारिक विवादों का निस्तारण आपसी सामंजस्य के आधार पर करने का प्रयास करने को कहा। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं बच्चों के साथ पहुंचीं थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को खूब प्यार-दुलार किया। उन्हें चॉकलेट गिफ्ट करते हुए आशीर्वाद दिया।

आईएनडीआईए के चाहने से समाप्त नहीं होगा सनातन - डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ, (हि.स.)। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार से लखनऊ लौटने के बाद मीडिया से बातचीत में आईएनडीआईए गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंन मंगलवार को कहा कि आईएनडीआईए ने सनातन संस्कृति को समाप्त करने की बात कही थी। विपक्ष के गठबंधन के चाहने से सनातन समाप्त नहीं होगा। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति और राष्ट्रवाद से भारत देश चल रहा है। आगे भी हमारा देश इसी तरह से चलता रहेगा। इतिहास में देश के सनातनी विचार को समाप्त करने की तमाम बातें हुई हैं। फिर आज तक भारत की संस्कृति को कोई कमजोर नहीं कर सका है। बल्कि संस्कृति और मजबूत ही हुई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में कांग्रेस के नेताओं के बयान बेतुके आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी में शामिल स्वामी प्रसाद जैसे नेता तो उटपटांग बयान के लिए ही जाने जाते हैं। वर्तमान समय में स्वामी प्रसाद मौर्य जिस पार्टी में शामिल हैं, वहां ऐसी ही बातें करके सुर्खियां बटोरते रहते हैं। स्वामी के बयान के पीछे उनके पार्टी के लोग हैं।

कांग्रेसियों ने मनायी पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती

गाजियाबाद, (हि.स.)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मंगलवार को जिला व महानगर कांग्रेस ने कार्यक्रम आयोजित कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के निमार्ता थे। जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने कहा कि पंडित नेहरू ने छात्र जीवन से ही आजादी के आंदोलन में सक्रिय हो गए थे। आजादी के आंदोलन में भाग लेने की वजह से जेल में रहे। आजाद देश के पहले प्रधानमंत्री बने और देश को प्रगति के रास्ते पर लेकर चले। नेहरू ने देश को आधुनिकता की ओर अग्रसर किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश में बड़े - बडे बांध बनाए, इसरो की स्थापना की। वह बच्चों से बहुत प्यार करते थे। बच्चे नेहरू को चाचा कह कर संबोधित करते थे। पूर्व मंत्री दीपा कोल ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पंडित प्रभावशाली नेता थे। नेहरू ने भारत को दुनिया में अग्रणी पंक्ति में खड़ा किया। वह देश को सम्पन्न बनाने के लिए दिन रात मेहनत करते थे। पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने नेहरू को याद करते हुए कहा कि नेहरू ने देश को दुनिया भर में एक पहचान दी। उन्होंने देश को विज्ञान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी अमोल वशिष्ठ, पूर्व महानगर अध्यक्ष वी के अग्निहोत्री, पूर्व जिलाध्यक्ष ओबीसी सलीम सैफी, राजेन्द्र शर्मा, पीसीएस सदस्य सुरेन्द्र शर्मा, गीतांजलि कोल, रामबाबू आर्य, सुशील गुप्ता, ताज राणा, अफाक अहमद, विनोद कुमार, आशीष प्रेमी, राजन गौतम, सुरेश, अनुज अग्रवाल, मो अरसद, राजकुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे। महानगर कांग्रेस कमेटी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस दलित बस्ती उदल नगर में बाल दिवस के रूप में बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कापी, पेंसिल, इत्यादि वितरित की गई। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे और उनमें देश का उज्वल भविष्य देखते थे। अतः नेहरू चाहते थे कि बच्चे पढ़ लिख कर सफल नागरिक बनें। इसीलिए उन्होंने देश में आईआईटी, आईआईएम, पॉलीटेक्निक जैसे उच्च शिक्षण संस्थान बनाए जिनमें पढ़ कर देश के युवा पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।

पराली जलाने की घटनाओं पर अलर्ट मोड में योगी सरकार

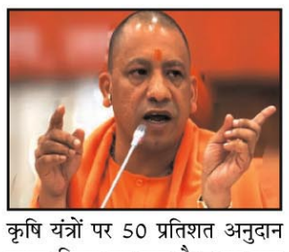

लखनऊ, (हि.स.)। सर्दियों में पराली जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण को लेकर योगी सरकार सजग है। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की ओर से शुरू से तैयारी की गई है। किसी भी सूरत में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जागरूकता अभियान के साथ सरकार ने किसानों में निशुल्क बॉयो डीकम्पोजर का वितरण किया है। फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अवशेष प्रबंधन वाले कृषि यंत्र भी वितरित किए जा रहे हैं।

17 लाख बॉयो डीकम्पोजर वितरित करने का लक्ष्य - मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष पराली प्रबंधन को लेकर कृषि विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि एकल कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जा रहा है। अब तक 44,363 एकल कृषि यंत्र वितरित किए जा चुके हैं। 2023-24 में 4439 एकल कृषि यंत्र की स्वीकृति प्रदान की गयी है। एफपीओ सहकारी समिति एवं ग्राम पंचायत मद में अब तक कुल 7621 फार्म वितरित किए गए हैं। 2023-24 में 296 को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। गत वर्ष 13 लाख 22 हजार 250 बॉयो डीकम्पोजर वितरित किए गए हैं, जबकि 2023-24 में 17 लाख बॉयो डीकम्पोजर वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। 2023-24 में अब तक 16 लाख छह हजार 600 बॉयो डीकम्पोजर पूर्ति प्रक्रिया में है।

विभिन्न विभागों का लिया जा रहा सहयोग - प्रदेश सरकार के एक प्र-वक्ता ने बताया कि जनपद स्तर पर गन्ना, बेसिक शिक्षा, राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, स्थानीय निकाय, पुलिस एवं परिवहन, कृषि जैसे विभाग के अधिकारियों में समन्वय करके प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनपद में या निकटवर्ती जनपद में स्थापित फसल अवशेष आधारित इकाइयों का प्रचार-प्रसार करके उनमें पराली की आपूर्ति कराना सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम, न्याय पंचायत, विकास खंड, तहसील, जनपद स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने झारखंड स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस पर रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की चल रही तैयारियों का मंगलवार को जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने यहां पंडाल, मंच और स्टॉल्स के चल रहे निर्माण कार्यों को देखा और अधिकारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस समारोह में शामिल होने वाले लोगों और लाभुकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इस-का पूरा ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने यहां की जा रही व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव मनीष रंजन, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव राजेश शर्मा, सचिव मनोज कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बक्शी और रांची के उपायुक्त और पुलिस अधीक्ष-ाक समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान आत्मदाह की धमकी देने वाले चार गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को झारखंड आएंगे। उनके दौरे पर आदिवासी सेंगेल अभियान के चार कार्यकताओं ने धमकी दी थी कि यदि प्रधानमंत्री झारखंड यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए सरना कोड को मान्यता देने की घोषणा नहीं करते हैं, तो वे भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में आत्मदाह कर लेंगे। इन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लोगों मोहन मार्डी, पृथ्वी मुर्मू, विक्रम हेंब्रम और कान्हूराम टुडू हैं। कान्हू राम टुडू पश्चिम सिंहभूम जिले के सोनुवा प्रखंड के निवासी है। विक्रम हेंब्रम और पृथ्वी मुर्मू पूर्वी सिंहभूम के बागबेड़ा जाटा झोपड़ी के तथा चंद्रमोहन मार्डी बोकारो के पेटर-वार के निवासी हैं। पूर्व में दो युवाओं की घोषणा के बाद बागबेड़ा जाटाझोपड़ी के विक्रम हेम्ब्रम व पृथ्वी मुर्मू ने भी उलिहातू में जाकर आत्मदाह करने की धमकी दी थी। इन दोनों ने कहा था कि बिरसा मुंडा की जन्मस्थली में प्रधानमंत्री का स्वागत है लेकिन सरना धर्म कोड को मान्यता को पूरा होते देखना चाहते हैं। आदिवासी सेंगेल के प्रमुख पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने कहा कि 15 नवंबर को विभिन्न जिला मुख्यालयों पर सुबह 10 बजे से एक बजे तक सरना धर्म कोड और आदिवासी राष्ट्र बनाने की अपनी मांग के समर्थन में अनशन का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। सालखन और सुमित्रा मुर्मू जमशेदपुर के साकची गोलचक्कर पर अनशन और धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री जब झा-रखंड की धरती पर आयेंगे तो उन्हें सरना धर्म कोड की सौगात देकर जायेंगे।

भारतीय भाषा उत्सव के तहत राज्य के सरकारी स्कूलों में हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम

रांची, (हि.स.)। राज्य में 28 सितंबर से शुरू हुए 75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव के तहत सरकारी स्कूलों में विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, क्विज, छात्रों, शिक्षकों का इंटरफेस आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं। भारतीय भाषा उत्सव का समापन 11 दिसम्बर को महान राष्ट्रीय तमिल कवि सुब्रमण्य भारती की जयंती पर होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सबसे पहले स्कूल स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, पीटीएम, एसएमसी, पीआरआई, सामुदायिक बैठकें की गईं। फिर पंचायत, ब्लॉक और कलस्टर स्तर पर टीएलएम मेले जैसी गतिविधियां हुईं। ब्लॉक, क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इसके तहत जिला स्तर पर भारतीय भाषा प्रचार मेले का आयोजन होगा। जिला स्तर के विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर भाषाथॉन का आयोजन होगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय भाषा उत्सव का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में छात्रों को बहुभाषी अनुभव प्रदान करना है। इसके लिए स्कूलों के बीच साझेदारी तय की गयी है यानी प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में कम से कम एक प्रतिशत स्कूलों को किसी अन्य भाषाई रूप से भिन्न राज्य,केंद्र शासित प्रदेश या यहां तक कि एक ही राज्य-यूटी के स्कूलों के साथ जोड़ा गया है। झारखंड की साझेदारी इस वर्ष गोवा राज्य के साथ तय की गयी है। दोनों राज्य आपस में स-ांस्कृतिक विविधताओं और भाषायी विविधता को साझा कर रहे हैं।

सिमरिया कल्पवास मेला के खालसा में अन्नकूट पर लगाए गए 56 प्रकार के भोग

बेगूसराय, (हि.स.)। देश के एकलौते कार्तिक कल्पवास स्थल स्थित सिमरिया गंगा धाम (बेगूसराय) में हर ओर ना केवल अध्यात्म और भक्ति की पावन धारा बह रही है। बल्कि यहां सनातन से जुड़े हर विधि विधान परंपरा के अनुसार खालसा में बनाए जा रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार को अन्नकूट मनाया गया, जिसमें इष्ट देव को 56 प्रकार के भोग लगाए गए। श्रीराम जानकी जीव सेवा धाम खालसा में अन्नकूट के अवसर पर विस्तृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कल्पवास में चल रही दैनिक परंपरा के अनुसार गंगा स्नान और ध्यान के बाद खालसा प्रमुख डॉ. जानकी बल्लभ दास वेदांती के नेतृत्व में अन्नकूट मनाया गया। जिसमें प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं को 56 प्रकार के विशेष भोग लगाए गए। मौके पर डॉ. जानकी बल्लभ दास वेदांती ने कहा कि अन्नकूट मतलब अन्न के पहाड़ों से प्रभु को भोग लगाना। आज के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत पर पूजा किया था। श्रीराम जब लंका विजय कर अयोध्या आए तो दीपोत्सव समाप्त होते ही अयोध्या वासियों ने अन्नकूट का भोग लगाया था। जिसमें 56 प्रकार के 36 व्यंजन थे। इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए हम सनातन धर्म अवलंबी अन्नकूट मानते हैं। हम सिमरिया में कल्पवास करते हैं तो यहीं वर्ष 1995 से अन्नकूट मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष के सबसे उत्तम माह कार्तिक में पौराणिक काल से सिमरिया में कल्पवास लगता आ रहा है। जहां सिर्फ हम मिथिला और बिहारवासी ही नहीं, देश के विभिन्न राज्यों से आकर साधु-संत और श्रद्धालु कल्पवास करते हैं। गंगा जी के एक बूंद से व्यक्ति पवित्र हो जाता है, यहां तो पूरी गंगा माता हैं। सुदूरवर्ती इलाके में मृत्यु के बाद पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार कर उसका भस्म गंगा में प्रवाहित किया जाता है। लेकिन हम सब सौभाग्यशाली हैं कि सिमरिया के इस मोक्षदायिनी भूमि में आकर कल्पवास कर रहे हैं। पता नहीं फिर यहां आने का मौका मिले या नहीं। जब एक बूंद से व्यक्ति का कल्याण हो जाता है तो यहां मौजूद पूरी की पूरी मां गंगा उद्धार ही करती हैं। इसलिए उत्तम माह कार्तिक में गंगा स्नान कर श्मशान भूमि में निवास करते हैं। अब यहां की व्यवस्था पर सरकार की नजर गई है। भगवान ने सरकार को सद्बुद्धि दी है तो इस वर्ष अच्छी व्यवस्था है। बीएचयू से पीएचडी करने वाले डॉ. जानकी बल्लभ दास वेदांती ने कहा कि कल्पवास के समय हमारी दिनचर्या सुबह तीन बजे बिछावन छोड़ने के साथ शुरू होती है। स्नान और ध्यान के बाद प्रातः काल में रामचरितमानस का पाठ, आरती, अतिथि सत्कार के बाद आठ बजे बालभोग होता है। उसके बाद फिर से रामचरितमानस का पाठ शुरू हो जाता है। दोपहर 12 से तीन बजे तक श्रीमद् भागवत कथा एवं कार्तिक महात्म्य होती है। शाम में छह से आठ बजे भजन संध्या एवं आरती के बाद शयन होता है। खालसा में उपस्थित करीब दो सौ श्रद्धालु भगवत भक्ति में लीन हैं। उन्होंने कहा कि बचपन से ही साधु संगत में जीवन व्यतीत करना उद्देश्य था। पांच भाइयों में सबसे छोटे रहने के कारण पिता चाहते थे कि साधु संगत में जीवन बीते। शास्त्री के बाद वेद विद्यालय अयोध्या से स्नातकोत्तर तथा बीएचयू से पीएचडी की उपाधि ली। सात अगस्त 2014 को आरडीएन कॉलेज सुपौल में प्राध्यापक के पद पर योगदान किया। लेकिन पिताजी इस मोह में फंसने से असंतुष्ट थे। जिसके कारण सात अप्रैल 2018 को नौकरी से इस्तीफा देकर श्रीराम जानकी जीव सेवा धाम के राम जानकी मंदिर उड़ीवन, लौकही (मधुबनी) में भगवत भक्ति में लीन हो गए। अंतिम प्राण तक यहां मां गंगा की गोद में कल्पवास करते रहेंगे।

नवादा डीएम व एसपी ने की छठ घाटों का निरीक्षण, दिए कई निर्देश

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल तथा उप विकास आयुक्त दीपक कुमार मिश्र ने मंगलवार को जिले के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। छठ महापर्व की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर कई दिशानिर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नवादा नगर के सूर्य मंदिर सूर्य घाट का भी निरीक्षण किया। जहां नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार ,पूर्व उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी आदि ने सुविधाओं से संबंधित डीएम को जानकारी दी। ना-रदीगंज के हड़िया छठ घाट, हिसुआ के तिलैया नदी घाट एवं नरहट के झिकरुआ सूर्य मंदिर छठ घाटों पर उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों से वार्ता किये और आम लोगों से भी फिडबैक प्राप्त किया। उपस्थित अधिकारियों ने सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को दिये कई आवश्यक निर्देश। हिसुआ के तिलैया छठ घाट की सफाई तेजी से चल रहा था। डॉ. मनीष कुमार कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद हिसुआ ने बताया कि छठ घाट पर व्रतियों के लिए व्यापक व्यवस्था किया जा रहा है। डीएम ने सभी छठ घाटों की साफ-सफाई, बैरीकेटिंग, लाईटिंग, शौचालय, चेंजिंग रूम के लिए कई आवश्यक निर्देश दिये। छठ घाटों पर प्रशासन के द्वारा बेहतर व्यवस्था की जा रही है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा उपलब्ध रहेगी। मानकों के अनुरूप बैरिकेटिंग किया जा रहा है। अधिक पानी वाले छठ घाटों पर तैराक / गोताखोर की व्यवस्था की जायेगी। जिले के सभी आलाधिकारियों ने विभिन्न छठ घाटों का पैदल भ्रमण किया।

सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन सहित सभी बिन्दुओं पर तैयारी एवं प्रबंध का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। छठ महापर्व का अनुष्ठान शुरू होने से पहले सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिये। अधिक भीड़ वाले छठ घाटों पर वाच टावर एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जा रही है। छठ घाटों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ काफी संख्या के साथ सशस्त्र पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। जिलाधिकारी ने योजनाबद्ध एवं समयबद्ध ढ़ंग से कार्य कराने का निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को पूजा समितियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक प्रबंधन सुनिष्चित करने के लिए कहा। इस अवसर पर डीएम एवं एसपी के अलावे उपविकास आयुक्त, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर एसडीएम अखिलेश कुमार, डीपीआ-रओ सत्येन्द्र प्रसाद, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद हिसुआ डॉ. मनीष कुमार, मुख्य पार्षद नगर परिषद हिसुआ पूजा कुमारी, अंचलाधिकारी लवकेश कुमार, समाजसेवी अशोक चौधरी, मुसाफिर कुशवाहा, उदय बाला ,शंभू शर्मा, सुधीर सिंह, गोपाल चौधरी, विनोद चंद्रवंशी, अजय कुमार आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पटना के सभी छठ घाटों का किया निरीक्षण

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया। नीतीश ने स्टीमर पर सवार होकर खुद सभी घाटों पर जा-जाकर जिला प्रशासन द्वारा छठ पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। सीएम के साथ विभिन्न विभागों के सभी बड़े अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान दीघा घाट से लेकर गायघाट तक गंगा घाटों को उन्होंने देखा गया। सीएम ने अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए। सभी घाटों पर बैरिकेडिंग की जा रही है। वॉच टावर के साथ साथ लाइट की भी व्यवस्था की जा रही है। नियंत्रण कक्ष, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था और मेडिकल कैंप के लिए स्थल निर्धारित किया गया है। छठ व्रतियों को रात में घाट पर ही रुकने की व्यवस्था की जा रहे हैं। रात में घाट पर रुकने वाले छठ व्रतियों के लिए बड़े घाटों पर शेड का निर्माण कराया जा रहा है। निगरानी के लिए सभी घाटों पर सीसीटीवी भी लगाए जा रहे हैं। किसी भी छठ व्रती और घाट पर पहुंचने वाले लोगों को अस-ुविधा न हो, इसका खास ख्याल रखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 17 नवम्बर से चार दिवसीय सूर्य उपासना का महापर्व छठ व्रत शुरू होगा। 17 नवंबर को नहाय खाय के साथ ही अनुष्ठान शुरू होगा। 18 नवंबर को खरना पूजा होगी। 19 नवंबर को भगवान सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा जबकि 20 नवंबर को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाएगा। पटना जिला प्रशासन द्वारा शहरी क्षेत्र के करीब एक सौ गंगा घाटों पर छठ को लेकर तैयारी की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही खतरनाक घाटों की सूची जारी की जाएगी।

संपादकीय

रोहिंग्या घुसपैठ के प्रति सतर्कता आवश्यक

आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से अवैध घुसपैठ एक गंभीर खतरा है। विशेषकर यह घुसपैठ यदि बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और रोहिंग्या मुसलमानों के रूप में हो, तब खतरा अधिक बढ़ जाता है। देश के विभिन्न राज्यों में जो सांप्रदायिक हिंसा या दंगे हुए हैं, उनमें कई जगह बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की संलिप्तता पायी गई है। म्यांमार जैसे शांत देश से भी रोहिंग्याओं को उनकी सांप्रदायिक एवं हिंसक प्रवृत्ति के कारण ही भगाया गया। बांग्लादेश भी उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि भारत की तथाकथित सेकुलर बिरादरी ने रोहिंग्याओं को बसाने के लिए खूब छापी पीटी थी। भारत में एक वर्ग है जो संप्रदाय के आधार पर अवैध घुसपैठियों के प्रति भी सहानुभूति का भाव रखता है जबकि इस्लामिक देश भी अपने यहाँ से अवैध घुसपैठ करके रह रहे दूसरे देशों के मुसलमानों को खदेड़ रहे हैं या उन्हें घुसने नहीं दे रहे। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगानिस्तान के शरणार्थियों को जबरदस्ती वापस भेज दिया है। वहीं, फिलिस्तीन से जान बचाकर भाग रहे मुसलमानों को आसपास का एक भी इस्लामिक देश स्वीकार नहीं कर रहा है। सबने अपने दरवाजे बंद कर रखे हैं। जबकि भारत में स्थिति उलट है। यहाँ कुछ राजनीतिक दल भी वोटबैंक की राजनीति के चक्कर में अवैध घुसपैठ को न केवल नजरअंदाज करते हैं अपितु उनको बसाने में सहायता करते हैं। जब भाजपा सरकार ने एनआरसी लागू करके अवैध घुसपैठियों की पहचान करने का प्रयास किया तब भारत के प्रमुख विपक्षी दलों ने उसका विरोध किया। इससे साफ होता है कि मुसलमानों का वोट पाने के लिए देश के कुछ राजनीतिक दल राष्ट्रीय सुरक्षा से भी समझौता करने को तैयार रहते हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसे ही राजनीतिक दलों की सरकारों की सरपरस्ती में जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल और असम सहित अन्य राज्यों के कई क्षेत्रों में अवैध घुसपैठियों को बसा भी दिया गया। हालांकि अब केंद्र सरकार और भाजपा शासित सरकारें अवैध घुसपैठ को लेकर बहुत हद तक सकर्त हैं। असम में तो भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ करके आए रोहिंग्या मुसलमानों को वापस भेजना शुरू कर दिया है। बीते दिनों असम की भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ करके आए 450 रोहिंग्या मुस्लिमों को वापस भेजा है। इसके साथ ही अवैध घुसपैठ में उनका सहयोग करनेवाले नेटवर्क एवं दलालों की पहचान करके उनके विरुद्ध भी कार्रवाई शुरू की है। असम की पुलिस ने घुसपैठियों को बसानेवाले 47 दलालों को दबोचा है। चूँकि अवैध घुसपैठ का मामला देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा ने मामले की जाँच राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से कराने का प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। राज्य और केंद्र सरकार के बीच में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर इसी प्रकार का समन्वय होना चाहिए। चूँकि असम में भी भाजपा की सरकार है इसलिए यह संभव हो सका। अन्यथा सबको यह बात पता है कि अन्य किसी राजनीतिक दल की सरकार होती, तब इस तरह की कार्रवाई की संभावना लगभग शून्य होती। कहना नहीं चाहिए लेकिन यह सच है कि सत्ता में आने या बने रहने के लिए, वोटबैंक की राजनीति करनेवाली पार्टियां तो अवैध घुसपैठियों के वोटर कार्ड भी बनवा देतीं। वास्तव में देशहित और नागरिक सुरक्षा के मामलों को दलगत राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। सुरक्षा जैसे विषयों पर राज्य और केंद्र सरकार के साथ अच्छा समन्वय रहना ही चाहिए।

देश के विभिन्न राज्यों में जो सांप्रदायिक हिंसा या दंगे हुए हैं, उनमें कई जगह बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की संलिप्तता पायी गई है। म्यांमार जैसे शांत देश से भी रोहिंग्याओं को उनकी सांप्रदायिक एवं हिंसक प्रवृति के कारण ही भगाया गया। बांग्लादेश भी उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि भारत की तथाकथित सेकुलर बिरादरी ने रोहिंग्याओं को बसाने के लिए खूब छापी पीटी थी। भारत में एक वर्ग है जो संप्रदाय के आधार पर अवैध घुसपैठियों के प्रति भी सहानुभूति का भाव रखता है जबकि इस्लामिक देश भी अपने यहाँ से अवैध घुसपैठ करके रह रहे दूसरे देशों के मुसलमानों को खदेड़ रहे हैं या उन्हें घुसने नहीं दे रहे हैं। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगानिस्तान के शरणार्थियों को जबरदस्ती वापस भेज दिया है। वहीं, फिलिस्तीन से जान बचाकर भाग रहे मुसलमानों को आसपास का एक भी इस्लामिक देश स्वीकार नहीं कर रहा है। सबने अपने दरवाजे बंद कर रखे हैं। जबकि भारत में स्थिति उलट है। यहाँ कुछ राजनीतिक दल भी वोटबैंक की राजनीति के चक्कर में अवैध घुसपैठ को न केवल नजरअंदाज करते हैं अपितु उनको बसाने में सहायता करते हैं। जब भाजपा सरकार ने एनआरसी लागू करके अवैध घुसपैठियों की पहचान करने का प्रयास किया तब भारत के प्रमुख विपक्षी दलों ने उसका विरोध किया।

कुछ अलग

चरित्र हनन का शक्तिशाली औजार भी बन रही है तकनीक, सतर्कता जरूरी

पुष्पा जैसी सफल फिल्म से प्रसिद्ध हुईं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों एक वायरल वीडियो के कारण चर्चा में हैं। डीपफेक तकनीक के जरिये तैयार किए गए इस वीडियो में नजर आ रही एक महिला को रश्मिका मंदाना की तरह दिखाने की कोशिश की गई। अमिताभ बच्चन ने इस वीडियो का संदर्भ देते हुए एक्स पर लिखा कि इस मामले में कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके प्लेटफॉर्म पर गलत सूचना साझा न की जाए। कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से पत्रकारिता उद्योग में उम्मीदें बढ़ी थीं। उम्मीद यह भी जताई जा रही थी कि कृत्रिम मेधा से फेक न्यूज और गलत सूचना के प्रसार को रोकने का एक प्रभावी तरीका मिल जाएगा। पर व्यवहार में इसका उल्टा ही हो रहा है। एक तरफ प्रौद्योगिकी ने आर्थिक और सामाजिक विकास किया है, तो दूसरी ओर फेक न्यूज में काफी वृद्धि हुई है। लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अड़चन पैदा करने और चरित्र हनन करने में इंटरनेट एक शक्तिशाली औजार के रूप में उभरा है। डीपफेक में कृत्रिम मेधा एवं आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल के जरिये किसी वीडियो क्लिप या फोटो पर किसी और व्यक्ति का चेहरा लगाने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके जरिये कृत्रिम तरीके से ऐसे क्लिप या फोटो विकसित किए जा रहे हैं, जो देखने में वास्तविक लगते हैं। डीपफेक एक अलग तरह की समस्या है, जिसमें वीडियो सही होता है, पर तकनीक से चेहरा, वातावरण या असली ऑडियो बदल दिया जाता है और देखने वाले को इसका पता नहीं लगता कि यह डीपफेक वीडियो देख रहा है। डीपफेक बेहद पेचीदा तकनीक है। इसके लिए मशीन लर्निंग यानी कंप्यूटर में दक्षता होनी चाहिए। डीपफेक कंटेंट दो एल्गोरिदम का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जो एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। एक को डिकोडर कहते हैं, तो दूसरे को एनकोडर। इसमें वह फेक डिजिटल कंटेंट बनाता है और डिकोडर से यह पता लगाने के लिए कहता है कि कंटेंट असली है या नकली। हर बार डिकोडर कंटेंट को असली या नकली के रूप में सही ढंग से पहचानता है, फिर वह उस जानकारी को एनकोडर को भेज देता है, ताकि अगले डीपफेक में गलतियां सुधार कर उसे और बेहतर किया जा सके। एक बार ऐसे वीडियो जब किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आ जाते हैं, तो उनकी प्रसार गति बहुत तेज हो जाती है। इंटरनेट पर ऐसे करोड़ों डीपफेक वीडियो मौजूद हैं। इस तकनीक की शुरुआत अश्लील कंटेंट बनाने से हुई। पोर्नोग्राफी में इस तकनीक का काफी इस्तेमाल होता है। अभिनेता और अभिनेत्री का चेहरा बदलकर अश्लील कंटेंट पोर्न साइट्स पर पोस्ट किया जाता है। डीप्ट्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में ऑनलाइन पाए गए डीपफेक वीडियो में 96 फीसदी अश्लील कंटेंट था। इस तकनीक का इस्तेमाल मनोरंजन के लिए भी किया जाता है। डीपफेक कंटेंट की पहचान करने के लिए कुछ खास चीजों पर ध्यान देना जरूरी है। उनमें सबसे पहली है चेहरे की स्थिति। अक्सर डीपफेक तकनीक चेहरे और आंख की स्थिति में मात खा जाती है। देश में डिजिटल साक्षरता कम होने के कारण डीपफेक वीडियो समस्या को और गंभीर बनाते हैं।

भारत में हम मिलावट का बाज़ार सिर चढ़ कर बोलता हुआ देखते हैं

मिलावटख़ोरी देश के लिये कलंक

निर्मल रानी

वैसे तो जब भी भारत में मनाये जाने वाले प्रमुख त्यौहार क़रीब आते हैं उस समय खाद्य सामग्री विशेषकर दूध, घी, पनीर में व इनसे बनी मिठाइयों में मिलावट की ख़बरें सुर्ख़ियां बटोरने लगती हैं। परन्तु सच पूछिये तो यह पूरे देश का दुर्भाग्य है कि वह पूरे वर्ष मिलावटी खाद्य सामग्री का शिकार बना रहता है। खेतों में उगाई जाने वाली सब्ज़ियों से लेकर फल तक सभी में रासायनिक तत्वों की भरमार रहती है। अनेक महानगरों व औद्योगिक नगरों में तो खेतों में सब्ज़ियों की सिंचाई के लिये औद्योगिक कचरे व रसायन से युक्त ज़हरीला पानी तक इस्तेमाल किया जाता है। दूध के नाम पर तो 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग ज़हर पी रहे हैं। यदि इन पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया गया तो एक अनुमान के अनुसार 2025 तक देश की लगभग 87 प्रतिशत आबादी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की गिरफ़्त में होगी। ज़रा सोचिये कि जिस देश में दूध के उत्पादन से लगभग चार गुना ज़्यादा प्रतिदिन दूध की खपत होती हो वहां शुद्ध दूध का प्रश्न ही कहाँ रह जाता है। होली दिवाली जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के दौरान स्वास्थ्य व खाद्य विभाग की टीमें थोड़ी बहुत मुस्तैदी दिखाती हैं जिसके चलते कुछ नाममात्र लोग नक़ली दूध, खोया, घी, मक्खन, दही या मिठाइयां आदि बनाते हुए पकड़े जाते हैं। कोई नहीं जानता कि ज़हर बेचने वाले इन दुष्ट मिलावटख़ोरों का ज़हर खा पी कर कितने लोग जानलेवा बीमारियां ख़रीद बैठे और कितने मौत की आग़ोश में समा बैठे। विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना, विश्वगुरु बनने की ललक, देश में धर्म व अध्यात्म के नाम का हिलोरें मारता हुआ समुद्र, पूरे देश में प्रवचन कर्ताओं की भीड़, बुलेट ट्रेन दौड़ने की तैयारी जैसी तमाम बातें उस समय नाचते हुये मोर द्वारा अपना पैर देख लेने के समान हो जाती हैं जब इसी विकासशील भारत में हम मिलावट का बाज़ार सिर चढ़ कर बोलता हुआ देखते हैं। मिलावट ख़ोर केवल दूध घी में ही मिलावट नहीं करते बल्कि यह आटा, बेसन, मसाले, कुट्टू का आटा, तेल, पनीर, मावा आदि सभी खाद्य सामग्री में मिलावट करते हैं। कैमरा मोबाईल के इस दौर में अब न तो यह सब केवल आशंकायें रह गयी हैं न ही अंदाज़े। बल्कि इसी मिलावटख़ोर नेटवर्क में ही काम करने वाला कोई शख़्स जब इस भ्रष्ट व मिलावटख़ोर व्यवस्था से किन्हीं भी कारणों से स्वयं को अलग करता है वही

व्यक्ति काम छोड़ने से पहले चुपके से इस मिलावटख़ोरी प्रकरण की पूरी वीडिओ तैयार करता है और ख़ुद ही उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है। फिर चाहे वह सब्ज़ियों में ज़हरीले इंजेक्शन लगाकर रातोंरात सब्ज़ी का आकर व वज़न बढ़ाना हो या रासायनिक अथवा डिटर्जेंट दूध तैय्यार करना हो। नक़ली व ज़हरीली मिठाइयां बनाना हो। घोर गंदिगी के वातावरण में खाने पीने का सामान तैयार करना हो या खाद्य सामग्री तैयार करते समय उसमें सड़ी गली चीज़ों का प्रयोग हो। सब कुछ देश की जनता देखती रहती है। हद तो यह कि बाज़ारों में सरे आम चांदी और सोने का वर्क़ लगी मिठाईयां बेची जा रही हैं जिनमें न ही सोना है न ही चांदी बल्कि एल्युमीनियम जैसी घातक धातुओं को चांदी और सोने के वर्क़ के नाम पर पूरे देश में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। मिलावटख़ोरी रोकने वाले विभाग वैसे तो वर्ष भर निरंतर जांच पड़ताल करने व नमूने इकट्ठे करने के लिये गठित किये गए हैं। परन्तु इन में मिलावटी मिठाइयों व खाद्य सामग्रियों की जांच पड़ताल में तेज़ी या विभागीय सक्रियता त्यौहारों से कुछ दिन पहले ही नज़र आती है। यही वजह है कि मिलावटख़ोरों के हौसले बुलंद रहते हैं और साल भर मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वाले लोगों के त्यौहारों के दौरान भी यह बाज़ नहीं आते। और इन्हीं त्योहारों के दिनों में वह मोटे नोट कमाते हैं। इस दौरान यदि खाद्य व स्वास्थ्य विभाग की टीम छापा मार कार्रवाई करती भी है और मिठाइयों या अन्य खाद्य सामग्रियों के सैंपल लेती भी है तो यह कार्रवाई एक लम्बी क़ानूनी प्रक्रिया से गुज़रती है। अगर मामला लेदेकर रफ़ा दफ़ा नहीं भी हुआ तो सेम्पल की लैब रिपोर्ट आने तक इंतज़ार करना पड़ता है। जबतक रिपोर्ट नेगेटिव नहीं आती तब तक दुकानदार अपना संदिग्ध सामान बेच सकता है। गोया फ़िलहाल तो इस तरह की छापामार कार्रवाई केवल ख़ानापूर्ति ही साबित होगी। और यदि सेम्पल फ़ेल हो जाता है और मिलावटख़ोरी साबित भी हो जाती है तो प्रायः इनपर 20 या 25 हज़ार रुपए जुर्माना हो जाता है। इस जुर्माने को मिलावटख़ोर आसानी से भरकर किसी कड़ी सज़ा से बच जाता है। नतीजतन मुंह में हराम के पैसे लग चुके ऐसे लोग पुनः मिलावट का काम करने में जुट जाते हैं। दरअसल किसी भी खाद्य सामग्री में मिलावटख़ोरी का सीधा सा अर्थ है आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करना। आम लोगों को धीमा ज़हर बेच कर ख़ुद तो पैसे कमाना और अपने ग्राहकों के लिये संगीन बीमारी यहाँ तक कि मौत की राह हमवार करना। यह अपराध की उस श्रेणी में नहीं आता जिसमें किसी प्रकार की क्षमा की गुंजाइश हो। यह मिलावटख़ोरों और ज़हर परोसने वालों द्वारा किया जाने वाला ग़ैर इरादतन अपराध का मामला नहीं बल्कि पूरी तरह से सोच समझकर नियोजित तरीक़े से किया जाने वाला अक्षम्य अपराध है। और पकड़े जाने के बावजूद आरोपियों का लेदेकर या जुर्माना भरकर बच निकलना ही पूरे देश में मिलावटख़ोरी के दिनोंदिन बढ़ते जा रहे नेटवर्क को प्रोत्साहित करने का सबसे बड़ा कारण है। इन्हीं की वजह से अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही है। समय पूर्व लोगों की जान जा रही है। ऊँचे रुसूख़ रखने वाले स्वामियों की बड़ी से बड़ी नामी ग्रामी कंपनियां जिनके सैम्पल फ़ेल होने की बार बार ख़बरें आती रहती हैं उन पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती। और इन अपराधियों के बुलंद हौसलों से 'प्रेरित' होकर पूरे देश में केवल खाद्य सामग्री ही नहीं बल्कि जीवन रक्षक दवाइयां तक नक़ली व मिलावटी बिकने लगी हैं। इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को जुर्माने नहीं बल्कि कठोर दंड की ज़रुरत है। पेशेवर मिलावटख़ोर साबित होने पर तो ऐसे लोगों को फांसी की सज़ा तक मिलनी चाहिये। अन्यथा इनके घरों पर बुलडोज़र चलना चाहिये, इनकी सम्पत्तियाँ ज़ब्त की जानी चाहिये। इतना ही नहीं बल्कि जिस इलाक़े में ऐसे अपराधी रहते हों उस इलाक़े में इनका पूर्ण सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिये। मुफ़्तख़ोरी करने वाले ऐसे लोग केवल लोगों की जान से ही खिलवाड़ नहीं करते बल्कि इनकी वजह से पूरी दुनिया में भारत की बदनामी भी होती है।

खाद्य सामग्री विशेषकर दूध, घी, पनीर में व इनसे बनी मिठाइयों में मिलावट की ख़बरें सुर्ख़ियां बटोरने लगती हैं। परन्तु सच पूछिये तो यह पूरे देश का दुर्भाग्य है कि वह पूरे वर्ष मिलावटी खाद्य सामग्री का शिकार बना रहता है। खेतों में उगाई जाने वाली सब्ज़ियों से लेकर फल तक सभी में रासायनिक तत्वों की भरमार रहती है। अनेक महानगरों व औद्योगिक नगरों में तो खेतों में सब्ज़ियों की सिंचाई के लिये औद्योगिक कचरे व रसायन से युक्त ज़हरीला पानी तक इस्तेमाल किया जाता है। दूध के नाम पर तो 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग ज़हर पी रहे हैं।

शेयर बाजार के अबूझ अंतरिक्ष में गोते लगाते नजूमी

दीवार पर कई कंप्यूटर स्क्रीन लगी हैं। स्क्रीन पर लाल हरे रंगों में कुछ लाइनें उछलकूद कर रही हैं। करीब से देखने पर पता चलता है कि यहां संख्याएं धमाचौकड़ी मचा रही थीं। तरह तरह पैटर्न बन-बिगड़ रहे हैं। ग्राफ की लाइनों से स्क्रीन पर पर्वत-घाटियां बन रही हैं। ऐसी स्क्रीन के सामने खड़ा होता था, शेयर बाजार का स्वघोषित 'बाप ऑफ चार्ट' यानी नसीरुद्दीन अंसारी। शेयर बाजार का यह नजूमी इसी चार्ट विद्या के सहारे सोशल नेटवर्क पर हजारों लोगों को शेयर खरीदने-बेचने-सौदे करने की सलाह देता था। बीते महीने सेबी ने चार्ट के पिताजी को 17 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। निरा फ्रॉड साबित हुआ यह ज्योतिषी। टेक्निकल एनालिसिस या चार्ट की तकनीक शेयर बाजार, कमॉडिटी, विदेशी मुद्रा सौदों का ज्योतिष शास्त्र है। इनकी गणनाओं पर सेकंडों में करोड़ों इधर से उधर हो जाते हैं। कहते हैं कि इस विद्या के महारथी वक्त से पहले शेयरों, तेल, तांबा, स्टील, गेहूं आदि की कीमत भांप लेते हैं। सबसे पहले कमा लेते हैं या नुकसान बचा लेते हैं। किस्से तो यह भी हैं कि इस शास्त्र के जानकारों को मंदी की संभावना भी आंकना आता है। बीते कुछ वर्ष से इस इस चार्ट विद्या के माहिरों की बन आई है। कई तोता ज्योतिषी तो मोबाइल एप पर टेक्निकल चार्ट पढ़ाकर लोगों से आप्शन ट्रेडिंग करा रहे हैं। बाप ऑफ चार्ट भी यही करता था। मगर यह रोमांचक विद्या 17वीं सदी के जिस कवि या दार्शनिक की देन मानी जाती है, उसने एलानिया तौर पर लिखा था कि लोगों को शेयर खरीदने बेचने की सलाह नहीं देनी चाहिए, क्योंकि बाजार के किसी घटनाक्रम को समझने की हमारी क्षमता बहुत सीमित है। ऐसे में एक शानदार सलाह पर किया गया सौदा भी तबाह कर सकता था। कौन था यह कवि दार्शनिक? टेक्निकल एनालिसिस के पितामह यूरोप में पैदा हुए थे या जापान में? आइये संभालिए अपनी सीट टाइम मशीन में, अब हम उड़ान भर रहे हैं। कहते हैं कि ग्रीक बाजारों में असीरियन कारोबारी सामान की कीमतों का पुराना हिसाब रखते थे, जो आने वाले वक्त किसी सामान की कीमत में बढ़ोतरी या कमी का पैटर्न समझने में मदद करता था। यानी कि अगर खराब मौसम में पहले कीमतें बढ़ी थीं, तो फिर मौसम बिगड़ने पर ऐसा ही होगा। ज्यादा पीछे न जाते हुए, हम चलते हैं एम्सटर्डम, 17 वीं सदी की शुरुआत में। डच ईस्ट इंडिया कंपनी बन चुकी थी। इसके शेयरों की ट्रेडिंग के लिए दुनिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज एम्सटर्डम में काम करने लगा था। डच ईस्ट इंडिया कंपनी 1602 में भारत से कारोबार के लिए बनी थी। टाइम मशीन के साथ इस यात्रा पर हम फिर कभी चलेंगे। अभी मिलिये जोसेफ डे ला वेगा से, जो मूलतः अर्जेंटीना के निवासी थे लेकिन छोटी उम्र में एम्सटर्डम आ गए थे। जोसेफ हीरे के व्यापारी थे, दार्शनिक थे और कविता भी लिखते थे। साल 1688 में उन्होंने एक किताब लिखी। नाम है कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस। गजब की किताब है यह। वेगा की यह रचना दुनिया की पहली स्टॉक इन्वेस्टमेंट गाइड है। वेगा जिस वक्त यह किताब लिख रहे थे, तब एम्सटर्डम वित्तीय जगत शेयर क्रांति से तप रहा था। डच ईस्ट इंडिया कंपनी के शेयरों में थोक में सौदे हो रहे थे। सट्टेबाजी हो रही थी। कारोबारी तरह-तरह की भविष्यवाणियां करते थे। जोसेफ डे ला वेगा ने कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस में बताया कि किस तरह पुरानी कीमतों के पैटर्न के आधार पर भविष्य का आकलन हो सकता है। यह टेक्निकल एनालिसिस का न्यूटन मूमेंट था। 'कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस' को वित्तीय बाजारों में बिहैवियर इकनॉमिक्स का उपनिषद भी माना जाता है। टाइम मशीन अब जापान की तरफ चलती है। यह जापान का इडो युग था। तोकुगावा लेयासू के शासन में जापान की राजनीति स्थिर थी। वह आर्थिक प्रगति का दौर था। यह बात 1710 की है। चावल के बाजार में फ्यूचर्स सौदे शुरू हो गए थे। कीमतों को वक्त से पहले भांपने की जरूरत बढ़ रही थी। होम्मा मुनेशिया जापान के उत्तर-पश्चिमी तटीय शहर सकाता में चावल का धंधा करते थे। मुनेशिया ने कीमतों का एक कैंडलस्टिक पैटर्न विकसित किया और खूब पैसा कमाया। बाद में अन्य व्यापारी भी इसी कैंडल पैटर्न का प्रयोग करने लगे। होम्मा मुनेशिया ने 1755 में किताब लिखी थी- द फाउंटेन ऑफ गोल्ड- द थ्री मंकी रिकॉर्ड ऑफ मनी। मुनेशिया चावल बाजार के वारेन बफे थे। तत्कालीन सम्राट ने उन्हें अपना वित्तीय सलाहकार बनाया। होम्मा को समुराई की मानद उपाधि भी मिली थी। जापान में आज भी कैंडलस्टिक चार्ट को सकाता चार्ट कहा जाता है। जापान आए हैं, तो चीन को तरफ भी झांक लेते हैं। यहां कंन्फ्यूशियस के नियमों की रोशनी बाजार के आकलन की तकनीक बन रही थी। कन्फ्यूशियस ने कहा था कि कोई वस्तु 100 दिन से ज्यादा महंगी या सस्ती नहीं रहती। चीन के कारोबारियों के लिए यह टेक्निकल एनालिसिस का पहला अध्याय था। अमेरिकी चार्ट का आर्ट चार्ल्स डाउ से शुरु होता है। वह डाउ जोंस एंड कंपनी के संस्थापक थे। उन्होंने अमेरिका के शेयर बाजार में सूचीबद्ध उद्योग और परिवहन शेयरों की कीमतों का अध्ययन किया। डाउ ने 1896 के बाद हुए हर बदलाव को परखकर डाउ थ्योरी पेश की, जो शेयर कीमतों में बढ़त और कमी का सिद्धांत बताती है। चार्ल्स डाउ और उनके शोध से अमेरिका के प्रतिनिधि शेयर सूचकांक डाउ जोंस का नजदीकी रिश्ता है। डाउ के जीवित रहने तक अध्ययन प्रकाशित नहीं हुआ। वाल स्ट्रीट जनरल के संपादक विलियम हैमिल्टन ने 1920 में इसे प्रकाशित किया और चार्ट शेयर बाजार गणनाओं का हिस्सा बन गए। टेक्निकल एनालिसिस की कला निकारागुआ के चीफ अकाउंटेंट राल्फ नेल्सन इलियट की भी कर्जदार है। अमेरिकी सरकार ने इलियट को निकारागुआ का अकाउंट संभालने भेजा था। मध्य अमेरिका की आबोहवा में वह गंभीर रुप से बीमार हो गए। अमेरिका लौट कर उन्होंने खुद को शेयर कीमतों के विश्लेषण में लगा दिया।

ग्राफ की लाइनों से स्क्रीन पर पर्वत-घाटियां बन रही हैं। ऐसी स्क्रीन के सामने खड़ा होता था, शेयर बाजार का स्वघोषित 'बाप ऑफ चार्ट' यानी नसीरुद्दीन अंसारी। शेयर बाजार का यह नजूमी इसी चार्ट विद्या के सहारे सोशल नेटवर्क पर हजारों लोगों को शेयर खरीदने-बेचने-सौदे करने की सलाह देता था। बीते महीने सेबी ने चार्ट के पिताजी को 17 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। निरा फ्रॉड साबित हुआ यह ज्योतिषी। टेक्निकल एनालिसिस या चार्ट की तकनीक शेयर बाजार, कमॉडिटी, विदेशी मुद्रा सौदों का ज्योतिष शास्त्र है। इनकी गणनाओं पर सेकंडों में करोड़ों इधर से उधर हो जाते हैं। कहते हैं कि इस विद्या के महारथी वक्त से पहले शेयरों, तेल, तांबा, स्टील, गेहूं आदि की कीमत भांप लेते हैं। सबसे पहले कमा लेते हैं या नुकसान बचा लेते हैं। किस्से तो यह भी हैं कि इस शास्त्र के जानकारों को मंदी की संभावना भी आंकना आता है।

देश दुनीया से

धूप आने दोः असली कृष्ण ने किया नकली कृष्ण का उद्धार

करुष देश का एक राजा हुआ। नाम था पौंड्रक। उसके चाटुकार मंत्रियों ने पौंड्रक को यह विश्वास दिला दिया कि वही भगवान विष्णु का असली अवतार कृष्ण है। मंत्रियों के झांसे आया पौंड्रक स्वयं को सचमुच वासुदेव कृष्ण समझने लगा। उसने श्रीकृष्ण जैसा वेश भी धारण कर बना लिया। पौंड्रक ने सबसे पहले अपने शरीर पर नीला रंग करवाया। फिर उसने शंख और चक्र के साथ लकड़ी के दो अतिरिक्त हाथ बनवाए और उन्हें अपने कंधों पर बांधकर चतुर्भुज बन बैठा। उसने एक लाल मणि को कौस्तुभ नाम दिया और उसे भी गले में लटका लिया। फिर मुकुट में एक मोर पंख फंसाया और एक गदा एवं एक पद्म हाथ में लेकर घूमने लगा। उसने लोहे का एक पैर बनवाकर उसका चिह्न अपने वक्ष पर छपवा लिया क्योंकि वैसा ही एक पदचिह्न भगवान विष्णु के वक्ष पर बना है। हालांकि विष्णु के वक्ष पर बना पदचिह्न, वास्तव में महर्षि भृगु के पैर का निशान है जिसे श्रीवत्स भी कहते हैं। इस चिह्न को अंकित कराने में पौंड्रक को पीड़ा तो बहुत हुई किंतु कृष्ण की नकल करने के लिए उसे यह भी स्वीकार था। इस तरह पौंड्रक ने श्रीकृष्ण की तरह नकली अस्त्र-शस्त्र एवं वस्त्राभूषण धारण कर लिए। उसने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया तथा राज्य में अन्य देवी-देवताओं की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। फिर भी द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण का यश कम नहीं हुआ। तब पौंड्रक के मंत्रियों ने उससे कहा कि यदि वासुदेव कृष्ण से आगे निकलना है, तो उन्हें युद्ध में पराजित करना होगा। धूर्त मंत्रियों के चंगुल में फंसे मूर्ख पौंड्रक ने श्रीकृष्ण के पास संदेश भेजाः 'वासुदेव! मैं भगवान विष्णु का अवतार हूं और मैं ही असल में नारायण का रूप हूं। मैंने संसार को अधर्म से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया है। मुझे पता लगा है कि तुम मेरा नाम और मेरे चिह्न जैसे श्रीवत्स, कौस्तुभ, सुदर्शन चक्र, मोरपंख आदि पाञ्जन्य शंख, कौमुदकी गदा तथा पद्म आदि का प्रयोग करते हो। मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूं कि तुम तत्काल मेरे नाम का दुरुपयोग करना छोड़कर समर्पण कर दो, अन्यथा मुझसे युद्ध करो!' पौंड्रक का संदेश सुनकर कृष्ण मुसकराए। उन्होंने दूत से कहा कि वह पौंड्रक की इच्छा अवश्य पूर्ण करेंगे। कुछ ही दिन में कृष्ण, सेना लेकर पौंड्रक से युद्ध करने पहुंच गए। कृष्ण के आगमन का समाचार सुनते ही, पौंड्रक तुरंत अपने नकली अस्त्र-शस्त्र धारण करके कृष्ण से युद्ध करने आ गया। पौंड्रक को देखकर यादव सेना ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगी। कृष्ण ने पौंड्रक को देखा तो वे भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। कृष्ण को देखकर पौंड्रक चिल्लाया, 'रुक जाओ, ढोंगी कृष्ण! मुझे ध्यान से देखो। मुझे देखकर समझ गए होगे कि मैं ही विष्णु का अवतार और असली वासुदेव हूं। मैं अंतिम बार सावधान कर रहा हूं कि अब भी समय है, मेरे सामने समर्पण कर दो तो मैं तुम्हें क्षमा कर सकता हूं अन्यथा आज तुम यहां से जीवित वापस नहीं जाओगे।' पौंड्रक की बात सुनकर कृष्ण भोला-सा चेहरा बनाकर बोले, 'हां महाराज, आपकी बात सत्य है और आपका दावा भी सच्चा है। मैं स्वयं को वासुदेव केवल इसलिए कहता हूं क्योंकि मैं वसुदेव जी का पुत्र हूं। परंतु मुझे भगवान विष्णु का असली अवतार आप ही लग रहे हैं।' पौंड्रक को लगा कि कृष्ण उसके झांसे में आ गए। वह घमंड में बोला, 'मैं जानता हूं कि मैं ही असली वासुदेव हूं। इसलिए तुम तत्काल अपने अस्त्र शस्त्र मुझे सौंप दो। अपनी पराजय स्वीकार कर लो।' कृष्ण हंसकर बोले, 'मैं अपने अस्त्र-शस्त्र सौंप सकता हूं किंतु मुझे नहीं लगता कि आप इनका बोझ उठा पाएंगे!" 'चुप रहो, मूर्ख!' पौंड्रक चिल्लाया। 'अपने अस्त्र-शस्त्र मुझे दे दो अन्यथा युद्ध करो क्योंकि अब हम दोनों इस लोक में नहीं रह सकते। तुम्हें मारकर मैं धरती पर धर्म की स्थापना करूंगा।' यह सुनकर भगवान कृष्ण ने कहा, 'पौंड्रक, यदि मेरे अस्त्र-शस्त्र लेकर तुम्हें प्रसन्नता होती है तो यही सही! लो, पहले मेरा यह चक्र संभालो!' और इतना कहते ही, श्रीकृष्ण ने अपना सुदर्शन चक्र पौंड्रक पर छोड़ दिया।

मंत्रियों के झांसे आया पौंड्रक स्वयं को सचमुच वासुदेव कृष्ण समझने लगा। उसने श्रीकृष्ण जैसा वेश भी धारण कर बना लिया। पौंड्रक ने सबसे पहले अपने शरीर पर नीला रंग करवाया। फिर उसने शंख और चक्र के साथ लकड़ी के दो अतिरिक्त हाथ बनवाए और उन्हें अपने कंधों पर बांधकर चतुर्भुज बन बैठा। उसने एक लाल मणि को कौस्तुभ नाम दिया और उसे भी गले में लटका लिया। फिर मुकुट में एक मोर पंख फंसाया और एक गदा एवं एक पद्म हाथ में लेकर घूमने लगा। उसने लोहे का एक पैर बनवाकर उसका चिह्न अपने वक्ष पर छपवा लिया क्योंकि वैसा ही एक पदचिह्न भगवान विष्णु के वक्ष पर बना है। हालांकि विष्णु के वक्ष पर बना पदचिह्न, वास्तव में महर्षि भृगु के पैर का निशान है जिसे श्रीवत्स भी कहते हैं।

दृष्टिकोण

तकनीक का दुरुपयोग मानवता के भविष्य के लिए खतरनाक?

डीपफेक डिजिटल मीडिया हैं - वीडियो, ऑडियो और छवियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है। यह मूल रूप से अति-यथार्थवादी डिजिटल मिथ्याकरण है। डीपफेक व्यक्तियों और संस्थानों को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाए जाते हैं। कमोडिटी क्लाउड कंप्यूटिंग तक पहुंच, सार्वजनिक अनुसंधान एआई एल्गोरिदम, और प्रचुर डेटा और विशाल मीडिया की उपलब्धता ने मीडिया के निर्माण और हेरफेर को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक आदर्श तूफान खड़ा कर दिया है। इस सिंथेटिक मीडिया सामग्री को डीपफेक कहा जाता है। दुष्प्रचार और अफवाहें महज झुंझलाहट से लेकर युद्ध तक विकसित हो गई हैं जो सामाजिक कलह पैदा कर सकती हैं, ध्रुवीकरण बढ़ा सकती हैं और कुछ मामलों में चुनाव परिणाम को भी प्रभावित कर सकती हैं। भू-राजनीतिक आकांक्षाओं, वैचारिक विश्वासियों, हिंसक चरमपंथियों और आर्थिक रूप से प्रेरित उद्यमों वाले राष्ट्र-राज्य अभिनेता आसान और अभूतपूर्व पहुंच और पैमाने के साथ सोशल मीडिया कथाओं में हेरफेर कर सकते हैं। दुष्प्रचार के खतरे के पास डीपफेक के रूप में एक नया उपकरण है। पोर्नोग्राफी में डीपफेक के दुर्भावनापूर्ण उपयोग का पहला मामला सामने आया था। सेंसिटी.एआई के अनुसार, 96% डीपफेक अश्लील वीडियो हैं, अकेले अश्लील वेबसाइटों पर 135 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। डीपफेक पोर्नोग्राफ़ी विशेष रूप से महिलाओं को लक्षित करती है। अश्लील डीपफेक धमकी दे सकते हैं, डरा सकते हैं और मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह महिलाओं को भावनात्मक संकट पैदा करने वाली यौन वस्तुओं तक सीमित कर देता है, और कुछ मामलों में, वित्तीय नुकसान और नौकरी छूटने जैसे आकस्मिक परिणामों का कारण बनता है। डीपफेक एक दुर्भावनापूर्ण राष्ट्र-राज्य द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर करने और लक्षित देश में अनिश्चितता और अराजकता पैदा करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है। डीपफेक संस्थानों और कूटनीति में विश्वास को कम कर सकता है। डीपफेक का उपयोग गैर-राज्य अभिनेताओं, जैसे कि विद्रोही समूहों और आतंकवादी संगठनों द्वारा, अपने विरोधियों को भड़काऊ भाषण देने या लोगों के बीच राज्य-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए उत्तेजक कार्यों में संलग्न दिखाने के लिए किया जा सकता है। डीपफेक की एक और चिंता झूठे व्यक्ति का लाभांश है; किसी अवांछनीय सत्य को डीपफेक या फर्जी समाचार कहकर खारिज कर दिया जाता है। डीपफेक का अस्तित्व ही खंडन को अधिक विश्वसनीयता प्रदान करता है। नेता डीपफेक को हथियार बना सकते हैं और मीडिया के वास्तविक हिस्से और सच्चाई को खारिज करने के लिए फर्जी समाचार और वैकल्पिक-तथ्यों की कहानी का उपयोग कर सकते हैं। डीपफेक अल्पकालिक और दीर्घकालिक सामाजिक नुकसान भी पहुंचा सकता है और पारंपरिक मीडिया में पहले से ही घट रहे भरोसे को तेज कर सकता है।

इमरान खान की बढ़ीं मुश्किलें, तोशाखाना और अल कादिर ट्रस्ट मामले में भी हुए गिरफ्तार

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। खुफिया दस्तावेज सार्वजनिक करने के मामले में इमरान खान पहले ही अडियाला जेल में बंद हैं।

अब पाकिस्तान की शीर्ष भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने अल कादिर ट्रस्ट और तोशाखाना मामले में भी इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया है।

नैब की अदालत ने जारी किया आदेश

सोमवार को नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की अदालत के जज मोहम्मद बशीर ने इमरान खान की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया। जिसके बाद रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद इमरान खान को गिरफ्तार किया गया। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, इस गिरफ्तारी का मतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के मुखिया इमरान खान से जेल में ही दोनों मामलों में पूछताछ होगी। नैब टीम इमरान खान को रिमांड पर भी ले सकती है।

क्या हैं इमरान खान पर आरोप

बता दें कि इमरान खान को अगस्त महीने में खुफिया दस्तावेज सार्वजनिक करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक पाकिस्तानी प्रॉपर्टी बिजनेसमैन पर 450 अरब रुपये का जुर्माना लगाया था। इमरान खान पर आरोप है कि जुर्माने की रकम जमा कराने के बजाय इमरान खान ने जुर्माने की रकम पर समझौता किया और इसके एवज में बिजनेसमैन ने इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी द्वारा गठित अल कादिर ट्रस्ट को करीब 57 एकड़ जमीन तोहफे में दी।

इमरान खान को तोशाखाना मामले में भी इस साल अगस्त में दोषी ठहराया गया था। हालांकि उन्हें इस मामले में जमानत मिल गई थी। यह मामला पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने दर्ज कराया था। आरोप है कि इमरान खान ने अपने हलफनामे में तोशाखाना से बेचे गए गिफ्ट आइटम से मिली रकम की जानकारी नहीं दी थी। अब नैब ने इमरान खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग की थी, जिसके बाद अदालत ने इमरान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण चीन सागर में सेना की क्षमता बढ़ाई जाए , शी से मुलाकात से पहले अमेरिकी सांसदों की बाइडन से अपील

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से दक्षिण चीन सागर में स्वतंत्र रूप से काम करने की सेना की क्षमता के पक्ष में खड़े होने की मांग की है। उन्होंने बाइडन से बुधवार को चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात के दौरान फेंटानिल (मादक पदार्थ) की अवैध तस्करी और अमेरिकी कारोबार के लिए बाध्यकारी माहौल के मुद्दों को उठाने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने बाइडन से दक्षिण चीन सागर में स्वतंत्र रूप से काम करने की सेना की क्षमता को बढ़ाने की भी मांग की। बाइडन और शी बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में एपेक (एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग) बैठक के दौरान मुलाकात करेंगे। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा, मैंने खासकर इजराइल-गाजा संघर्ष के सिलसिले में राष्ट्रपति शी से कहा कि चीन को ईरान को ऐसा कोई भी काम करने से रोकने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहिए जिससे संघर्ष बढ़ने की आशंका हो। इस संकट की स्थिति में चीन को नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति शी के साथ भेंट के दौरान मैंने सात अक्टूबर (जब हमास ने इजराइल में आम नागरिकों पर हमला किया था) के बारे में बयान जारी करने को लेकर चीन सरकार की आलोचना की थी जिसमें आम नागरिकों की हत्या की निंदा नहीं की गई थी। इसके बाद उन्होंने अगले ही दिन पहले से कड़ा बयान जारी किया। शूमर ने कहा, यदि राष्ट्रपति बाइडन इस बात को लेकर इसी प्रकार दृढ़ रहते हैं कि चीन ईरान और रूस को लेकर स्थिरता लाने वाली भूमिका निभाए, तो मैं समझता हूं कि इससे बड़ा फर्क आएगा। सीनेट में बहुमत के नेता ने कहा कि शी जिनपिंग के साथ मुलाकात असली परीक्षा होगी कि वह अमेरिका के साथ वाकई बेहतर संबंध चाहता है या नहीं।सांसद रॉब विट्टमैन ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि अमेरिका पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के बढ़ते सैन्य आक्रामक रुख को बर्दाश्त नहीं करेगा।

हमास के बंधकों में नौ महीने का बच्चा भी, हाल ही में घुटनों के बल चलना शुरू किया; दादा सुनाई पूरी कहानी

यरूशलम। दक्षिणी इजराइल के किबुत्ज का रहने वाला नौ महीने का लाल बालो वाला बच्चा अब घुटनों के बल चलना शुरू कर दिया है। बच्चे का नाम कफीर बिबास है जो अपने माता-पिता और एक चार वर्षीय भाई के साथ किबुत्ज में रहता था। सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों द्वारा इजराइल पर हमला करने के बाद वह अपने माता-पिता और भाई से अलग हो गया। कफीर को हमास के आतंकियों ने बंधक बना लिया था। बंधक बनाने के दौरान कफीर महज नौ महीने का था और वहां करीबन 240 बंधकों में शामिल 32 बच्चों के बीच वह सबसे छोटी उम्र का बंधक था। इजराइल पर हमले के एक महीने के बाद कफीर के परिवार वालों की कोई जानकारी नहीं है। वह अब दस महीने का हो चुका है। इस सप्ताह बंधकों की रिहाई की खबर के बाद कफीर के दादा को उम्मीद है कि उनके परिवार को रिहा किया जाएगा। 66 वर्षीय एली बिबास ने कहा, अब यही मेरी पूरी जिंदगी है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे, बहु और पोते को हमास के आतंकियों ने बंधक बना रखा है। एली ने बताया कि सात अक्तूबर को 10 बजे वह अपने परिवार के साथ मिलने वाले थे, लेकिन सुबह के साढ़े छह बजे सायरन बजने लगा और सभी अपने अपने घरों में छिपने लग। एली ने अपने बेटे यार्देन को संदेश भेजा। यार्देन लगातार अपनी बहन के संपर्क में था।

श्रीलंका में भूकंप के तेज झटके, रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता मापी गई तीव्रता

कोलंबो। श्रीलंका में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.2 मापी गई है। भूकंप दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर आया। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर अंदर कोलंबो से दक्षिण-पूर्व की ओर था। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है।

गाजा युद्ध में अब तक संयुक्त राष्ट्र के 102 कर्मचारियों की मौत ; हमास का शीर्ष कमांडर ढेर

वॉशिंगटन।
संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का कहना है कि इजराइल हमास युद्ध में अब तक गाजा में संयुक्त राष्ट्र के 102 कर्मचारियों की मौत हो चुकी है। साथ ही इस लड़ाई में 27 स्टाफ कर्मचारी घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी फॉर फलस्तीन रिफ्यूजी ने कहा है कि बीते 24 घंटे में उनका एक कर्मचारी और उसके परिजन उत्तरी गाजा में जारी बमबारी में मारे गए हैं। एजेंसी का कहना है कि संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में किसी भी लड़ाई में जान गंवाने वाले संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके विरोध में संयुक्त राष्ट्र के दुनियाभर के कार्यालयों में सोमवार को झंडे आधे झुके रहे और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों ने मारे गए अपने सहयोगियों के लिए मौन धारण किया।

अस्पताल सुरक्षित रहने चाहिए

गाजा के अल शिफा अस्पताल पर बीते दिनों हुए हमले में 22 लोगों की मौत हो गई थी। इजराइली सेना ने अस्पताल को खाली करने का आदेश दिया है लेकिन अभी भी वहां पर सैंकड़ों लोग फंसे हुए हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि अगर अस्पताल के जेनरेटर के लिए जल्द ही ईंधन का इंतजाम नहीं हुआ तो इलाज की कमी से कई लोग मारे जा सकते हैं, जिनमें कई नवजात बच्चे भी शामिल हैं। अब अमेरिका ने भी अस्पताल पर हमले का विरोध किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपील की है कि मुझे उम्मीद है कि अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। बाइडन ने कहा कि अस्पतालों की सुरक्षा होनी चाहिए। एक मेडिकल चैरिटी संगठन डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स के एक सर्जन ने बताया कि गाजा के अल शिफा अस्पताल में सैंकड़ों लोग फंसे हुए हैं और अमानवीय हालात में रहने को मजबूर हैं। इजराइल का आरोप है कि हमास के आतंकियों ने अल शिफा अस्पताल में अपने ठिकाने बनाए हुए हैं। वहीं हमास इन आरोपों से इनकार करता है। संयुक्त राष्ट्र ने भी अल शिफा अस्पताल पर हमले की कड़ी निंदा की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि अल शिफा अस्पताल में करीब 2300 मरीज, स्वास्थ्य कर्मी और शरणार्थी रह रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन ने भी अस्पताल में लड़ाई का विरोध किया और कहा कि हम मरीजों को सुरक्षित देखना चाहते हैं। सुलीवन ने गाजा पट्टी में लंबे युद्धविराम की भी अपील की ताकि गाजा में फंसे लोगों की मदद की जा सके।

हमास का शीर्ष कमांडर ढेर

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने हमास के शीर्ष कमांडर को एक एयर स्ट्राइक में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि मारा गया हमास कमांडर अमहद सियाम है, जो गाजा के एक अस्पताल में करीब 1000 लोगों को बंधक बनाकर रखे हुए था। इजराइली सेना का कहना है कि सियाम अस्पताल से आम नागरिकों और मरीजों को निकलने नहीं दे रहा था। इजराइली सेना ने बताया कि सियाम गाजा के रनतीसी अस्पताल में डेरा जमाए हुए था और वह अस्पताल में मौजूद आम नागरिकों और मरीजों को इजराइली चेतावनी के बावजूद दक्षिणी गाजा के सुरक्षित ठिकानों पर नहीं जाने दे रहा था। सियाम हमास की नासेर रादवान कंपनी का कमांडर था। इजराइली सेना ने बताया कि सियाम भी इस बात का उदाहरण है कि हमास आम नागरिकों को अपने आतंकी मंसूबों के लिए मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। फिलहाल सियाम अपने कई सहयोगियों के साथ गाजा के अल बुराक स्कूल में छिपा हुआ था, जब इजराइली सेना के फाइटर जेट ने उस स्कूल को निशाना बनाकर सियाम को ढेर कर दिया। इजराइल की आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेत को सियाम के ठिकाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सूचना पर कार्रवाई करते हुए इजराइली सेना ने हमास कमांडर को ढेर कर दिया।

हमास ने नौ महीने के बच्चे को बनाया हुआ है बंधक

इजराइली सेना ने बताया है कि बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने जिन 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया है, उनमें नौ महीने का एक बच्चा भी शामिल है। इजराइली सेना ने बताया कि इस बच्चे का नाम कफिर बिबास है और जब हमास के आतंकियों ने उसे अगवा किया था, तब वह 9 महीने का था अब वह 10 महीने का है और अभी भी हमास की कैद में है। इजराइली सेना ने बताया कि हमास ने कफिर के बड़े भाई और उसके माता-पिता को भी बंधक बनाया हुआ है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ से मिलेंगे इजराइल के विदेश मंत्री

इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन मंगलवार को स्विट्जरलैंड के लिए रवाना होंगे। स्विट्जरलैंड में इजराइली विदेश मंत्री रेड क्रॉस की अध्यक्ष, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस गैब्रिसियस से मुलाकात करेंगे। साथ ही कोहेन विभिन्न देशों के राजदूतों को भी हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने के प्रयासों की भी जानकारी देंगे। बता दें कि बंधकों को छुड़ाने के लिए इजराइल सरकार पर दबाव बन रहा है। यही वजह है कि इजराइली सरकार ने सैन्य दबाव के साथ ही कूटनीतिक प्रयास भी तेज कर दिए हैं।

पार्टी की पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं निक्की, हमारे बीच मौलिक वैचारिक मतभेद, रामास्वामी का तंज

वाशिंगटन।
अगले वर्ष अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर तैयारी तेज हो गई है। राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के लिए तमाम नेता अपनी-अपनी पार्टी में जोर अजमाइश कर रहे हैं। उम्मीदवारी को सुनिश्चित करने के लिए हेली और रामास्वामी के बीच सार्वजनिक बहस हो चुकी है। रिपब्लिकन से राष्ट्रपति पद उम्मीदवारी के लिए दावा ठोकने वाले विवेक रामास्वामी ने कहा, उनका अपनी प्रतिद्वंदी निक्की हेली के साथ मौलिक वैचारिक विभाजन है। वह पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं।

भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने कहा, हेली पीढ़ीगत विभाजन के गलत पक्ष पर हैं, जो हमें डिक चेनी युग में वापस ले जा रही है। बेवजह युद्धों में सात ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बर्बाद कर दिए हैं। मैं सच्चाई के साथ हूं। हम बात करने वाले नेता नहीं चाहते हैं। मुझे नहीं लगता कि हम छुपकर लोगों को निराश करेंगे। मैं काफी खुला व्यक्ति हूं, लोग इसे पसंद करते हैं।

रामास्वामी ने कहा, मैं राजनीति की दुनिया से नहीं हूं, मैं बाहर से आया हूं। देश में लगातार ब्याज दरें बढ़ रही हैं। यहां तक कि मजदूरी स्थिर हो गई है। मैं लोगों के दर्द को महसूस कर सकता हूं। अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए रामास्वामी ने कहा, हमें ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ानी होगी। साथ ही श्रम और आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित करना होगा। लोगों को बेरोजगारी भत्ता देने के बजाए काम दिया जाए। मैं आपको बता सकता हूं, शून्य-आधारित बजटिंग ही आगे बढ़ने का रास्ता है।आप खुद से ही पूछे कि क्या जरूरी है।

दो भारतीय अमेरिकियों ने चौथी प्राथमिक रिपब्लिकन पार्टी बहस के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है, जिसका पूर्व राष्ट्रपति और अग्रणी डोनाल्ड ट्रम्प ने बहिष्कार किया था।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की पहली आचार संहिता न्यायाधीशों के लिए नैतिक नियमों-सिद्धांतों पर जोर

वाशिंगटन।
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों के लिए अपने पहले औपचारिक आचार संहिता को अपनाया है। कोर्ट ने अदालत के सदस्यों के आचरण का मार्ग दर्शन करने वाले नैतिक नियमों और सिद्धांतों को संक्षेप में प्रस्तुत करने और एक साथ इकट्ठा करने के लिए अपना कोड जारी किया।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने नौ न्यायाधीशों के नैतिक व्यवहार को नियंत्रित करने वाली पहली औपचारिक आचार संहिता को अपनाया है। अघोषित लक्जरी यात्राओं और धनी लाभार्थियों के साथ मेलजोल के खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लिया है। बता दें संघीय न्यायपालिका के अन्य सदस्यों के हटकर, सुप्रीम कोर्ट के नौ आजीवन न्यायाधीशों ने लंबे समय तक बिना किसी बाध्यकारी नैतिकता संहिता के काम किया है।

जारी बयान के मुताबिक, यह गलतफहमी पैदा हो गई है कि इस कोर्ट के न्यायाधीश, इस देश के अन्य सभी न्यायविदों के हटकर खुद को किसी भी नैतिक नियम से अप्रतिबंधित मानते हैं। इसी मुद्दे को दूर करने के लिए हमने अपने पहले औपचारिक आचार संहिता को अपनाया है। निजी जेट पर अघोषित यात्राएं, लक्जरी छुट्टियां, रियल एस्टेट और मनोरंजक वाहन खरीद पर न्यायाधीशों के खुलासे से अदालत परेशान है। बता दें यह मुद्दा एक राजनीतिक मुद्दे पर बदल गया था। कांग्रेस में डेमोक्रेट्स ने अदालत से एक नैतिक संहिता अपनाने का आह्वान किया था।

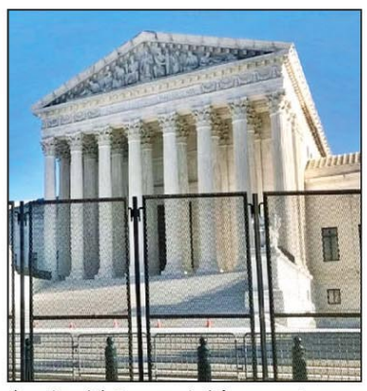

सुएला ब्रेवरमैन को कैबिनेट से निकालने पर बढ़ा विवाद, ऋषि सुनक को पीएम पद से हटाने की तैयारी शुरू

लंदन।
सुएला ब्रेवरमैन को गृहमंत्री पद से हटाने के बाद से ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक आलोचकों के निशाने पर हैं। अब खबर आयी है कि ऋषि सुनक की पार्टी की ही सांसद ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल कंजरवेटिव पार्टी की सांसद एंड्रिया जेनकिंस ने 1922 कमेटी के चेयरमैन सर ग्राहम ब्रैडी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में ब्रिटिश सांसद ने ऋषि सुनक को पीएम पद से हटाने की मांग की है और उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।

कंजरवेटिव पार्टी की सांसद ने ऋषि सुनक पर लगाए आरोप

इस पत्र में एंड्रिया जेनकिंस ने लिखा बस बहुत हो गया। हमारी पार्टी का नेता ऐसा व्यक्ति है, जिसे पार्टी के नेता ही खारिज कर चुके हैं और चुनाव नतीजों से स्पष्ट है कि जनता भी उन्हें खारिज कर चुकी है। अब ऋषि सुनक के जाने का समय आ गया है। जेनकिंस ने लिखा ऋषि सुनक, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए बोरिस जॉनसन को पीएम पद से हटाने वाले लोगों में शामिल थे, उन बोरिस जॉनसन को जिन्होंने ब्रेग्जिट कराने में अहम भूमिका निभाई और वही पार्टी को बड़े बहुमत से सत्ता में लाए थे। अब सुएला ब्रेवरमैन को पद से हटाकर ऋषि सुनक ने हद कर दी है। इस कैबिनेट में ब्रेवरमैन ही एसी व्यक्ति थीं, जो सच बोलने का माद्दा रखती हैं। जेनकिंस ने पत्र में उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी के अन्य सांसद भी उनका समर्थन करेंगे। जेनकिंस ने सोशल मीडिया पर भी इस पत्र को साझा किया है।

ऋषि सुनक की जा सकती है कुर्सी

बता दें कि अगर सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के 15 फीसदी सांसद ऋषि सुनक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करते हैं तो इससे सुनक को पीएम पद छोड़ना पड़ेगा। बता दें कि सुएला ब्रेवरमैन ने हाल ही में एक अखबार में लिखे लेख में लंदन पुलिस पर फलस्तीन समर्थक होने का आरोप लगाया था। दरअसल हाल ही में लंदन में फलस्तीन के समर्थन में रैली निकाली गई, जिससे धुर दक्षिणपंथी लोगों का एक समूह भिड़ गया। इस दौरान खूब हिंसा हुई।

सुएला ब्रेवरमैन ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दक्षिणपंथी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की लेकिन फलस्तीन समर्थकों के प्रति नरम रुख अपनाया। साथ ही सुएला ब्रेवरमैन ने कई ऐसे बयान दिए, जिससे विपक्षी नेताओं के साथ ही सुनक की पार्टी के नेता भी नाराज थे। साथ ही सुएला ब्रिटेन में बढ़ रही मजहबी हिंसा के लिए इमीग्रेंट्स को दोषी मानती हैं और उन्होंने ये भी कहा था कि भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने से ब्रिटेन आने वाले इमीग्रेंट्स की संख्या बढ़ जाएगी। यही वजह थी कि सुनक और ब्रेवरमैन में तनाव बढ़ रहा था और आखिरकार सुनक ने ब्रेवरमैन की कैबिनेट से छुट्टी कर दी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिखाया कनाडा को आईना

कहा- अपने देश में कट्टरपंथ और पूजा स्थलों पर हमले रोके

जिनेवा।
भारत-कनाडा के बीच जारी राजनयिक विवाद के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कनाडा को आईना दिखाया है। भारत ने एक बड़े कूटनीतिक कदम के तहत संयुक्त राष्ट्र में कनाडा को पूजा स्थलों और घृणा अपराध को रोकने की सलाह दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान एक प्रस्ताव पर चर्चा में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राजनयिकों ने कनाडा को कुछ सलाह दीं।

भारत ने दी ये सलाह – संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा भारत की कनाडा को सलाह है कि वह अपने घरेलू ढांचे को मजबूत करे, जिससे बोलने की आजादी का गलत इस्तेमाल ना हो सके। साथ ही कट्टरपंथ को बढ़ावा ना मिले और हिंसा ना भड़के। भारतीय राजनयिक ने कहा कि कनाडा में पूजा स्थलों, धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों को भी रोका जाना चाहिए। घृणा अपराध और घृणा भाषणों को रोकने के लिए कानून मजबूत करने चाहिए।

बांग्लादेश ने अप्रवासियों के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे पर घेरा – बांग्लादेश के राजनयिक अब्दुल्ला अल फोरहाद ने कहा कनाडा को रंगभेद, घृणा अपराध और अप्रवासी और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। बांग्लादेश ने कनाडा को कार्बन उत्सर्जन कम करने की भी सलाह दी और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने को कहा। श्रीलंका के राजदूत थिलिनी जयशेखरा ने कनाडा से कहा अप्रवासी कामगारों और उनके परिवारजनों के अधिकारियों की रक्षा की जानी चाहिए। साथ ही रंगभेद, भेदभाव भरी नीतियों के खिलाफ और अप्रवासी मजदूरों के अधिकारों को प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है।

भारत कनाडा के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे – बता दें कि भारत और कनाडा के रिश्ते इन दिनों बुरे दौर से गुजर रहे हैं। दरअसल कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की बीते जून महीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में खड़े होकर इस हत्या में भारत का हाथ बताया था। हालांकि भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं स्थगित कर दी थीं। हालांकि बीते दिनों वीजा सेवाएं फिर से चालू कर दी गई हैं। अब बीते शनिवार को कनाडा के पीएम ने एक बार फिर भारत पर आरोप लगाए और भारत द्वारा कनाडा के 40 राजनयिकों की राजनयिक इम्युनिटी खत्म करने के फैसले को वियना कन्वेंशन का उल्लंघन बता दिया था। कनाडा पीएम ने ये भी कहा कि अगर बड़े देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करेंगे तो हालात बेहद खतरनाक हो जाएंगे।

हिंदुत्व और भगवा से दिक्कत है कांग्रेस को, अपराधी के गले में भी भगवा नजर आ रहा : सुधांशु त्रिवेदी

जयपुर (हिंस)। राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को जयपुर में कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। कांग्रेस ने एक विज्ञापन जारी किया है जिसमें अपराधी के गले में भी भगवा पटका नजर आ रहा है, इससे साफ स्पष्ट है कि इन्हे हिंदुत्व और भगवा से किस हद तक दिक्कत है। क्योंकि कांग्रेस का एक सहयोगी दल सनातन उन्मूलन के लिए कांफ्रेंस आयोजित करता है, और वही सनातन उन्मूलन की सोच इनके विज्ञापनों में नजर आने लगी है। जयपुर में जनवरी 2013 में इसी पार्टी के तत्कालीन गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा था कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ आतंकवादी ट्रेनिंग सेंटर चलाता है। जब भाजपा ने सदन में इसका विरोध किया तो गृहमंत्री शिंदे ने अपना बयान वापिस ले लिया। भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर पर पत्रकारों से बातचीत में त्रिवेदी ने कहा

कि जयपुर बम धमाकों के आरोपियों के खिलाफ लचर पैरवी की गई और आरोपी बरी हो गए वहीं कन्हैया तेली को बार-बार सुरक्षा मांगने के बावजूद सुरक्षा नहीं दी गई। जयपुर में रोडरेज की घटना में समुदाय विशेष के युवक की हत्या पर 50 लाख मुआवजे की घोषणा और कन्हैया तेली को सुरक्षा तक नहीं दे पाए ये लोग। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कुछ दिन पहले एक घोषणा की थी कि राजस्थान को घूंघट मुक्त बनाएंगे और हिजाब युक्त बनाएंगे मेरा सवाल ये है कि घूंघट से आपत्ति और हिजाब का समर्थन ये कैसा दोहरा चरित्र है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशी फिलीस्तीन के समर्थन में मौन धारण करवातीं है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत केवल अर्थव्यवस्था में ही पांचवे स्थान पर नहीं है, हम चौथे सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज वाला देश हैं, ऑटोमोबाइल निर्माण में हम तीसरे नंबर पर हैं और मोबाइल निर्माण में हम दूसरे नंबर पर हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश के मामले में तो हमने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस को उन्ही के बयानों पर जमकर घेरते हुए कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि जातिगत जनगणना हम कराएंगे, लेकिन हम उनसे पूंछना चाहते हैं कि जातिगत जनगणना बंद किसने करवाई थी ? स्वतंत्र भारत की पहली संसद में 1951 के दौरान तत्कालीन जवाहर लाल नेहरू सरकार ने ही जनगणना पर रोक लगाई थी। राहुल गांधी बताएं कि नेहरू अप्रासंगिक थे या वह गलत थे, हम तो अपनी ओर से कोई आरोप नहीं लगा रहे खुद कांग्रेस के लोग ही खुद पर आरोप लगा रहे हैं। देश में आज महंगाई दर 05 प्रतिशत से नीचे आकर 4.8 प्रतिशत हो गई है। यदि हम राज्यवार महंगाई की बात करें तो राजस्थान में सबसे ज्यादा महंगाई दर जुलाई में 9.6 प्रतिशत थी। पिछले दिनों जयपुर में कांग्रेस ने महंगाई को लेकर एक रैली की, लेकिन उस रैली में राहुल गांधी ने महंगाई को छोड़कर हिंदुत्व के खिलाफ अपना भाषण दिया। इसका कारण यह है कि इन्हे महंगाई बेरोजगारी से कोई परेशानी नहीं है इन्हे केवल हिंदू और हिंदुत्व से परेशानी है। ये लोग कहते थे कि भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था चौपट कर देगी, जबकि इस बार ऑटोमोबाईल सेक्टर, सोना और चौपहिया वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत से 24 प्रतिशत बड़ी है। त्रिवेदी ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के समय जब उनकी पूर्ण बहुमत वाली सरकारें हुआ करती थी देश की ग्रोथ रेट 2 प्रतिशत से आगे नहीं बड़ी उस समय लोग मजाक उड़ाते थे कि ये हिंदू ग्रोथ रेट है, और उस समय महंगाई दर 15 प्रतिशत से ऊपर तक रही थी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और शैलेन्द्र सिंह गुर्जर मौजूद रहे।

जबीएसएफ ने फिरोजपुर में पकड़ा पाकिस्तानी ड्रोन

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त अभियान के दौरान फिरोजपुर सेक्टर से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार फिरोजपुर बॉर्डर रेंज के अंतर्गत पड़ते गांव टिंडीवाला के पास 13 नवंबर की रात बीएसएफ ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में आ रहे एक संदिग्ध ड्रोन को देखा, जिसे त्वरित कार्रवाई करके गिरा दिया। इस घटना के बाद बीएसएफ जवानों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। रात में ही तलाशी के दौरान एक खेत से एक छोटा ड्रोन बरामद किया। बरामद ड्रोन एक क्वार्डकॉप्टर डीजेआई माविक 3 क्लासिक चीन निर्मित है। पाकिस्तान की ओर से तस्करों ने इसका प्रयोग भारतीय सीमा में नशा व हथियारों तस्करी के लिए किया जा रहा है।

पंजाब में दीपावली के पटाखों की आड़ में किसानों ने जमकर जलाई पराली

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में दीपावली के मौके पर लोगों ने जमकर पटाखे चलाए, लेकिन किसानों ने दीपावली का फायदा उठाकर खेतों में जमकर पराली जलाई। पंजाब में दीपावली तथा उससे अगले दिन 48 घंटों के भीतर पराली जलाने के 2611 मामले सामने आए हैं। सोमवार शाम को पंजाब में 1,624 मामले सामने आए। पिछले दो दिनों में राज्य भर से खेतों में आग लगने की कुल 2611 घटनाएं सामने आई हैं। इसमें धान के अवशेष जलाने की 987 घटनाएं दिवाली के दिन की शामिल हैं। हालांकि, पंजाब में नौ नवंबर से लेकर 11 नवंबर के बीच पराली जलाने की घटनाओं में कमी देखी गई थी। नौ नवंबर को राज्य भर से खेतों में आग लगने की 639 घटनाएं सामने आईं। इसी तरह 10 नवंबर को पराली जलाने के महज छह मामले और 11 नवंबर को 104 मामले सामने

आए थे। बठिंडा में सबसे अधिक 272 खेतों में आग लगने की घटनाएं रिपोर्ट हुईं, जबकि दूसरे नंबर पर संगरूर है, जहां 216 केस सामने आए हैं। इसी तरह मुक्तसर में 191, फाजिका में 171, मोगा में 164, बरनाला में 132, फरीदकोट में 129, मनसा में 110, फिरोजपुर में 98, पटियाला में 41, लुधियाना में 36, मलेरकोटला में 25, अमृतसर में 12, फतेहगढ़ साहिब में 9, होशियारपुर और तरनतारन में दो-दो मामले सामने आए हैं। राज्य में एक अक्तूबर से 13 नवंबर तक खेत में आग लगने के कुल 26 हजार 341 मामले सामने आ गए हैं, जिनमें 22 हजार 555 मामले 29 अक्तूबर से 13 नवंबर के बीच महज 16 दिनों में सामने आए। यह इस सीजन की घटनाओं का तकरीबन 85 प्रतिशत है। पंजाब पुलिस महानिदेशक के अनुसार दो दिन के भीतर 245 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पराली जलाने पर निगरानी रखने के लिए बनी पुलिस व जिला स्तरीय टीमों और फ्लाइंग स्क्वाड की 638 टीमों ने 3836 व्यक्तियों पर कुल 88.23 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

एक्यूआई में नहीं हो रहा सुधार, वातावरण में फैला है प्रदूषण

फतेहाबाद (हिंस)। दीवाली व उसके अगले दिन पराली जलाने की घटनाओं में हुई वृद्धि के बाद से फतेहाबाद में हवा की गुणवत्ता बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। मंगलवार को भी फतेहाबाद का एक्यूआई 300 के आसपास दर्ज हुआ। दिनभर आसमान में धुंआ-सा छाया रहा। एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेशों के बाद अब अधिकारियों की नींद खुली है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने आज अनेक गांवों का दौरा किया। धान की पराली में आगजनी की बढ़ती घटनाओं व वातावरण को प्रदूषण से रोकने हेतु मंगलवार को कृषि विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने खेतों का दौरा किया तथा किसानों को धान की पराली न जलाने की अपील भी की गई।

चैलेंज है कि चुनावी मैदान में हमारे काम पर चर्चा करें, सीधे पत्थर मारने वाली बातें नहीं : गहलोत

कोटा (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा दुश्मनी वाली राजनीति करने लगी है। ये लोग धर्म के नाम पर लोगों को भड़काने लगे हैं। भाजपाई सीधे पत्थर मारने वाली बातें करते हैं। मैं चैलेंज देता हूं उनको, चुनावी मैदान में आए हो, तो हमारी जो उपलब्धियां, स्कीमें, महंगाई राहत शिविर में गारंटी के बारे में चर्चा करो। वहीं उन्होंने सरकार रिपीट के सवाल पर केरल का किस्सा सुनाया। मुख्यमंत्री गहलोत मंगलवार को कोटा दौरे पर रहे। सीएम गहलोत प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ हेलीकॉप्टर से कोटा एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने यहां मीडिया से बात की। गहलोत एयरपोर्ट से सीधे घटोत्कच चौराहे पर पहुंचे। यहां उन्होंने कोटा दक्षिण प्रत्याशी राखी गौतम के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसके साथ ही गारंटी यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद गहलोत गारंटी यात्रा की बस में बैठकर केशवपुरा चौराहे पर पहुंचे। इसके बाद कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी शांति धारीवाल के समर्थन में रोड शो और सभा का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में प्रेम, मोहब्बत, भाईचारा भी कोई चीज होती है। मोदी, अमित शाह या उनके जो नेता आते हैं, अभी योगी आएंगे। ये सीधे पत्थर मारने वाली बातें करते हैं। ये सब देश और राजस्थान के हित में उचित नहीं है, हम चाहते हैं शांति, प्यार मोहब्बत से अपनी बात करो। दम हो तो हमारी उपलब्धियां की आलोचना करो। मैं चैलेंज देता हूं उनको, चुनावी मैदान में आए हो, तो हमारी जो उपलब्धियां, स्कीमें, महंगाई राहत शिविर में गारंटी इसके बारे में चर्चा करो। वो चर्चा नहीं करेंगे क्योंकि उनके पास कुछ बोलने को है ही नहीं। हमारे पास कहने को बहुत कुछ है। हमें उम्मीद है कि जनता इस बार हमें रिपीट करेगी। गहलोत ने कहा कि केरल में 70 साल से सरकार बदल रही है। इस बार वहां के चुनाव में गया तो वहां कहा गया इस बार सीपीएम को रिपीट करेंगे। मैंने पूछा क्यों करोगे ? इस बार तो नंबर कांग्रेस का है तो बताया गया कि सीपीएम ने कोरोना में अच्छा काम किया।

प्रदेश में पहली बार पात्र मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान निर्वाचन विभाग समावेशी एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है। मंगलवार से पूरे प्रदेश में होम वोटिंग के पहले चरण की शुरुआत हो रही है। होम वोटिंग के लिए सबसे ज्यादा 1401 बायतु विधानसभा क्षेत्र से, 855 वल्लभनगर, 819 डूंगरपुर, 652 मालवीय नगर, 666 सिविल लाइंस एवं 553 वोटर होम वोटिंग के लिए शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र से है। वही प्रदेश में सबसे कम करौली विधानसभा क्षेत्र से 15 वोटर, इसके बाद पीपल्दा से 65, हिंडोली से 81 और तिजारा से 109 वोटर है जिन्होंने होम वोटिंग के लिए अप्लाई किया है। पात्र 62927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर इस सुविधा के लिए आवेदन किया है। प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव में पहली बार दी जा रही इस सुविधा के लिए आखिरी तारीख 4 नवंबर थी। होम वोटिंग की सुविधा ऐसे मतदाताओं को मिलती है जो 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों हों या एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन हो । मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि समावेशी चुनाव की दिशा में आयोग ने यह नवाचार किया है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर होम वोटिंग की सुविधा के लिए योग्य मतदाताओं को इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध करवायी। गुप्ता ने बताया कि यह सुविधा विकल्प के रूप में है।

राजस्थान विस चुनाव : भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज फंसे हैं चुनावी भंवर में, 25 को होगा किस्मत का फैसला

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में 25 नवंबर को मतदान के बाद राजस्थान विधानसभा की अगले 5 साल की सूरत तय हो जाएगी। इस बीच जीत-हार के खेल में प्रदेश की राजनीति के नामी चेहरे भी अपनी किस्मत को कसौटी पर जनता के जरिए परखेंगे। दिग्गज राजनेताओं के लिए चुनावी बाजी इस मर्तबा इतनी आसान भी नहीं होगी। बड़े नामों में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही तरफ से करीब एक दर्जन नेता शामिल हैं, जिनके सामने मुकाबला कांटे का होगा। राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर और हॉट सीट के लिए सत्ता पक्ष के कई बड़े नाम चर्चा में हैं। इनमें सबसे ऊपर पूर्व मंत्री और पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी का नाम है। मारवाड़ में बाड़मेर जिले की बायतु सीट से चौधरी कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मतदान से करीब एक सप्ताह पहले उनके क्षेत्र में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। हरीश चौधरी के लिए इस बार मुकाबला आसान नहीं होगा। उनके सामने हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी से भी प्रत्याशी है, तो भाजपा का चेहरा भी खास मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पिछली मर्तबा वसुंधरा राजे के सामने चुनाव लड़ने वाले मानवेंद्र सिंह अपने पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह की राजनीतिक विरासत को सहेजने के लिहाज से बाड़मेर के शिव से मुकाबले में उतरे हैं। उनकी सीट भी त्रिकोणीय मुकाबले का सामना कर रही है, जहां भाजपा से बागी युवा नेता रविंद्र सिंह उन्हें कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। सरकार के मंत्री रहे रमेश मीणा सपोटरा से, शकुंतला रावत बानसूर से, कोटपूतली से राजेंद्र यादव और लालसोट से परसादी लाल मीणा भी चुनावी भंवर में खुद को फंसा हुआ देख रहे हैं। प्रचार अभियान के दौरान इन नेताओं के लिए भी जमीनी फीडबैक बेहतर नहीं कहा जा सकता है, जबकि बीकानेर पश्चिम से बीडी कल्ला का मुकाबला और हिंदुत्व फेस जेठानंद व्यास से होगा। भारतीय जनता पार्टी की ओर से भी कई बड़े नाम इस चुनाव में चुनौती से घिरे हुए हैं। इनमें सबसे ऊपर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का नाम आता है, जो इस बार अपनी सीट चूरू को छोड़कर तारानगर से भाग्य आजमा रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस से नरेंद्र बुडानिया होंगे, जिनके समर्थन में राहुल गांधी जल्द ही जनसभा को संबोधित करेंगे। पूरे राजस्थान की निगाह इस सीट पर है। इसके अलावा राज्यसभा सांसद और पूर्वी राजस्थान के दिग्गज आदिवासी नेता किरोड़ी लाल मीणा की सीट भी राजनीतिक पंडितों की निगाह में है। मीणा इस बार सवाई माधोपुर से प्रत्याशी हैं, जहां उनके सामने पार्टी की बाकी आशा मीणा और मौजूदा विधायक दानिश अबरार चुनौती पेश कर रहे हैं। उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां एक बार फिर आमेर से प्रत्याशी हैं, जहां वे एक जीत और एक हार के बाद तीसरी बार चुनावी समर में कमल के निशान पर प्रत्याशी हैं, तो कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा में आई ज्योति मिर्धा का मुकाबला नागौर में अपने ही रिश्ते में चाचा से हो रहा है। इस सीट पर कांग्रेस के बागी हबीबुर्रहमान भी मुकाबला की राह को आसान नहीं होने देंगे, जबकि अलवर के तिजारा में महंत बालक नाथ को बसपा से कांग्रेस में आए इमरान की कड़ी चुनौती मिलेगी।

थोड़ी सी सावधानी बचा सकती है डायबिटीज के खतरों से : सीएमओ डॉ. गोपाल

जींद (हिंस)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार को सीएमओ डॉ. गोपाल गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं तथा नागरिक अस्पताल में विश्व मधुमेह दिवस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्क्रीनिंग कैंप का भी आयोजन किया गया। सीएमओ ने कहा कि मधुमेह (डायबिटीज) के बारे में आमजन को जानकारी होना बेहद जरूरी है। यदि किसी को डायबिटीज की समस्या हो जाती है तो इसे पूरी तरह से ठीक कर पाना असंभव है, लेकिन यदि थोड़ी सावधानी बरती जाए तो इससे होने वाले खतरों से बचाव किया जा सकता है। डायबिटीज कई बार प्राकृतिक या आनुवांशिक कारणों से होती है। विश्व मधुमेह दिवस पर आमजन को जागरूक करते हुए डिप्टी सीएमओ (एनसीडी) डॉ. रमेश पांचाल ने बताया कि डायबिटीज का असर किडनी पर कुछ साल बाद ही शुरू हो जाता है। ऐसे में इसे रोकने के लिए ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को नॉर्मल रखना चाहिए। नियमित शुगर स्तर के जांच करवाते रहना चाहिए।

अब पुलिस के गले की फांस बनी पराली खेतों में पहुंची पुलिस टीम को किसानों ने बैरंग लौटाया

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद जिले में पराली जलाने की घटनाएं लगातार जारी है। किसानों पर तमाम सख्ती का कोई असर नजर नहीं आ रहा है। पराली जलाने का मुद्दा अब पुलिस के गले की भी फांस बन गया है। पहले सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और फिर डीजीपी हरियाणा द्वारा पराली जलने पर संबंधित एसएचओ की जिम्मेदारी तय किए जाने के बाद पुलिस की टीमें भी अब खेतों में निगरानी करने लगी हैं। मंगलवार को पराली जलने की सूचना पर रतिया

एसएचओ द्वारा एक खेत में दबिश दी गई। शहर पुलिस रतिया को सूचना मिली थी कि गांव कमाना के एक खेत में किसान ने पराली को आग लगा रखी है। इसके बाद सिटी एसएचओ जय सिंह अपनी टीम को साथ लेकर मौके पर पहुंच गए थे। टीम द्वारा मौके पर जल रही पराली की आग को बुझाने की कार्रवाई शुरू की गई और पूरे मामले की वीडियोग्राफी की जाने लगी। इस पर सूचना पाकर किसान जत्थेबंदियों से जुड़े किसान काफी संख्या में मौके पर पहुंच गए और पुलिस की कार्रवाई पर ऐतराज शुरू कर दिया। किसानों ने कहा कि यदि पुलिस इस तरह की कार्रवाई करेगी तो कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दीपावली के पटाखों, वाहनों या कारखानों से हो रहे प्रदूषण पर कोई रोक नहीं और किसान को पराली समस्या का बिना कोई हल निकाले परेशान किया जा रहा है। किसानों को या तो हल दें या किसान सारी पराली इकट्ठे करके एसडीएम व डीसी कार्यालय जाएंगे। इस पर एसएचओ ने उन्हें डीजीपी के सख्त निर्देशों का हवाला दिया। किसानों ने पुलिस को आगे कार्रवाई नहीं करने दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके से चली गई।

एनआईए ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों की आठ संपत्तियां की कुर्क

पुलवामा (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकियों की आठ संपत्तियां कुर्क की हैं। एजेंसी के मुताबिक जम्मू में एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत कुल आठ अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। इनमें लश्कर आतंकी पुलवामा निवासी गुलाम मोहि-उद-दीन वानी के बेटे मोहम्मद शफी वानी और अब्दुल अहद खान के बेटे मोहम्मद टीका खान हैं। एनआईए के मुताबिक मोहम्मद शफी वानी और मोहम्मद टीका खान पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो जवानों की हत्या और पुलिस पार्टी पर गोलीबारी करके पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नवीद जट को जबरन छुड़ाने से संबंधित मामले हैं। पाकिस्तान में स्थित लश्कर कमांडर के निर्देश पर दोनों आतंकियों ने एक-दूसरे की मदद से साजिश रची और एसएमएचएस अस्पताल श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर पुलिस पार्टी पर गोलीबारी करके मोहम्मद नवीद जट्ट उर्फ अबू हंजुल्ला को पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया था। हमले के समय पुलिस पार्टी नवीद जट्ट को मेडिकल जांच के लिए ले गई थी।

कांग्रेस का भाजपा प्रत्याशी सिद्धि कुमारी पर तथ्य छुपाने का आरोप

बीकानेर (हिंस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और बीकानेर संभाग प्रभारी रितु चौधरी ने मंगलवार को मुख्य चुनाव अधिकारी बीकानेर किरण डी, एवम निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद से वार्ता कर बीकानेर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी सिद्धि कुमारी के खिलाफ एक वाद पेश किया। संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि राष्ट्रीय प्रवक्ता ऋतु चौधरी ने कहा कि भाजपा के लोग वैसे भी झूठ बोलने में माहिर होते है, यहां तो एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन ही झूठ के साथ पेश किया है जो की आदर्श आचार संहिता का

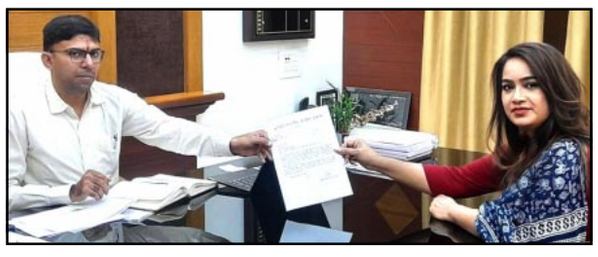

खुलम खुल्ला उलघन है। चौधरी ने कहा इनकी जांच करवाते हुए जो विवरण छिपाए गए है जिन मुकदमों का हवाला नही दिया गया है उन पर संज्ञान लेते हुए भाजपा प्रत्याशी सिद्धि कुमारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जावे और इनकी अधिकृत उम्मीदवारी खारिज की जाए। रितु चौधरी के साथ संगठन महासचिव नितिन वत्सस, महासचिव डॉ. पीके सरीन, महासचिव राहुल जादूसंगत थे।

दुष्यंत चौटाला ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा पूजन, भाई दूज की दी शुभकामनाएं

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा पूजन और भाई दूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी और कहा कि यह पर्व सभी के लिए सुख, समृद्धि एवं संपन्नता लेकर आए। उपमुख्यमंत्री ने गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा पूजन और भाई दूज की भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा पूजन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा देवताओं के वास्तुकार माने गए हैं। इन्हें यांत्रिक विज्ञान तथा वास्तुकला का जनक कहा जाता है। मजदूर, मिस्त्री, कारीगर, शिल्पकार वर्ग गोवर्धन पूजा के दिन मशीनों औजारों

आदि की साफ सफाई करते हैं, पूजा करते हैं और श्रद्धापूर्वक भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया जाता है। अपने आवास पर आमजन से मुलाकात के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राजस्थान चुनावों में हरियाणा की जननायक जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं की टीम 15 नवंबर से राजस्थान विधानसभा चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंकेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले 5 दिनों तक वे स्वयं पार्टी प्रत्याशियों के लिए राजस्थान में चुनाव प्रचार करेंगे। विपक्षी दलों द्वारा जेजेपी के राजस्थान में चुनाव लड़ने को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौ. देवीलाल ने हरियाणा ओर राजस्थान में कभी भी भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि स्वयं चौधरी देवीलाल सीकर से लोकसभा का चुनाव से लड़ चुके है ओर डॉ. अजय सिंह चौटाला भी दो बार राजस्थान विधानसभा का चुनाव लड़ चुके है। उन्होंने कहा कि जो लोग यह कह रहे है कि दुष्यंत चौटाला हरियाणा छोड़ राजस्थान चले गए, वो लोग खुद दूसरे राज्यों में चुनाव लड़ने से डरते है उन्होंने कहा कि राजस्थान में जेजेपी मजबूती से चुनाव लड़ रही है और इस बार राजस्थान की सियासत में क्षेत्रीय दलों की अहम भूमिका होगी। डिप्टी सीएम ने दावा किया कि राजस्थान विधानसभा का ताला जेजेपी की चाबी से ही खुलेगा। मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा में बीजेपी-जेजेपी सरकार के गठबंधन के चार साल हरियाणा में प्रगति लेकर आए है और आज हरियाणा दूसरे राज्यों की तुलना में अग्रणी राज्य बन चुका है।

सैन फ्रांसिस्को में अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि से मिले पीयूष गोयल, इन अहम मुद्दों पर हुई बात

वॉशिंगटन ।
भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। सोमवार को पीयूष गोयल ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताइ से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात इंडो पैसिफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क से इतर हुई। दोनों नेताओं की यह मुलाकात 30 मिनट चली और इस दौरान व्यापार के मुद्दे पर बात हुई।

क्या है आईपीईएफ - बता दें कि पीयूष गोयल इंडो पैसिफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रोसपेरिटी की बैठक में शामिल होने अमेरिका गए हुए हैं। आईपीईएफ का गठन अमेरिका ने साल 2022 में किया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। आईपीईएफ का गठन सदस्य देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, विकास को गति देने और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के उद्देश्य से हुआ था। आईपीईएफ में व्यापार, सप्लाई चेन, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था पर फोकस किया जाता है।

अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात करेंगे पीयूष गोयल - गोयल 13 से 16 नवंबर तक अमेरिका दौरे पर रहेंगे। सोमवार को वह सैन फ्रांसिस्को पहुंचे, जहां वह एशिया पैसिफिक इकॉनोमिक कॉपरेशन की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। पीयूष गोयल सैन फ्रांसिस्को में अमेरिका की कॉमर्स सेक्रेटरी (वाणिज्य मंत्री) जीना रेमंडो से भी मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की बैठक में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार बाधाओं को पहचानने, उन्हें दूर करने, निवेश बढ़ाने और तकनीक और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात होगी। दोनों नेताओं की बैठक में स्टार्टअप सिस्टम को बढ़ावा देने और इमर्जिंग तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी बात होगी। पीयूष गोयल अपने अमेरिका दौरे में विभिन्न कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

नहीं रहे पीआरएस ओबेरॉय, 94 साल की उम्र में निधन; होटल व्यवसाय को नई दिशा देने में थी अहम भूमिका

नई दिल्ली । ओबेरॉय समूह के मानद चेयरमैन पृथ्वीराज सिंह ओबेरॉय (पीआरएस ओबेरॉय) का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे 94 साल के थे। पीआरएस ओबेरॉय ने भारत में होटल व्यवसाय को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें इस व्यवसाय चेहरा बदलने के लिए जाना जाता था। पीआरएस ओबेरॉय ने 2022 में ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स लिमिटेड के चेयरमैन पद छोड़ दिया था। उन्हें 2008 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमें अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि ओबेरॉय समूह के चेयरमैन पी. आर. एस ओबेरॉय का आज सुबह निधन हो गया। आतिथ्य उद्योग में एक महान हस्ती ओबेरॉय की विरासत किसी सीमा तक सीमित नहीं है। इसने वैश्विक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। बयान में कहा गया कि एक प्रतिभावन शख्स को खोने का शोक मनाते हुए उनकी विरासत को याद रखेंगे। श्रद्धांजलि सभा से जुड़ी जानकारी जल्द साझा की जाएगी। अंतिम संस्कार मंगलवार को शाम चार बजे कापसहेड़ा में भगवंती ओबेरॉय चैरिटेबल ट्रस्ट (ओबेरॉय फार्म) में किया जाएगा। बिकी के नाम से मशहूर पीआरएस ओबेरॉय का जन्म 1929 में दिल्ली में हुआ था। 'द ओबेरॉय ग्रुप' के संस्थापक दिवंगत राय बहादुर एमएस ओबेरॉय के बेटे पीआरएस ओबेरॉय लंबे समय तक ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष रहे और उसके विकास की राह पर आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ओबेरॉय को पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्म विभूषण दे नवाजा गया था। इसके अलावा भी उन्हें कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। असाधारण नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए उन्हें इंटरनेशनल लक्जरी ट्रैवल मार्केट (आईएलटीएम) में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला था। ओबेरॉय को होटल्स (मैगजीन) यूएसए द्वारा कॉर्पोरेट होटलियर ऑफ द वर्ल्ड पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। बर्लिन में छठे इंटरनेशनल होटल्स इन्वेस्टमेंट फोरम ने उन्हें प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया था।

निवेश करते वक्त समस्याओं पर भी दें ध्यान, इन शेयरों पर लगाएंगे पैसे तो मिल सकते है अच्छे रिटर्न

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेश कभी भी डर या लालच से नहीं करना चाहिए। बाजार कभी सीधी रेखा में नहीं रहता है। उतार-चढ़ाव इसका व्यवहार है और इस व्यवहार से निवेशकों को सीख लेनी चाहिए। आम चुनाव तक दस फीसदी से ज्यादा के रिटर्न का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट- आंकड़े बताते हैं कि आम चुनाव से छह महीने पहले अगर किसी ने शेयर बाजार में निवेश किया है तो चुनाव तक उसे दस फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिला है। आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर, 1998 से मई 1999 के बीच शेयर बाजार ने 36 फीसदी का रिटर्न दिया है। जबकि नवंबर, 2008 से मई, 2009 के बीच 31 फीसदी का रिटर्न मिला है। मोदी सरकार 2014 में जब सत्ता में आई, उससे पहले नवंबर, 2013 में जिसने निवेश किया, उसे मई, 2014 तक 19 फीसदी का बेहतरीन रिटर्न मिला था। इस सरकार के दोबारा सत्ता में आने पर भी दो अंकों से ज्यादा का फायदा मिला। नवंबर, 2018 में किए गए निवेश पर मई, 2019 तक 11 फीसदी का फायदा मिला था। निवेश कभी भी आंख बंद कर नहीं करना चाहिए। बाजार सेंटीमेंट पर चलता है। इस समय जो सेंटीमेंट हैं, वह बहुत ही अलग हैं। यह भी हो सकता है कि इन समस्याओं का असर न पड़े, पर निवेश के लिए इसे ध्यान में रखना चाहिए। इस समय जो निवेश के लिए चिंता का विषय हैं, उसमें प्रमुख रूप से कई देशों के बीच तनाव और युद्ध है। केंद्रीय बैंकों खासकर आरबीआई की नीतिगत दरें, महंगाई और ब्याज की ऊंची दरें, तेल की उच्च कीमतें शेयर बाजार को प्रभावित कर सकती हैं। देवेन चौकसी रिसर्च ने इस बार निवेशकों के लिए छह शेयरों की सूची जारी की है। इनमें दो शेयर ऑटो क्षेत्र के, दो बैंकिंग के और दो फार्मा के हैं। इनमें एक्सिस बैंक 1,160 रुपये का लक्ष्य (17.5 प्रतिशत रिटर्न), एसबीआई का लक्ष्य 750 रुपये (29.5 प्रतिशत), मारुति सुजुकी का लक्ष्य 12,385 रुपये (20 प्रतिशत), बजाज ऑटो 5,830 रुपये (8.5 प्रतिशत रिटर्न) तक जा सकता है। फार्मा में सिप्ला 1,405 रुपये का लक्ष्य (16 प्रतिशत) है, जबकि ग्लेनमार्क 905 रुपये (21 प्रतिशत रिटर्न) तक जा सकता है।

अक्टूबर में थोक महंगाई घटकर -0.52 प्रतिशत पर आई

लगातार 7वें महीने शून्य से नीचे रही महंगाई, खाने-पीने के सामान सस्ते हुए

नई दिल्ली।
खाने-पीने के सामानों में गिरावट के बीच अक्टूबर महीने में भारत की थोक महंगाई दर घटकर -0.52 प्रतिशत पर आ गई है। यह लगातार सातवां महीना है जब थोक महंगाई शून्य से नीचे रही है। इससे पहले सितंबर में थोक महंगाई -0.26 प्रतिशत थी। वहीं अगस्त में यह -0.52 प्रतिशत थी। पिछले साल अक्टूबर में यह 8.39 प्रतिशत थी। सरकार हर महीने होलसेल प्राइस इंडेक्स के आंकड़े जारी करती है। इससे पहले सोमवार यानी 13 अक्टूबर को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। रिटेल महंगाई भी 5 महीने के निचले स्तर 4.87 प्रतिशत पर रही थी।

अक्टूबर में खाद्य महंगाई दर घटी

अक्टूबर में खाद्य महंगाई दर सितंबर के मुकाबले 1.54 प्रतिशत से घटकर 1.07 प्रतिशत रही है। रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 3.70 प्रतिशत से घटकर 1.82 प्रतिशत रही है। ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर -3.55 प्रतिशत से बढ़कर -2.47 प्रतिशत रही है। मेन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर -1.34 प्रतिशत से बढ़कर -1.13 प्रतिशत रही है।

आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

निगेटिव मंहगाई से भी प्रभावित होती है इकोनॉमी

महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं।

महंगाई कैसे मापी जाती है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है।

महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75 प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02 प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23 प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86 प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07 प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

भारत में डब्लूपीआई तो अमेरिका में पीपीआई से मापते हैं महंगाई

डब्लूपीआई का इस्तेमाल भारत में महंगाई को मापने के लिए किया जाता है। डब्लूपीआई में बदलाव से फिस्कल और मॉनेटरी पॉलिसी चेंज बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। वहीं अमेरिका में प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का इस्तेमाल महंगाई को मापने के लिए किया जाता है।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्वास्थ्य बीमा जरूरी, फैमिली फ्लोटर प्लान हो सकता है बेहतर विकल्प

नई दिल्ली ।
नवंबर को बाल दिवस मनाने के साथ एक माता-पिता के रूप में हमें अपने बच्चों की सुरक्षा की सबसे ज्यादा चिंता भी रहती है। हालांकि, सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद हम हर समय उनकी सुरक्षा नहीं कर पाते हैं। वे जब घायल हो जाते हैं या किसी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं तो उन्हें तत्काल इलाज की जरूरत पड़ती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि उन्हें बेहतर इलाज मिले। यह तभी संभव हो, जब स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में बच्चों का कवरेज शामिल हो। इसके लिए फैमिली फ्लोटर प्लान बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसमें आप पत्नी के साथ बच्चों को भी शामिल कर सकते हैं। लोगों का मानना है कि बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कम होती हैं। लेकिन, यह धारणा सही नहीं है। वास्तव में शुरुआती वर्षों में बच्चों में वयस्कों की तरह मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली नहीं होती है। वे जल्द संक्रमण या छोटी-मोटी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं, जो जल्द ही गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में बदल सकती है। ऐसे किसी भी संभावित नुकसान से उन्हें बचाना तभी संभव है, जब आपके पास बच्चों के लिए स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होगी। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने पर यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि जरूरत के समय इलाज खर्च की चिंता किए बिना बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके। पॉलिसी सर्जन की फीस, अस्पताल कमरे का किराया, इलाज खर्च व एंबुलेंस लागत जैसे खर्चों को कवर करती है। यह जेब पर बोझ डाले बिना आपात चिकित्सा स्थिति से निपटने में मदद करती है। फैमिली फ्लोटर पॉलिसी में बच्चों को 25 साल की उम्र तक शामिल किया जाता है। इसके बाद बच्चे को इस पॉलिसी से अलग कर दिया जाता है। इसके बाद उनके लिए अलग से पॉलिसी लेनी पड़ती है। ध्यान देने वाली बात है कि फैमिली फ्लोटर पॉलिसी में बीमाधारक की आयु काफी निर्भर करती है। उसी आधार पर प्रीमियम निर्धारित होता है। हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन, बजाज आलियाज जनरल इंश्योरेंस का कहना है कि बीमा सिर्फ वित्तीय सुरक्षा का ही मामला नहीं है बल्कि यह बच्चों को वित्तीय योजना बनाने के बारे में सिखाने का भी मौका है।

लोकपाल का बीमा कंपनियों को निर्देश, कहा- ग्राहकों को गलत तरीके से पॉलिसी बेचने पर लगाएं रोक

नई दिल्ली ।
दिल्ली क्षेत्र की बीमा लोकपाल सुनीता शर्मा ने सोमवार को कहा कि बीमा कंपनियां पॉलिसी की गलत तरीके से बिक्री पर रोक लगाएं। उन्होंने कहा, ग्राहक ही राजा हैं और उनके कारण ही बीमा कंपनियां अस्तित्व में हैं। कंपनियों को उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। भारतीय जीवन बीमा निगम की पूर्व प्रबंध निदेशक सुनीता शर्मा ने कहा, आमतौर पर ग्राहकों को बीमा पॉलिसी देखने एवं उस पर विचार के लिए जो छूट अवधि होती है, उस समय तक संबंधित कंपनियां उनसे जुड़ी रहती हैं और उसके बाद गायब हो जाती हैं। इस कारण ग्राहक उसके बाद गलत बिक्री का दावा नहीं कर सकते। पॉलिसीधारकों को अपने नियमों और शर्तों की समीक्षा करने व स्वीकार्य नहीं होने पर उन्हें वापस करने के लिए पॉलिसी प्राप्त होने की तारीख से कम-से-कम 15 दिन का समय मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ली गई पॉलिसी के मामले में अवधि 30 दिन है। लोकपाल ने कहा, यह पाया गया है कि पॉलिसी के नियम एवं शर्तों से जुड़ा दस्तावेज (सेल्फ कंटेन्ड नोट) बीमा कंपनियों की ओर से समय पर नहीं आता है। ऐसे में यह सलाह दी जाती है

कि इन्हें 10 दिन के निर्धारित समय के भीतर ग्राहकों को भेजा जाना चाहिए। टीपीए की भूमिका की समीक्षा की भी जरूरत है क्योंकि कई मामलों में बीमाकर्ता उनसे प्रभावित होते हैं। बीमा लोकपाल दिवस के मौके पर विभिन्न संबंधित पक्षों से बात करते हुए सुनीता शर्मा ने कहा, 2022-23 के दौरान सभी 17 बीमा लोकपाल कार्यालयों में प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या 55,946 थी। इनमें से बीमा लोकपाल के कार्यालयों ने 51,625 या 92.28 फीसदी का निपटान किया।

भारत में 2.55 करोड़ की इलेक्ट्रिक कार इलेक्ट्रे पेश, ब्रिटिश कंपनी लोटस ने बाजार में मारी धांसू एंट्री

नई दिल्ली ।
ब्रिटिश कार निर्माता लोटस ने भारत में अपनी शुरुआत 2.55 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रिक कार इलेक्ट्रे एसयूवी को उतार कर की है। लोटस ने भारतीय कार बाजार में आधारिक रूप से कारें बेचना शुरू कर दिया है। लोटस एलेट्रे देश में उपलब्ध सबसे पॉवरफुल और महंगी इलेक्ट्रिक एसयूवी बन गई है। कंपनी ने अपना पहला शोरूम दिल्ली में खोला है। ये ऑल इलेक्ट्रिक एसयूवी हाइपर एसयूवी तीन विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें एलेट्रे, एलेट्रे एस, और एलेट्रे आर मॉडल शामिल हैं। मॉडल को ब्रांड के आधिकारिक बिक्री भागीदार, एक्सक्लूसिव मोटर्स, नई दिल्ली के माध्यम से देश भर में बेचा जाएगा। लोटस एलेट्रे के एक्सटीरियर की बात करें तो, बाहर की तरफ इसका डिजाइन बहुत आक्रामक है। इसमें चौड़े फ्रंट प्रोफाइल पर चिकने और तीर के आकार के डीआरएल हैं। कार के सामने एक्टिव ग्रिल और चौड़े एयर डैम के साथ स्प्लिट हेडलैंप सेटअप दिया गया है। इसमें काले रंग की छत, चंकी

ब्लैक-आउट व्हील और 22-इंच 10-स्पोक अलॉय व्हील्स मिलते हैं। इसमें ग्राहक 20 और 23 इंच के अलॉय व्हील का विकल्प भी चुन सकते हैं। लोटस एलेट्रे को छह रंग विकल्पों में उपलब्ध किया गया है जिसमें नैट्रॉन रेड, गैलोवे ग्रीन, स्टेलर ब्लैक, कैमू ग्रे, ब्लॉसम ग्रे और सोलर येलो शामिल हैं। इंटीरियर में लोटस हाइपर ओएस के साथ 15.1 इंच के फोल्डेबल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। इसके अलावा चार-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 12-वे इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टिबल फ्रंट सीट और एक वायरलेस चार्जर भी मिलता है। इसके अलावा अडास सुइट, एयर प्यूरीफायर, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और 15-स्पीकर केईएफ-सोर्स्ड साउंड सिस्टम जैसी सुविधाएं भी ऑफर की गई हैं।

यह इलेक्ट्रिक एसयूवी चार और पांच-सीटर कॉन्फ़िगरेशन में आ सकती है। अधिक शक्तिशाली एलेट्रे आर को डुअल-मोटर सेटअप और दो-स्पीड ट्रांसमिशन यूनिट के साथ जोड़ा गया है, जो 900बीएचपी से अधिक के पावर आउटपुट और 985 एनएम टॉर्क के साथ 490 किमी की ड्राइविंग रेंज प्रदान कर सकता है। लोटस एलेट्रे में कंपनी ने 112केडब्ल्यूएच स्टैंडर्ड बैटरी पैक यूनिट का इस्तेमाल किया है। इलेक्ट्रे और इलेक्ट्रे एस एक डुअल मोटर सेटअप से लैस हैं जो 600बीएचपी और 710एनएम टॉर्क पैदा करते हुए फुल चार्ज पर 600 किमी की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद भी खुशहाली में कटेगा जीवन, करने होंगे ये उपाय

नई दिल्ली ।
अपनी संपत्तियों की सूची बनाएं...वित्तीय और अन्य संपत्तियों की सूची बनाएं ताकि यह जान सकें कि आपके पास क्या है। लॉकर में रखे सोने, घर के कीमती सामान, बैंक में जमा पैसे और अपने निवेश को सूचीबद्ध करना शुरुआती चरण है। अपने पास रखे सोने और आभूषणों का अनुमानित मूल्य पता करें। इससे यह जानकर खुशी महसूस कर सकते हैं कि आपके पास जो पैसे हैं, वे सेवानिवृत्ति के बाद आपके काम आएंगे।

बचत और निवेश की रणनीति बनाएं - यह अनुमान लगाना असंभव है कि सेवानिवृत्ति में आप कितने वर्षों तक जीवित रहेंगे। इसलिए, आपको अपनी जीवनशैली से समझौता किए बिना बचत व निवेश को काफी समय तक बनाए रखने की रणनीति की आवश्यकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि सबकुछ बैंक में रखना होगा। रणनीति का मतलब है, आपने जो पैसे बैंक में जमा कर रखें या कहीं निवेश किया है, वह महंगाई की

तुलना में अधिक दर से बढ़े। इसके अलावा, अपने मासिक और सालाना खर्चों का अनुमान लगाएं। इस तरह, आप जान सकते हैं कि पेंशन नहीं होने पर आपको एक निश्चित आय स्रोत बनाने के लिए कितनी राशि की जरूरत है।

कठोर फैसले लेने को तैयार रहें - सेवानिवृत्ति के बाद पैसे की तंगी से बचने के लिए अपने बड़े घर को बेचकर छोटे आवास में चले जाएं। बच्चों की अलग-अलग प्राथमिकताएं होती हैं, आपके लिए यह उम्मीद करना अनुचित है कि वे घर के साथ आपके भावनात्मक जुड़ाव को समझेंगे। सेवानिवृत्त होने के बाद भी आप बच्चों और पोते-पोतियों की मदद करना चाहेंगे, लेकिन यह तंभी संभव है, जब आपके पास पर्याप्त पैसा हो। अगर यह पैसा बच्चों को सौंप देते हैं तो आपका बहुत सारी रकम उनके पास फंस जाएगी, जिससे बचा जा सकता है।

तभी आएगी मुश्किल - यह मत सोचिए कि सेवानिवृत्ति के बाद आपको अपनी जीवनशैली से समझौता करने की जरूरत है। यह मुश्किल तभी आएगी, जब आपने बहुत कम बचत की हो। सेवानिवृत्ति की एक आदर्श योजना अच्छी तरह से बनाई जा सकती है। पर्याप्त बचत और निवेश के दम पर आप सेवानिवृत्ति के बाद भी खुशहाल जीवन जी सकते हैं। फैसला लेने से पहले अपनी सेवानिवृत्ति की तैयारियों पर गहन विचार करें। यह जीवन का बहुत भावनात्मक व चुनौतीपूर्ण चरण है, जो अच्छी तैयारी होने पर आनंददायक हो सकता है।

नॉमिनी जरूरी, वसीयत बनाएं - सेवानिवृत्ति का समय करीब आने पर अपनी संपत्ति से उन चीजों को अलग करें, जिन्हें आप दान करना चाहते हैं, बच्चों को देना चाहते हैं या अपने लिए रखना चाहते हैं। ध्यान रखें...बच्चों के लिए सब कुछ छोड़ने के दिन लद गए हैं। खासकर, जब बच्चे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हों। सुनिश्चित करें कि आपकी वित्तीय संपत्तियों (निवेश, बैंक और घर) में नॉमिनी का स्पष्ट उल्लेख हो। एक वसीयत बनाकर उसमें स्पष्ट रूप से यह तय करना अच्छा विचार है कि आप किसे क्या देना चाहते हैं। अगर लगता है कि आप इन चीजों का प्रबंधन और नियंत्रण कर सकते हैं तो जल्दबाजी में यह काम अपने आश्रितों को न सौंपें। वसीयत यह सुनिश्चित करने के लिए एक बैकअप प्लान है कि आपकी इच्छाएं पूरी हों।

व्यावहारिक बनें - वैसी गलतियां करने से बचें, जो कई लोग करते हैं। भारतीयों के पास घर के रूप में अत्यधिक तरल संपत्ति होना आम बात है। पर ध्यान रखें...भले ही आपके घर की कीमत बहुत अधिक हो, लेकिन जब आप इसमें रहते हैं तो यह आपको कोई पैसा नहीं देता। इसका अर्थ है, अगर सेवानिवृत्ति के बाद आपके पैसे खत्म हो जाते हैं, तो घर होने के बावजूद आपको गरीबी का सामना करना पड़ेगा। इसलिए, व्यावहारिक बनें। कठिनाइयों से मिले प्रिय घर में भी सेवानिवृत्ति के बाद बिना पैसे के रहना आरामदायक नहीं होगा। बचत का मतलब सब कुछ बैंक में रखना नहीं है। यह जरूर देखें कि बचत पर रिटर्न महंगाई से अधिक हो यह उम्मीद करना अनुचित है कि बच्चे घर के साथ आपके भावनात्मक जुड़ाव को समझेंगे बड़े घर को बेचकर छोटे आवास में जाना अच्छा फैसला।

खर्च पर नियंत्रण जरूरी - सेवानिवृत्ति के शुरुआती वर्षों में बचत से जितना हो सके उतना कम निकालें। निवेश करना जारी रखते हैं तो तुरंत पैसे खत्म होने की चिंता न करें। सुनिश्चित करें कि खर्चों पर नियंत्रण रहे।

लता मंगेशकर पुरस्कार के लिए वाडकर का चयन

-महाराष्ट्र सरकर देगी यह पुरस्कार

मुंबई (ईएमएस)। पार्श्व गायक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुरेश ईश्वर वाडकर का चयन महाराष्ट्र सरकार ने 2023 के अपने प्रतिष्ठित गानसम्राज्ञी लता मंगेशकर पुरस्कार के लिए किया है। सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुंगंतीवार ने यहां घोषणा की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संगीत नाटक अकादमी (2018) के विजेता 68 वर्षीय वाडकर को बाद में एक समारोह में पुरस्कार के हिस्से के रूप में नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति और एक स्मृति चिह्न प्रदान किया जाएगा।

साल 1976 में एक गायन प्रतियोगिता जीतने से पहले मुंबई में एक संगीत शिक्षक के रूप में काम कर रहे थे। उन्हें 1977 में दिवंगत संगीत निर्देशक रवींद्र जैन के साथ पार्श्व गायन का पहला मौका मिला। उनके शुरूआती हिट नंबर थे सोना करे झिलमिल झिलमिल (फिल्म पहेली), सीने में जलन (गमन), जिसने लता मंगेशकर का ध्यान खींचा और उन्होंने उस समय के अन्य शीर्ष संगीतकारों से उनकी सिफारिश की। इन वर्षों में, वाडकर ने शीर्ष हिंदी और मराठी निर्देशकों के लिए क्रोधी, हम पांच, प्यासा सावन, प्रेम रोग, मेंहदी, प्रेम ग्रंथ, राम तेरी गंगा मैली, परिंदा, और सदमा सहित अन्य फिल्मों के लिए यादगार हिट गाने गाए।अगली पीढ़ी को संगीत सिखाने के अलावा, उन्होंने कई भारतीय भाषाओं और विभिन्न शैलियों में गाने गाए। मुंगंतीवार ने विभिन्न श्रेणियों में अन्य प्रमुख पुरस्कार विजेताओं की भी घोषणा की, जिनमें पंडित उल्हास कशालकर, पंडित शशिकांत एस. मुलये, सुहासिनी देशपांडे, अशोक समेल, नैना आप्टे-जोशी, पंडित मकरंद कुंडले और अन्य कलाकार शामिल हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर के एक साधारण परिवार से आने वाले, वाडकर अपने युवा दिनों में एक पहलवान थे।

हीमैन धर्मेंद्र ने सीएम योगी से मुलाकात

- योगी ने ओडीओपी की तस्वीर देकर किया सम्मान

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के मशहूर एक्टर एवं हीमैन धर्मेंद्र ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके उन्हें ओडीओपी की तस्वीर देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि धर्मेंद्र इन दिनों अपनी फिल्म इक्कीस की शूटिंग के लिए लखनऊ गए हुए हैं। वह अगले 10 दिन तक राजधानी में ही रहेंगे। सीएम योगी और धर्मेंद्र की मुलाकात की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें एक्टर मुख्यमंत्री के साथ पोज देते दिखाई दे रहे हैं। एक दूसरी फोटो में सीएम योगी धर्मेंद्र को ओडीओपी की फोटो देते दिखाई दे रहे हैं। 87 साल की उम्र में भी धर्मेंद्र फिल्मों में एक्टिंग कर रहे हैं। हाल ही में वे करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी नजर आए थे। इसमें उन्होंने शबाना आजमी के साथ लिपलॉक किया था जिसकी वजह से वे सुर्खियों का हिस्सा बन गए थे। धर्मेंद्र की फिल्म इक्कीस की बात करें तो यह परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की जिंदगी से इंस्पायरड है। फिल्म को श्रीराम राघवन निर्देशित कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। अगस्त्य अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन नंदा और निखिल नंदा के बेटे हैं। अगस्त्य का संबंध कपूर परिवार से भी है। इनकी दादी राजकपूर की बेटी है। ऐसे में बच्चन और कपूर परिवार की एक और पीढ़ी फिल्मों में नजर आने वाली है। बताया जा रहा है कि अगस्त्य ने इस फिल्म के लिए वरुण धवन को रिप्लेस किया है। बता दें कि धर्मेंद्र लगभग 60 साल से फिल्मों में काम कर रहे हैं. इस दौरान उन्होंने करीब 200 फिल्मों में काम किया, लेकिन यह पहली बार है जब वे लखनऊ में शूटिंग करेंगे।

एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है टाइगर -3

-पांच साल बाद सलमान को देखना किसी ट्रीट से कम नहीं

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपर स्टार सलमान खान टाइगर 3 में टाइगर के रूप में वापस आ गए हैं। करीब पांच साल बाद उन्हें फिर से देखना किसी ट्रीट से कम नहीं है। टाइगर 3 एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। टाइगर के रूप में सलमान खान की एक अलग ही आभा है। वह अपराजेय है। मौज-मस्ती करने वाला, प्रखर, स्वैग से भरपूर, साहसी, जब बात अपने परिवार की आती है तो वह सब कुछ है। लेकिन कुल मिलाकर टाइगर 3 एक अद्भुत कहानी, अद्भुत एक्शन सीक्वेंस, मनमोहक वीएफएक्स, आश्चर्यजनक कैमियो और प्रतिष्ठित बीजीएम के साथ एक अनूठी फिल्म है। यदि हम कथानक पर नजर डालें तो इसकी कहानी एकदम अलग है। हम कह सकते हैं कि एक दर्शक के तौर पर हमने ऐसी कहानी पहले नहीं देखी। यह दिलचस्प है और आपको पूरे समय व्यस्त रखेगा।एक्शन दृश्यों की बात करें तो वे वाकई अद्भुत हैं। वे कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें केवल हॉलीवुड फिल्मों में देखने को मिलती हैं - वही लेवल टाइगर 3 में देखने को मिलता है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में 12 एक्स्ट्रा एक्शन सीक्वेंस हैं। इसके अलावा शानदार वीएफएक्स है।

ये वीएफएक्स कमाल के हैं। निमार्ताओं ने छोटी-छोटी बारीकियों पर फोकस किया है।टाइगर 3 आपको अपनी सीट से बांधे रखती है। टाइगर और जोया की केमिस्ट्री वापस आ गई है और वास्तव में बहुत सारी भावनाओं से भरी हुई है। अपने परिवार को बचाने के लिए इसे टाइगर का अंतिम मिशन मान सकते हैं, जो बहुत जोखिम भरा है। यह मन को झकझोर देने वाला है और इसमें कुछ अद्भुत डायलाग भी हैं। अंत में फिल्म को दिलचस्प बनाने वाली बात इसका वॉर 2 और कुछ अन्य यशराज फिल्म से जुड़ा रहस्य है। परिवार के साथ देखने वाली यह एक दिलचस्प फिल्म है। और आखिरी लेकिन महत्वपूर्ण बात, कैमियोः टाइगर 3 में हमने जो देखा है वह स्पाई यूनिवर्स का एक साथ आना है। शाहरुख खान को पठान के रूप में देखने से लेकर ऋतिक रोशन को कबीर के रूप में देखने तक, वे हमेशा सही वक़्त पर आते हैं।

ऋषिकेश से मुंबई लौटीं रवीना टंडन

अपनी बेटी राशा थडानी के साथ एक्ट्रेस रवीना टंडन बेहद खूबसूरत बॉन्ड शेयर करती मुंबई लौट आईं हैं। हाल ही में वह दोनों ऋषिकेश यात्रा पर पहुंची, जहां से अब वह लौट आई हैं। बता दें कि मां-बेटियों को अक्सर एक साथ घूमते देखा जाता है। हाल ही में दोनों को ऋषिकेश से लौटते हुए मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रवीना ब्लैक आउटफिट में काफी आकर्षक लग रही हैं, जबकि उनकी बेटी राशा पेस्टल कपल के आउटफिट में कैजुअल लेकिन काफी इम्प्रेसिव लग रही हैं। बता दें कि इस दौरान रवीना ने अपने हाथों में एक पौधा भी ले रखा था। एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं मां-बेटी मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। फैंस को दोनों का ये अंदाज बेहद पसंद आ रहा है।

बच्चों के बर्थडे पर प्रीति जिंटा ने बरसाया प्यार

अभिनेत्री प्रीति ने अपने जुड़वां बच्चों जिया और जय का दूसरा बर्थडे घर पर सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन की झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस को दिखाई। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जिया और जय के बर्थडे केक की तस्वीर शेयर की और लिखा-और इस तरह वे 2 साल के हो गए। जन्मदिन मुबारक हो जय और जिया। आशा है कि तुम बड़े होकर इस दुनिया को एक बेहतर जगह बनाओगे। तुम दोनों को बहुत प्यार। एक्ट्रेस के इस पोस्ट को फैंस और स्टार्स खूब लाइख कर रहे हैं और उनके बच्चों को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। बता दें, प्रीति जिंटा ने साल 2016 में बिजनेसमैन जीन गुडइनफ संग शादी रचाई थी। शादी के 5 साल बाद कपल ने 2021 में सेरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों जय और जिया का स्वागत किया। अब इन दिनों इंडस्ट्री से दूर प्रीति अपने पति और बच्चों के साथ हैप्पी लाइफ एन्जॉय कर रही हैं।

दिवाली पर परिवार, दोस्तों को मिस किया वाणी कपूर ने

परिवार से दूर लंदन में शूटिंग कर रही एक्ट्रेस वाणी कपूर माता-पिता और करीबी दोस्तों के साथ दिवाली मनाने वाले पलों को याद किया। वाणी ने कहा, मैं इस साल में लंदन में दिवाली मना रही हूं! हर साल मैं पूजा का हिस्सा बनकर, अपने लोगों के साथ दीये जलाकर और घर में बने स्वादिष्ट खाने का लुत्फ उठाकर अपने परिवार के साथ दिवाली सेलिब्रेट करती हूं। लेकिन शूटिंग के सिलसिले में घर से दूर रहने के कारण वाणी को इस बार अपनों के साथ दिवाली मनाने के पलों को याद कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, जब भी मैंने मुंबई में त्योहार मनाया है तो मेरे दोस्तों ने इसे हमेशा मेरे लिए खास बनाया है। हालांकि इस साल मैं घर के उत्सव के उत्साह से दूर हूं और मुझे पहले से ही अपने परिवार और दोस्तों की बहुत याद आ रही है।

राकेश मिश्रा का छठ गीत पहिला छठ रिलीज के साथ हुआ वायरल

लोक आस्था के महापर्व छठ को महज कुछ दिन बाकी है, लेकिन उससे पहले ही छठ पूजा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। इसी बीच भोजपुरी के स्टार राकेश मिश्रा का गाना पहिला छठ रिलीज हो गया है, जो अब वायरल भी हो रहा है। यह बेहद ही मधुर गीत है, जो छठ व्रतियों को खूब पसंद आने वाली है। इस छठ गीत में राकेश मिश्रा की सुरीली आवाज भक्ति के भाव को और भी पुख्ता करती नजर आ रही है। बिहार और यूपी में छठ पूजा को बड़े श्रद्धा भाव से मनाया जाता है, जिसमें भोजपुरी लोक संगीत की भी भूमिका अहम होती है। इसको देखते हुए राकेश मिश्रा ने अपना यह छठ गीत रिलीज कर दिया है, जो लोगों को बेहद भा रहा है। इस छठ गीत को लेकर कहा कि इसका थीम उन महिलाओं के लिए है, जो पहली बार छठ का व्रत कर रही है। छठ का व्रत बेहद पवित्र और स्वच्छता के साथ मनाया जाता है। 36 घंटे निर्जला उपवास वाले इस व्रत को हमने गाने में पिरोकर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया है। उम्मीद करता हूं कि यह सबों को बेहद पसंद आएगा। पहिला छठ गाने को अपनी आवाज दी है, लेकिन इसके गीतकार पवन पांडेय है, जो भोजपुरी में कई सुपरहिट गाने लिख चुके हैं। इस गाने के संगीतकार रोशन सिंह और निर्देशक आर्यन देव हैं। राकेश मिश्रा ने अपने फैंस से इस गाने पर ढेर सारे रील्स बनाकर शेयर करने का आग्रह किया है।

लोक गायक मनोज ने संगीतमय सुंदरकांड एवं भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध किया

प्रयागराज, (हि.स.)। नगर के प्रसिद्ध गायक मनोज गुप्ता ने मारवाड़ी अग्रवाल धर्मार्थ समिति की ओर से संचालित श्री हनुमान मंदिर चक माधोसिंह लेन में संगीतमय सुंदरकांड एवं त्रिपोलिया स्थित बालरूप श्री हनुमान मंदिर में अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मनोज गुप्ता ने मुख्य यजमान अजय केसरवानी के संयोजन में रविवार सायंकाल चक माधोसिंह लेन में संगीतमय सुंदरकांड एवं भजनों के तत्पश्चात त्रिपौलिया स्थित बालरूप हनुमान मंदिर में नीरज पाठक के नेतृत्व में तथा उत्तर मध्य क्षेत्र संस्कृतिक केंद्र के तत्वावधान में आयोजित भजन संध्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को भजनों की गंगा में गोते लगवाते रहे। उन्होंने अपने भजनों की शुरूआत गणेश वंदना से करते हुए 'हे दुख भंजन मारुति नंदन', 'मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे', 'तेरे प्रभु जानते हैं बात घट घट की' सहित तीन दर्जन भजनों से उपस्थित श्रद्धालु श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर करते रहे। भजनों में लक्ष्मी गुप्ता, वाद्य यंत्रों में सिंथेसाइजर पर अंबर गुप्ता, ऑक्टोपैड पर प्रशांत भट्ट, ढोलक पर सूर्या भट्ट एवं कोरस में गुड्डू त्रिपाठी ने साथ देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। दोनों कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, सांसद रीता बहुगुणा जोशी, महापौर गणेश केसरवानी, भरतजी अग्रवाल (एसी), राम प्रसाद अग्रवाल (मन्नू भैया), अमित अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल (सर्राफ), अजय अग्रवाल किशोर पाठक, आशीष श्रीवास्तव, संजीव मिश्रा, अजय केसरवानी, दिलीप चौधरी, अजय श्रीवास्तव, पीयूष त्रिपाठी, प्रशांत त्रिपाठी, राहुल मिश्रा, शांतनु भार्गव, नवरत्न कत्याल एवं दीपू साहू सहित अन्य भक्तों की उपस्थिति प्रमुख रूप से रही।

बद्रीनाथ धाम पहुंची शहनाज गिल

एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों मायनगरी की चकाचौंध से दूर पहाड़ों पर अपना समय बिता रही हैं। शहनाज ने अपने उत्तराखंड ट्रिप से कई तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह पहाड़ों पर खुलकर अपनी जिंदगी जीती नजर आ रही थीं। इसी दौरान शहनाज बद्रीनाथ धाम पहुंची। शहनाज ने दीवाली से अगले दिन बद्रीनाथ धाम में माथा टेका। इस दौरान की तस्वीरें एक्ट्रेस ने इंस्टा पर शेयर की हैं। शेयर की तस्वीरों में शहनाज मंदिर के सामने पोज देती दिख रही हैं।

इस दौरान शहनाज कैजुअल लुक में दिख रही हैं। ठंड से बचने के लिए शहनाज ने ब्लू कलर की मोटी सी जैकेट, मफर्ल और सिर कैप लगाई है। इस दौरान एक्ट्रेस का नो मेकअप लुक देखने को मिल रहा है। फैंस शहनाज की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

जान्हवी कपूर रॉयल ब्लू साड़ी में खास ग्लैमरस लुक में नजर आई

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और बोनी कपूर की लाडली जान्हवी कपूर हमेशा चर्चा में रहती हैं। फिल्म धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जान्हवी आज टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं। फिलहाल जान्हवी के एक नए लुक ने फैंस को घायल कर दिया है। रॉयल ब्लू साड़ी में उनकी खूबसूरती देखते ही बन रही है। इस साड़ी में जान्हवी की तस्वीरें इस समय सोशल मीडिया पर खूब वायरल हैं। बॉलीवुड जगत में पिछले कुछ दिनों से दिवाली पार्टियों का दौर चल रहा है। कई कलाकार दिवाली पार्टी का आयोजन कर रहे हैं। इस पार्टी के लिए बॉलीवुड सेलिब्रिटीज द्वारा पहने गए अलग-अलग लुक इस समय शहर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इसमें एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। कभी वे ट्रेडिशनल तो कभी मॉडर्न लुक में नजर आते हैं। रॉयल ब्लू कलर की डीप नेक स्लीवलेस ब्लाउज वाली साड़ी में जान्हवी का मौजूदा लुक काफी पॉपुलर है। तस्वीरें उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जान्हवी ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मैं इस लुक के लिए बहुत एक्साइटेड हूं, क्योंकि मैंने अपना मेकअप खुद किया है। जान्हवी की रॉयल ब्लू कलर की साड़ी की कीमत 95 हजार है। इस साड़ी को मशहूर डिजाइनर अर्पिता मेहता ने डिजाइन किया है। जान्हवी के काम की बात करें, तो कुछ महीने पहले उनकी फिल्म बवाल स्क्रीन पर आई थी। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई इस फिल्म में वह वरुण धवन के साथ नजर आईं।

सूडोकु नवताल- 6612

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6611 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7359

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये
दा	दा	दा	धा	हा	क	प	हा	दा	र	दा
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे दार शब्द लगा हो. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जमीदार, सूबेदार, दावेदार, दानेदार, उदार, खरीददार, किरायेदार, कांटेदार, मुहावरेदार, ताबेदार

शब्दजाल - 7358 का हल

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	इ
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	हो
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	य
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6312

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6311 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

रणतुंगा का आरोप जय शाह चला रहे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड , भारतीय दखल के कारण हमारा बोर्ड बर्बाद हुआ

नई दिल्ली ।
श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रणतुंगा ने कहा कि जय शाह का श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों पर दबदबा है। उनकी मिलीभगत की वजह से ही श्रीलंका की क्रिकेट का बुरा हाल हो रहा है।

श्रीलंका की टीम भारत में चल रहे वनडे वर्ल्ड कप में 9 में से 7 लीग मैच हार गई और 10 टीमों में 9वां स्थान हासिल किया। श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक गया और साथ ही 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सका। 1996 में श्रीलंका को वर्ल्ड कप विजेता बनाने वाले कप्तान ने कहा- श्रीलंकाई क्रिकेट को जय शाह चला रहे हैं। जय शाह के दबाव के कारण हमारा क्रिकेट बोर्ड बर्बाद हो रहा है।

भारत का एक शख्स श्रीलंका क्रिकेट को बर्बाद कर रहा है। वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि पिता ताकतवर हैं। उनके पिता भारत के गृह मंत्री हैं।

श्रीलंका बोर्ड में चल रही उथल-पुथल

वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद वहां के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने 6 नवंबर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। साथ ही एक अंतरिम बोर्ड का गठन भी किया था। अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। खेल मंत्री के आदेश के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। बोर्ड की अपील पर अदालत ने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने के खेल मंत्री के फैसले को रद्द कर दिया। यानी रणतुंगा अंतरिम अध्यक्ष नहीं बन सके।

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को सस्पेंड किया

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने शुक्रवार को सस्पेंड कर दिया। आईसीसी ने बोर्ड में सरकार की दखलअंदाजी के बाद उसकी सदस्यता को तत्काल प्रभाव से छीन लिया।

न्यूज ब्रीफ

ऋतुराज की बजाय सूर्यकुमार को मिल सकती है भारतीय टीम की कप्तानी

नई दिल्ली । चोट की वजह से हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप के सभी मैचों से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में सूर्यकुमार को भारतीय टीम की कप्तानी मिल सकती है। अगर हार्दिक पंड्या की चोट गहरी हुई तो शायद वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी दिखाई ना दे। कहा तो यह भी जा रहा है कि ऋतुराज गायकवाड़ इस सीरीज में कप्तानी संभाल सकते हैं। लेकिन खबर यह भी है कि इस कप्तानी की रेस में सूर्यकुमार यादव भी है। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी विश्व कप 2023 के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव और ऋतुराज गायकवाड़ में से कोई एक खिलाड़ी कप्तानी कर सकता है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि अभी तक हार्दिक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना मुश्किल है। यही वजह है कि साउथ अफ्रीका सीरीज में हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव या रुतुराज गायकवाड़ ले सकते हैं। गौरतलब है कि सूर्यकुमार यादव ने आज तक भारत के लिए किसी भी मैच में कप्तानी नहीं की है। अगर उन्हें मौका मिला तो वह पहली बार टीम इंडिया का नेतृत्व करते दिखाई देंगे। सूर्यकुमार ने भारत के लिए अब तक कुल 53 टी20 मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 1800 से ज्यादा रन बनाए हैं। सूर्या टी20 में 3 शतक भी जड़ चुके हैं। अगर उन्हें कप्तानी करने का मौका मिलता है तो सूर्या के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का बढ़िया मौका होगा।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संभावित स्क्वॉड: यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, राहुल त्रिपाठी, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, उमरान मलिक, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, दीपक चाहर टीम में शामिल हैं।

कुलदीप और रविंद्र जडेजा से काफी कुछ सीखने को मिला : निदामानुरू

बेंगलुरु । विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद नीदरलैंड के बल्लेबाज तेजा निदामानुरू ने उम्मीद जाहिर की है कि कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा जैसे भारतीय स्पिनरों को खेलने के अनुभव से मिली सीख से उन्हें प्रदर्शन सुधारने में मदद मिलेगी। जून में आईसीसी क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करने वाले निदामानुरू ने भारत के खिलाफ 39 गेंद में 54 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'यह एक सीख था कि मैं स्पिन को कैसे खेल पाता हूं। दबाव में अच्छा प्रदर्शन करना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि उन्हें बीच के ओवरों में स्पिनरों को खेलते समय दबाव का सामना करना सीखना था। उन्होंने कहा, जडेजा काफी सटीक गेंदबाजी कर रहा था। उसकी अच्छी गेंदों पर रन लेने से दबाव कम हुआ। कुलदीप विश्व स्तरीय गेंदबाज है और उसने काफी विकेट लिए हैं। मैं उसकी गेंदों को पढने की कोशिश कर रहा था। मैं उसकी ढीली गेंदों को पकड़ने की कोशिश में था। निदामानुरू ने कहा, भारत विश्वकप में बेहतरीन क्रिकेट खेल रहा है।

भारतीय कप्तान बोले- भारत विश्वकप क्वालिफायर के लिए मजबूत और अधिक तैयार है

नई दिल्ली । भारत के स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री का मानना है कि फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर्स के अगले दौर में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम इस बार पूर्व की तुलना में अधिक मजबूत और अधिक तैयार है। भारतीय टीम फीफा विश्वकप 2026 और एएफसी एशिया कप सऊदी अरब 2027 के संयुक्त क्वालिफिकेशन में भाग लेगी। दूसरे दौर के इन मुकाबलों में 39 वर्षीय छेत्री टीम की अगुवाई करेंगे। भारत अपना पहला मैच गुरुवार को कुवैत के खिलाफ खेलेगा। इस दिग्गज फुटबॉलर ने कहा कि घरेलू मैदानों पर अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से टीम को अधिक स्थायित्व मिला है। छेत्री ने कहा,' पिछले 6 से 8 महीनों के बीच में जो कुछ हुआ उससे टीम के मनोबल का पता चलता है। कई खिलाड़ियों ने टीम में अपनी जगह पक्की की और यही वजह है कि इस बार हम अधिक तैयार हैं। विश्वकप क्वालिफायर ऐसे समय में हो रहे हैं जब हमने काफी मैच खेले हैं। यह सब चीजें काफी मायने रखती हैं।

फैंस कर रहे वर्ल्ड कप 2023 का बेताबी से इंतजार, बड़ा रिकार्ड टूटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।
वर्ल्डकप 2023 का फैंस को बेसब्री से इंतजार हो रहा है। अब यह अंतिम चरण में पहुंच चुका है। भारत, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं। एक बार फिर बुधवार से सेमीफाइनल मैचों का दौर शुरू हो जाएगा। पहले सेमीफाइनल में 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम का न्यूजीलैंड से मुकाबला होगा जबकि इसके अगले दिन यानी 16 नवंबर को दूसरे सेमीफाइनल में कोलकाता के ईडन गार्डंस में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। फाइनल मैच रविवार 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा, बस इसी मैच का इंतजार भी हो रहा है। दरसअल टूर्नामेंट में अब तीन 'बड़े मुकाबले' ही शेष हैं और इनमें जो टीम हारी, वो बाहर हो जाएगी।

टूर्नामेंट में इस बार रनों की जबर्दस्त बारिश देखने को मिली है, ऐसे में फैंस की नजर इस बात पर भी टिकी है कि किसी एक वर्ल्डकप में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी टूट सकता है। हालांकि किसी एक वर्ल्डकप में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड वर्ष 2015 में बना था। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में हुए इस वर्ल्डकप में कुल 38 शतक बने थे और यह रिकॉर्ड अब तक नहीं टूटा है। इसके अलावा वर्ष 2019 के वर्ल्डकप में 31 शतक बने थे।

वर्ल्डकप 2023 की बात करें तो इसमें अब तक 35 शतक लग चुके हैं। टूर्नामेंट में अब तक तीन मैच बाकी हैं, इन मैचों में चार शतक लगते ही वर्ल्डकप 2015 का 38 शतकों का रिकॉर्ड टूट जाएगा। विराट कोहली की ओर से मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतक के रिकॉर्ड के टूटने का इंतजार कर रहे फैंस की नजर इस बात पर भी है कि क्या इस वर्ल्डकप में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड टूट पाएगा। वर्ल्डकप 2023 में सबसे ज्यादा शतक दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक ने लगाए हैं, उन्होंने टूर्नामेंट में चार शतकीय पारी खेली हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने तीन शतक जड़े हैं जबकि भारत के विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मॉर्श और दक्षिण अफ्रीका के रासी वान डेर दुसान के नाम पर दो-दो शतक दर्ज हैं।

प्रमोद ने जीता स्वर्ण पदक, फाइनल में मनोज सरकार को हराया

नई दिल्ली । पैरा एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए टोक्यो में हुए हुलिक देहातसू जापान पैरा बैडमिंटन अंतरराष्टीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एसएल-3 एकल वर्ग में उन्होंने हमवतन मनोज सरकार को 21-16, 21-19 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भगत और मनीषा रामदास को चीन के येंग जियानयुआन और वेंग कियू जिया के हाथों 21-14, 15-21, 21-16 से हार मिली। सुशांत कदम को एसएल-4 में मलयेशिया के मोहम्मद अमीन बुरहानुद्दीन के हाथों हार के बाद कांस्य से संतोष करना पड़ा। भारत के ही तरुण को अन्य सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक मिला। निहाल गुप्ता और नवीन शिवकुमार को एसएल 3-एलएल 4 में स्वर्ण मिला। उन्होंने फाइनल में दीप रंजन बिसोयी और मनोज सरकार को 21-19, 18-21, 21-17 से हराया। मनीषा जोशी ने महिलाओं के एसएल-3 में कांस्य जबकि पुरुष युगल एसयू-5 में हार्दिक मक्कड़ और रुथिक रघुपति ने कांस्य जीता। टी मुरुगसेन को रजत पदक मिला। उसके बाद महिला युगल में मुरुगसेन ने मानसी जोशी के साथ इंडोनेशियाई जोड़ी को 21-16, 21-11 से हराकर स्वर्ण जीता।

आईसीसी हॉल ऑफ में शामिल हुए वीरेंद्र सहवाग और महिला खिलाड़ी डायना एडुल्जी

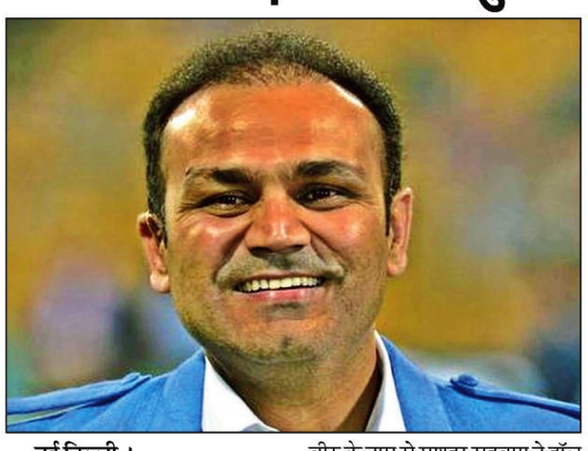

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को आईसीसी हॉल ऑफ में शामिल किया गया है। सूची में सहवाग सहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व खिलाड़ी डायना एडुल्जी और श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज अरविंद डिसिल्वा को भी जगह मिली है। डायना ने सूची में शामिल होकर इतिहास कायम किया है। वह आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर हैं। पुरुषों में भारत की ओर से इसके पहले सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ का नाम शामिल हो चुका है। लेकिन महिलाओं में एडुल्जी पहली भारतीय बनी हैं। सहवाग हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारत के आठवें पुरुष क्रिकेटर हैं। वहीं एडुल्जी ओवरऑल 9वीं भारतीय बन गई हैं। आईसीसी के इस विशिष्ट क्लब में पूर्व क्रिकेटर को ही जगह मिलती है,जिन्हें संन्यास लिए हुए करीब 7 साल होना चाहिए। वीरु के नाम से मशहूर सहवाग ने हॉल ऑफ में शामिल होने पर आईसीसी का शुक्रिया अदा किया। सहवाग ने कहा, मैं आईसीसी और ज्यूरी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे सम्मान में शामिल किया। मैं अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा उस काम में बिताने के लिए बेहद आभारी महसूस करता हूं जो मुझे सबसे ज्यादा प्रिय था। मैं अपनी फैमिली, फ्रेंड्स और इसतरह के कई लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा सपोर्ट किया। सहवाग ने 104 टेस्ट मैचों में 49.34 की औसत से कुल 8,586 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने अपनी स्पिन गेंदबाजी से 40 विकेट भी निकाले। इतना ही नहीं सहवाग 251 वनडे में 35.05 की औसत से 8,273 रन जोड़े। वनडे में वीरू के नाम 96 विकेट भी दर्ज हैं। सहवाग ने 19 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 394 रन बनाए। सहवाग की गिनती मॉडर्न क्रिकेट के खतरनाक बल्लेबाज में होती है। उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में लाबुशेन को मिले मौका : रिकी पोंटिंग

कोलकाता ।
ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में बेहतर बल्लेबाजी कौशल के कारण मार्कस स्टोइनिस की जगह मार्नस लाबुशेन बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आराम के बाद ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम में लौटने वाले हैं। इसकी वजह से सेमीफाइनल में लाबुशेन या स्टोइनिस में से एक को बाहर होना होगा। पोंटिंग ने कहा, मैं लाबुशेन को ही शामिल करता। उन्होंने भारत के मजबूत मध्यक्रम का उदाहरण देकर कहा, इस टूर्नामेंट में लाबुशेन ने खराब नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के लिए टूर्नामेंट में सबसे महत्वपूर्ण मध्यक्रम की बल्लेबाजी है जो अभी तक सही नहीं हुई है। उन्हें इसका हल जल्दी निकालना होगा।

उन्होंने कहा, ' अगर विश्व कप जीतना है, तब 11वें से 40वें ओवर के बीच की समस्या का हल निकालना होगा। हमने इसी दौरान काफी विकेट गंवाए हैं। भारत ने इस दौरान सिर्फ 20 विकेट गंवाए हैं। लाबुशेन ने नीदरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो शतक जमाये थे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार क्षेत्ररक्षण से भी ध्यान खींचा। पोंटिंग के सुर में सुर मिलाते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटसन ने कहा कि फ्लडलाइट में कठिन हालात का सामना करते हुए बल्लेबाजी में संतुलन के लिए लाबुशेन की जरूरत होगी।

बाबर के सपोर्ट में आए कपिल देव: बोले-पाक को नंबर वन टीम बनाया; वर्ल्ड कप से बाहर होने पर आजम की हो रही है आलोचना

नई दिल्ली ।
भारत को पहला वनडे वर्ल्ड कप दिलाने वाले टीम इंडिया के कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम का बचाव किया है और उनके समर्थन में उतर आए हैं। पाकिस्तान के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद टीम के कप्तान बाबर आजम की पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर आलोचना कर रहे हैं और उन्हें कप्तानी से हटाने की मांग की जा रही है। इस बीच भारत को वनडे वर्ल्ड कप का पहला खिताब दिलाने वाले कप्तान कपिल देव ने बाबर का बचाव किया। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाना ठीक नहीं है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए, उसने पीछे कैसा परफॉर्मेंस किया है उस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही कप्तान था जिसने 6 महीने पहले पाकिस्तान टीम को नंबर वन बनाया है। जब कोई जीरो बनाता है तो अगर आप ओपिनियन लोगे पब्लिक की तो 99 प्रतिशत उसको ड्रॉप करने को बोलेंगे। एक ऑर्डिनरी प्लेयर आता है ब्रिलिएंट इनिंग खेलता है तो लोग कहेंगे यही सुपरस्टार है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए।

पहली गेंद पर कोई भी बैट्समैन आउट हो सकता है

उन्होंने आगे कहा कि कैसे वह खेलता है, कितना उसमें जोश है, जुनून है, टैलेंट है यह देखना चाहिए। आप पहली बॉल पर भी आउट हो सकते हो। ऐसा नहीं है या कोई दुनिया में ऐसा बैट्समैन नहीं है जो पहले गेंद पर आउट नहीं हो सकता है, लेकिन उसका खेलने का तरीका कैसा है उसके ऊपर हम गौर करते हैं, मैं गौर करता हूं। पाकिस्तान टीम इस वर्ल्ड कप में लीग स्टेज में 9 मैच खेली, जिसमें 4 जीती और 5 में हार मिली। बता दें कि वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान की टीम 5 मैच हारी है। बतौर बल्लेबाज बाबर के प्रदर्शन को भी निशाना बनाया जा रहा है। वो नौ मैचों में केवल 320 रन ही बना सके।

पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच का इस्तीफा

वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया था। पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने खुद इस बात की जानकारी दी थी। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने भारत में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन किया। लिहाजा टीम लीग राउंड से ही बाहर हो गई। पाकिस्तान टीम ने 9 में से 4 मुकाबले ही जीते और 8 अंकों के साथ 8वें स्थान पर रही।

एक ओवर में 6 बैटर आउट

आखिरी ओवर में 5 रन चाहिए थे, 6 विकेट बाकी थे फिर भी जीत नहीं मिली

मुंबई।
ऑस्ट्रेलिया के थर्ड डिवीजन क्लब क्रिकेट में खेले गए एक मैच में गैरेथ मॉर्गन नाम के गेंदबाज ने 6 गेंदों में 6 खिलाड़ियों को आउट किया। क्लब क्रिकेट में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 2017 में ऑस्ट्रेलिया में ही खेले गए क्लब क्रिकेट में 29 साल के एलेड कैरी ने यह कारनामा किया था। शनिवार को गोल्ड कोस्ट प्रीमियर लीग में हुआ यह मैच मुदगीराबा नेरंग एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट क्लब और सर्फर्स पैराडाइज के बीच कैरारा कम्युनिटी सेंटर में खेला गया। इसमें गेरेथ मॉर्गन ने अपनी टीम के लिए 5 रन डिफेंड किए और उसे 4 रन से जीत दिलाई।

सर्फर्स पैराडाइज को 6 गेंदों पर जीत के लिए 5 रन चाहिए थे – मुदगीराबा नेरंग एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवर में सभी विकेट खोकर 178 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी सर्फर्स पैराडाइज ने 4 विकेट पर 174 रन बना लिए थे। जीत के लिए आखिरी ओवर में सिर्फ 5 रन चाहिए थे। मुदगीराबा के कप्तान गेरेथ मॉर्गन ने 6 गेंदों पर बचे हुए 6 विकेट झटक लिए और सर्फर्स पैराडाइज की टीम मैच हार गई। मॉर्गन ने आखिरी ओवर की अपनी पहली गेंद पर पैराडाइज के ओपनर जेक गार्लैंड को कैच आउट कर पवेलियन भेजा। जेक 65 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कॉनर मैथेसन, माइकल कर्टिन और वेड मैकडॉगल भी कैच आउट हुए। बाकी बचे दो खिलाड़ियों रिले एकर्सली और ब्रॉडी फेलन को मॉर्गन ने बोल्ड किया। मॉर्गन ने 7 ओवर में 16 रन देकर कुल 7 विकेट लिए।

एलेड कैरी क्लब क्रिकेट में 6 गेंदों पर 6 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज – ऑस्ट्रेलिया के एलेड कैरी 6 गेंदों पर 6 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2017 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए क्लब क्रिकेट में गोल्डन पॉइंट क्रिकेट क्लब के लिए यह कारनामा किया था। उन्होंने विक्टोरिया में बॉलरेट क्रिकेट एसोसिएशन के 2 दिन के मैच में ईस्ट बेलेरेट की टीम के 6 खिलाड़ियों को एक ही ओवर में पवेलियन लौटाया। इनमें से 5 क्रिकेटर खाता भी नहीं खोल पाए थे। एलेड अपने पहले 8 ओवरों में एक भी विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन 9वें ओवर में उन्होंने जबर्दस्त बॉलिंग की। एलेड ने दो खिलाड़ियों को कैच आउट कराया था, एक खिलाड़ी आउट हुआ था और तीन खिलाड़ियों को उन्होंने बोल्ड किया था। ईस्ट बेलेरेट की टीम 40 रन पर ऑल आउट हो गई थी। फर्स्ट क्लास मैच में एक ओवर में मिले हैं 5 विकेट

प्रोफेशनल क्रिकेट की बाद करें तो एक ओवर में सर्वाधिक 5 विकेट लिए गए हैं। सबसे पहले 2011 में न्यूजीलैंड के नील वैगनर ने यह कारनामा किया था। वहीं बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने 2013 में और भारत के अभिमन्यु मिथुन ने 2019 में कारनामा अपने नाम किया था। जनवरी 1894 में लंदन से छपने वाले अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार 1865 में ऑस्ट्रेलिया में डोमेस्टिक मैच के दौरान विक्टोरिया और स्क्रैच की टीम के बीच एक मैच खेला गया था। जिसमें एक बॉल पर 286 रन बने थे। मैच के दौरान विक्टोरिया के बैट्समैन ने एक जोरदार शॉट लगाया और बॉल पेड़ पर जाकर अटक गई। इसके बाद बैट्समैन के रन दौड़ने का सिलसिला शुरू हुआ। जब तक बॉल पेड़ पर रही, तब तक बैट्समैन रन दौड़ते रहे और इस दौरान उन्होंने 286 रन ले लिए। बैट्समैन को लगातार रन दौड़ते देख अपोजिट टीम के मेंबर्स ने उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए अंपायर से अपील भी की, लेकिन कुछ फायदा नहीं हुआ। मुंबई में खेले गए एक स्कूली टूर्नामेंट के मैच के दौरान 5वें विकेट के लिए 531 रन की पार्टनरशिप हुई। शिशिर तिवारी और सुफियान शेख ने यह पार्टनरशिप अपने स्कूल अंजुमन ए इस्लाम फोर्ट इंग्लिश स्कूल की तरफ से बैपटिस्ट स्कूल के खिलाफ की। शिशिर ने 531 में से नाबाद 318 रन और सुफियान ने नाबाद 202 रन बनाए। अंजुमन-ए-इस्लाम फोर्ट इंग्लिश स्कूल ने कुल 1121 रन बनाए। स्कूल टूर्नामेंट में बी मनोज कुमार ओर मोहम्मद शाहबाज तुम्बी के नाम 721 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप का रिकॉर्ड है। 2006 में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की इंटर स्कूल लीग के दौरान सेंट फिलिप हाई स्कूल और सेंट पीटर हाई स्कूल के बीच खेले गए मैच के दौरान मनोज और शाहबाज ने यह नाबाद साझेदारी की। दोनों ने सेंट फिलिप हाई स्कूल के खिलाफ 721 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। इस मैच को सेंट पीटर हाई स्कूल ने सेंट फिलिप हाई स्कूल को 21 रन पर ऑलआउट कर 700 रन से जीता था।

विकसित भारत समाचार

12

बुधवार, 15 नवंबर, 2023

भाई दूज पर विशेष

भैया दूज पर क्या करें?

- भैया दूज के दिन नहा-धोकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इस दिन बहनें नए कपड़े पहनती हैं।
- इसके बाद अक्षत (ध्यान रहे कि चावल खंडित न हों), कुमकुम और रोली से आठ दल वाला कमल का फूल बनाएं।
- अब भाई की लंबी उम्र और कल्याण की कामना के साथ व्रत का संकल्प लें।
- अब विधि-विधान के साथ यम की पूजा करें।
- यम की पूजा के बाद यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करें।
- अब भाई को तिलक लगाकर उनकी आरती उतारें।
- इस मौके पर भाई को यथाशक्ति अपनी बहन को उपहार या भेंट देनी चाहिए।
- पूजा होने तक भाई-बहन दोनों को ही व्रत करना होता है।
- पूजा संपन्न होने के बाद भाई-बहन साथ में मिलकर भोजन करें।

साल में दो बार आती है भाईदूज

भाईदूज का त्योहार वर्ष में दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र मास में होली के बाद और दूसरा कार्तिक में दिवाली के बाद। यह पर्व रक्षाबंधन की तरह ही है । बहनें भाई को कुमकुम, हल्दी, चावल से तिलक करती है। भाई बहनों को उनकी रक्षा करने का वचन देता है। यमुना यमराज की कथा अनुसार इस दिन भाई अपनी बहन से टीका कराएगा, उसकी उम्र में एक दिन बढ़ जाएगा। यमराज ने अपनी बहन की इच्छा पूरी की वे वचन बद्ध हो गए।

भाई दूज के दिन बहनें ये करें

हर त्योहार के साथ वास्तु जुड़ा होता है। भाई दूज के साथ भी ऐसा ही है। इसके अनुसार बहनें अगर दक्षिण दिशा की तरफ अपना मुख करके दीए जलाएं तो भाईयों के लिए काफी मंगलकारी होता है। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि भाई की लंबी उम्र के लिए भगवान से की गई प्रार्थना पूरी होने के लिए आकाश में उड़ती हुई पतंग को देखना बहुत भाग्यशाली माना जाता है।

भाई दूज के ये भी नाम

हमारे देश में त्योहार को अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग नाम से जाना और सेलिब्रेट किया जाता है। किसी त्योहार को उत्तर भारत में किसी और नाम से तो दक्षिण भारत में किसी और नाम से सेलिब्रेट करते हैं। बात करें भाई दूज की तो इस त्योहार को गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में इसे भाई बीज के नाम से जाना जाता है। नेपाल की बात करें तो इसे भाई टीका तो बंगाल में भाऊ द्विज, भाई फोटा ओर मणिपुर में निगोल चकबा के रूप मे मनाया जाता है।

ऐसे करें भाई की पूजा

जैसा कि पता है भाई दूज भाई-बहन के प्यार के प्रतीक का त्योहार है। इसदिन बहनें अपने भाई के लिए उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं लिहाजा इसे पूरे मनोयोग से मनाती हैं। इसकी भी विधिवत पूजा होती है। पूजा शुरू करने से पहले आटे की चौकी बना लें। इसके बाद भाई को आटे की चौकी पर विराजमान करें। इतना करने के बाद चावल का घोल बना लें और भाई की हथेली पर इसे लगाकर पान, सुपारी, पुष्प इत्यादि रखकर हथेली पर जल अर्पित करें। इस प्रक्रिया के बाद भाई की आरती उतारें और उसकी कलाई में कलावा बांधें। इसके बाद भाई को मिठाई खिलाएं। यदि भाई बड़ा है तो बहन उसका पैर छूकर आशीर्वाद लेगी और यदि भाई छोटा है तो बहन का वह आशीर्वाद लेगा।

भैया दूज पर होती है यम देव की पूजा

पौराणिक मान्यता है कि भैया दूज के दिन अगर भाई और बहन यदि यमुना के किनारे एकसाथ बैठकर खाना खाते हैं तो यह मंगलकारी होता है। भाई दूज का पर्व दिवाली के दो दिन बाद आता है और इसको यम द्वितीया भी कहा जाता है। इस दिन यम देव की पूजा होती है।

भाई-बहन के अपार प्रेम और समर्पण का प्रतीक है भाई दूज

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इस बार ये पर्व मंगलवार के दिन पड़ रहा है। दिवाली के पांच दिवसीय पर्व का यह आखिरी त्योहार होता है। भाई दूज से जुड़ी धार्मिक मान्यता के अनुसार, भाई दूज या भैया दूज का त्योहार भाई-बहन के अपार प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने भाइयों को घर पर आमंत्रित कर उन्हें तिलक लगाकर भोजन कराती हैं। वहीं, एक ही घर में रहने वाले भाई-बहन इस दिन साथ बैठकर खाना खाते हैं। मान्यता है कि भाई दूज के दिन अगर भाई-बहन यमुना किनारे बैठकर साथ में भोजन करें तो यह अत्यंत मंगलकारी और कल्याणकारी होता है। दिवाली के दो दिन बाद आने वाले इस त्योहार को यम द्वितीया भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यम की पूजा का भी विधान है। इस दिन जो भाई अपनी बहन के घर भोजन करते हैं, उनकी उम्र बढ़ती है और यमराज बहनों द्वारा मांगी गई मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। भाई दूज का पर्व देश के अलग-अलग भागों में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। आइए देखें इस पर्व का अनोखापन।

इसलिए मनाते हैं भाई-दूज का पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्य भगवान की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। वह उससे बराबर निवेदन करती कि इष्ट मित्रों सहित उसके घर आकर भोजन करो। अपने कार्य में व्यस्त यमराज बात को टालते रहे। फिर कार्तिक शुक्ला का दिन आया। यमुना ने उस दिन फिर यमराज को भोजन के लिए निमंत्रण देकर, उसे अपने घर आने के लिए वचनबद्ध कर लिया।

यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता। बहन जिस सद्भावना से मुझे बुला रही है, उसका पालन करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने स्नान कर पूजन करके व्यंजन परोसकर भोजन कराया। यमुना के आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन से वर मांगने के लिए कहा।

यमुना ने कहा कि भद्र! आप प्रति वर्ष इसी दिन मेरे घर आया करो। मेरी तरह जो बहन इस दिन अपने भाई को आदर सत्कार करके टीका करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहकर यमुना को अमूल्य वस्त्राभूषण देकर विदा ली। तभी से भैया दूज की परंपरा शुरू हुई। ऐसी मान्यता है कि जो भाई इस दिन आतिथ्य स्वीकार करते हैं, उन्हें यम का भय नहीं रहता। इसी वजह से भैया दूज के दिन यमराज और यमुना की पूजी की जाती है।

भाईदूज पर भाई को मृत्यु का शाप

पूर्वांचल सहित मिथिला के कुछ क्षेत्रों में भाईदूज कुछ अलग तरीके से मनाया जाता है। यहां पर इस दिन बहनें सुबह-सुबह पूजा की तैयारी करती हैं। भाई को यमराज के दूतों से बचाने लिए भाई की पूजा करते हुए उनकी भाई दूज के दिन मृत्यु की कामना करती हैं। इसके बाद बहनें यमदेव से प्रार्थना करते हुए कहती हैं कि 'हे ईश्वर, मैंने अभी तक जो कहा है वह सच नहीं हो। आप मेरे भाई को लंबी आयु प्रदान करें।' मैंने जो भी कहा है वह आपके वरदान की वजह से बोला है, क्योंकि आज जो भी बलाएं आएंगी आप उसे टाल देंगे। इसके बाद बहनें भाई को रुई की माला बनाती हैं और मिठाई खिलाती हैं।

भाई की हथेली पर पान और सिक्का रखकर पूजा

बिहार के मिथिला क्षेत्र में भाई दूज पर बहनें पान, कुम्हरे के फूल, सुपारी और सिक्का भाई की हथेली पर रखकर भाई की लंबी उम्र के लिए दुआएं मांगते हुए बोलती हैं। गंगा पूजे यमुना को, यम पूजे यमराज को, गंगा यमुना नीर बहे, मेरे भाई की उम्र बढ़े। बहनें सभी सामग्री तीन बार भाई की हथेली पर रखकर यह मंत्र बोलती हैं। इसके बाद भाई को मिठाई खिलाती है। इस पूजा में भाई की हथेली पर सिक्का भाई की समृद्धि के लिए रखती हैं।

भाईदूज के दिन यमुना में स्नान का है महत्व

हिंदू धर्म में भैया दूज का विशेष महत्व है। इस पर्व को यम द्वितीया और भ्रातृ द्वितीया भी कहा जाता है। रक्षाबंधन के बाद भैया दूज दूसरा ऐसा त्योहार है, जिसे भाई-बहन बेहद उत्साह के साथ मनाते हैं, जहां, रक्षाबंधन में भाई अपनी बहन को सदैव उसकी रक्षा करने का वचन देते हैं, वहीं भाई दूज के मौके पर बहन अपने भाई की लंबी आयु के लिए प्रार्थना करती है। कई जगहों पर इस दिन बहनें अपने भाइयों को तेल लगाकर उन्हें स्नान भी कराती हैं। यमुना नदी में स्नान कराना अत्यंत शुभ माना जाता है। अगर यमुना में स्नान संभव न हो तो भैया दूज के दिन भाई को अपनी बहन के घर नहाना चाहिए। अगर बहन विवाहित है तो उसे अपने भाई को आमंत्रित कर उसे घर पर बुलाकर यथा सामर्थ्य भोजन कराना चाहिए। इस दिन भाइयों को चावल खिलाना अच्छा माना जाता है। अगर सगी बहन नहीं है तो ममेरी या चचेरी बहन के साथ भी इस त्योहार को मनाया जा सकता है। इस त्योहार का संदेश यही है कि भाई-बहन के बीच प्यार हमेशा बना रहना चाहिए। चाहे दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में कितने ही व्यस्त क्यों न हों, लेकिन एक-दूसरे के साथ कुछ पल तसल्ली के जरूर गुजारने चाहिए।

ऐसे पड़ा इस पर्व का नाम भाईदूज

आम बोलचाल की भाषा में हिंदी कैलेंडर की द्वितीया तिथि को दूज कहते हैं, चूंकि यह त्योहार भाई द्वारा बहन के घर आने की मान्यता से जुड़ा है, इसलिए बदलते समय के साथ इस त्योहार का नाम भाई-दूज पड़ गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि भाईदूज के नाम से प्रचलित हो गई। इस दिन बहनें भाइयों के माथे पर टीका करती हैं और भाई बहन के घर भोजन करता है।

यमुना ने मांगा था वरदान

यमुना ने स्नान के बाद पूजन करके, स्वादिष्ट व्यंजन परोसकर यमराज को भोजन कराया। यमुना द्वारा किए गए इस आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन को वर मांगने का आदेश दिया। फिर यमुना ने कहा कि, 'हे भद्र! आप प्रति वर्ष इसी दिन मेरे घर आया करो और मेरी तरह जो बहन इस दिन अपने भाई को आदर-सत्कार करके टीका करे, उसे तुम्हारा भय न रहे।' यमराज ने तथास्तु कहकर यमुना को अमूल्य वस्त्राभूषण देकर यमलोक की ओर प्रस्थान किया। तभी से इस दिन से ये पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। इसी कारण ऐसी मान्यता है कि भाईदूज के दिन यमराज तथा यमुना का पूजन भी अवश्य करना चाहिए।

भाईदूज पर इसलिए भाइयों को देते हैं शाप

बिहार के मिथलांचल क्षेत्र में कुछ जगह भाई की पूजा करते हुए बहनें कहती हैं कि 'सांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे जो काटे सो आज काटे'। दरअसल इन शाप दिए जाने के पीछे ऐसा माना जाता है कि इस दिन यम के दूत भाई के प्राण नहीं लेंगे। भाई पर पूरे साल में जो विपत्ति आनी हो वह आज ही आ जाए, क्योंकि आज जो भी विपत्ति आएगी वह बहनों की दुआओं से टल जाएगी।

कायस्थ समाज के लोग करते हैं चित्रगुप्त महाराज की पूजा

भाई दूज के दिन चित्रगुप्त महाराज की पूजा होती है और इसी दिन कायस्थ समाज के लोग, कारोबारी और छात्र कलम-दवात की भी पूजा करते हैं। दिवाली के तीसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को जहां देशभर में भाई दूज (भैया दूज) का पर्व मनाया जाता है, वहीं कायस्थ परिवार के देवता चित्रगुप्त महाराज की पूजा करते हैं। यम द्वितीया को मनाया जाने वाला ये पर्व कलम-दवात की पूजा के नाम से भी प्रचलित है। चित्रगुप्त महाराज को देवगण का लेखपाल यानी मनुष्यों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाला माना गया है। इस दिन नई लेखनी या कलम की पूजा होती है। व्यापारी या कारोबारी वर्ग इसे नववर्ष प्रारंभ के तौर पर भी देखते हैं। मान्यता है कि इस दिन कायस्थ समाज का हर सदस्य कलम से कागज पर अपनी सालाना आय लिखकर, एक मंत्र के साथ वो कागज चित्रगुप्त महाराज के पास रख देता है। उसके बाद पूरी पूजा विधि अपनाई जाती है और आरती व विशेष प्रसाद के साथ ये चित्रगुप्त पूजा संपन्न होती है।

चित्रगुप्त ने ब्रह्मलिपि का प्रयोग कब किया ?

ब्रह्मलिपि का अविष्कार चित्रगुप्त ने ही किया था। और इसका सर्वप्रथम प्रयोग वेद व्यास द्वारा सरस्वती नदी के तट पर उनके आश्रम में वेदों के संकलन के दौरान किया गया था। वेद के उप निषाद, अरण्यक ब्राह्मण ग्रंथों तथा पुराणों का संकलन कर उन्हें लिपि प्रदान की गई। विद्वान ब्राह्मणों के मुताबिक चित्रगुप्त पूजन यम द्वितीया को की जाती है, यह किसी एक जाति की पूजा नहीं, बल्कि कलम से जुड़े सभी लोगों के लिए श्रेष्ठ मानी गई है।

चित्रगुप्त ने ही बनाई थी पहली लिपि

माना जाता है कि भगवान श्री चित्रगुप्त के पहले भाषा की कोई भी लिपि मौजूद नहीं थी। चित्रगुप्त ने मां सरस्वती से विचार-विमर्श के बाद लिपि का निर्माण किया और अपने पूज्य पिता के नाम पर उसका नाम ब्राह्मी लिपि रखा।

ब्रह्मा जी के सत्रहवें और आखिरी मानस संतान हैं चित्रगुप्त

चित्रगुप्त ब्रह्मा के पुत्र हैं। वे ब्रह्मा के सत्रहवें और आखिरी मानस पुत्र हैं। कथा है कि ब्रह्मा ने चित्रगुप्त को भगवती की तपस्या कर आर्शीवाद पाने की सलाह दी। तपस्या पूर्ण होने पर खुश होकर सभी देवताओं एवं ऋषियों के साथ ब्रह्मा जी उनके पास पहुंचे और आशीर्वाद के रूप में अमर होने का वरदान दिया। चित्रगुप्त का विवाह क्षत्रिय वर्ण के विश्वभान के पुत्र श्राद्ध देव मुनि की कन्या नंदिनी से हुआ। दूसरा विवाह ब्राह्मण वर्ण के कश्यप ऋषि के पोते सुषर्मा की पुत्री इरावती से हुआ। मान्यता है कि चित्रगुप्त भगवान यम राज के साथ रहकर इंसान के जीवन-मरण और पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखते हैं। यम द्वितीया पर्व पर कलम दवात की पूजा होती है। दिवाली बाद बिना कलम पूजन के कोई कायस्थ कलम का प्रयोग नहीं करता। यह कायस्थों की सबसे बड़ी पूजा होती है।

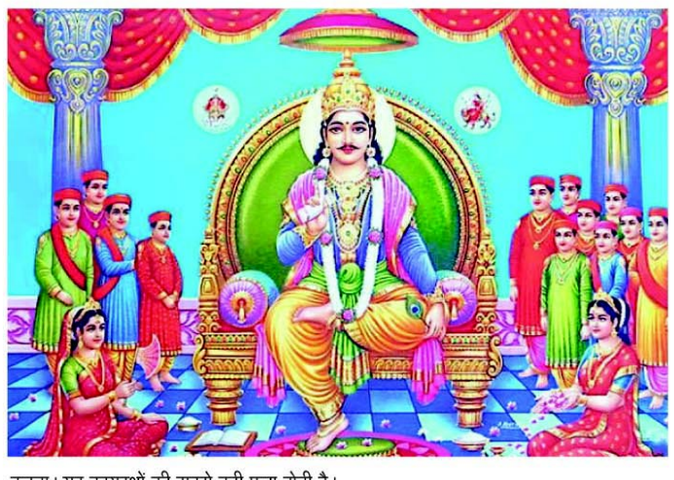

चित्रगुप्त पूजा के लिए इस मंत्र का प्रयोग करें

मसिभाजनसंयुक्तं ध्यायेतं च महाबलम। लेखिनीपट्टिकाहस्तं चित्रगुप्तं नमाम्यहम।।

श्री चित्रगुप्ताय नमः मंत्र का भी उच्चारण करते रहें। पूजा के समय चित्रगुप्त प्रार्थना मंत्र भी जरूर पढ़ लें।

कागज पर लिखकर चित्रगुप्त महाराज के पास रखें

पूजा विधि के अंतर्गत ही ये मान्यता है कि चित्रगुप्त पूजा के दिन एक सफेद कागज पर श्री गणेशाय नमः और 11 बार ओम चित्रगुप्ताय नमः लिखकर पूजन स्थल के पास रख दिया जाता है। आप भगवान से बुद्धि, विद्या और लेखन का आशीर्वाद मांग सकते हैं।

चित्रगुप्त पूजा कैसे करें?

भाई दूज के दिन स्नान के बाद पूरब दिशा में बैठकर एक चौक बनाएं। उस पर चित्रगुप्त महाराज की तस्वीर रखें। इसके बाद पुष्प, धूप, अक्षत्, चंदन, दीप, मिठाई, फल आदि अर्पित करें। एक नई लेखनी या कलम अवश्य पूजा में रखें।

चित्रगुप्त महाराज कौन हैं?

मान्यताएं कहती हैं कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना के साथ चित्रगुप्त महाराज को भी उत्पन्न किया था, ताकि इस संसार के सभी जीव मात्र का हिसाब-किताब रखा जा सके। उसके अच्छे और बुरे कार्यों के हिसाब से ही संसार का संचालन करने का निर्णय लिया गया। ब्रह्मा जी की काया से उत्पन्न होने के कारण ही उनको कायस्थ भी कहते हैं। चित्रगुप्त का विवाह सूर्य पुत्री यमी से हुआ था। इसलिए उन्हें यमराज का बहनोई कहा जाता है। यमराज और यमी सूर्य की जुड़वा संतान हैं। यमी बाद में यमुना हो गईं और धरती पर चली गईं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**

संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**